RNI NO. DELHI/2012/48369
वर्ष 8 अंक 176
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 30 अप्रैल, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

जो बाइडेन के समर्थन में आईं हिलेरी क्लिंटन
विदेश-11

घर जा सकेंगे फंसे मजदूर छात्र, श्रद्धालु और सैलानी

● गृह मंत्रालय ने राज्य सरकारों को दी सशर्त इजाजत, सिर्फ बस से होगी वापसी, स्क्रीनिंग और 14 दिन का क्वारंटीन जरूरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ चल रही देशव्यापी जंग के बीच केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को एक अहम फैसला लिया। मंत्रालय ने लॉकडाउन के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में फंसे प्रवासी मजदूर, पर्यटक, छात्रों और अन्य लोगों को अपने घर जाने की अनुमति दे दी है लेकिन कुछ शर्तों के साथ। मंत्रालय ने इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

देश में कोरोना वायरस का प्रसार रोकने के लिए तीन मई तक लॉकडाउन जारी है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 मार्च को राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की थी। इसकी वजह से प्रवासी मजदूर, बाहर पढ़ाई कर रहे छात्र-छात्राएं आदि वहीं फंस गए थे और लंबे समय से घर वापस पहुंचाने की मांग कर रहे थे। मंत्रालय की ओर से जारी दिशानिर्देश के मुताबिक लॉकडाउन की वजह से फंसे प्रवासी मजदूरों, श्रद्धालुओं, पर्यटकों और छात्रों आदि को वापस जाने की अनुमति दी जाती है। इसके लिए इन्हें कुछ नियमों का पालन करना पड़ेगा।

इसके तहत सभी राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों को नोडल अधिकारी नियुक्त तथा ऐसे व्यक्तियों को भेजने या बुलाने के लिए मानक प्रोटोकॉल तय करना होगा। नोडल अधिकारी अपने राज्य या केंद्रशासित प्रदेश में फंसे हुए लोगों का पंजीकरण करेगा। ऐसी स्थिति में जब कुछ लोगों का एक समूह एक राज्य से दूसरे राज्य में जाना चाहता हो तो इसकी अनुमति के लिए दोनों राज्यों को एक दूसरे से संपर्क करना होगा और सड़क मार्ग से परिवहन के लिए सामूहिक अनुमति देनी होगी। यात्रा करने वाली व्यक्ति की स्क्रीनिंग होगी और जिनमें लक्षण नहीं दिखेंगे उन्हें ही यात्रा की अनुमति दी जाएगी।

दिशानिर्देश में कहा गया है कि लोगों के समूह के एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिए बसों का इस्तेमाल किया जाएगा। बसों को सैनिटाइज किया (शेष पेज 9)

लॉकडाउन के चलते पटना से छत्तीसगढ़ में अपने गांवों के लिए साइकिल से ही जाते प्रवासी मजदूर

तेलंगाना में सड़क पर मजदूर, भड़की हिंसा

पायनियर समाचार सेवा। हैदराबाद

संगारेड्डी जिले के कंडी स्थित आईआईटी हैदराबाद में वेतन ना मिलने से गुस्साए सैकड़ों प्रवासी मजदूरों ने कथित तौर पर निर्माण कम्पनियों के कुछ अधिकारियों पर हमला किया और बाद में मौके पर पहुंची पुलिस पर भी पथराव किया, जिसमें एक उप-निरीक्षक और दो पुलिस कर्मी घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि निर्माण स्थल के पास ये मजदूर प्रदर्शन कर रहे थे। ये दिहाड़ी मांग रहे थे और कोरोना वायरस से निपटने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के दौरान अपने पैतृक निवास वापस जाने देने की मांग कर (शेष पेज 9)

निजी अल्पसंख्यक कॉलेजों में प्रवेश सिर्फ नीट के ही जरिये

● सुप्रीम कोर्ट ने खत्म की अटकलें, नीट को पूरे देश में मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश का एकमात्र माध्यम करार दिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण व्यवस्था में कहा कि स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर मेडिकल और डेंटल पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के नियम सहायता प्राप्त और गैर सहायता वाले अल्पसंख्यक तथा सभी निजी शिक्षण संस्थाओं पर लागू होते हैं, क्योंकि इससे उनके किसी अधिकार का हनन नहीं होता है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि एक समान प्रवेश परीक्षा (नीट) तर्कसंगत है और इसका इसका मकसद मेडिकल शिक्षा में पनप रहीं तमाम खामियों और मेरिट में अंक प्राप्त करने वाले छात्रों से कैपिटेशन फीस लेकर उन्हें प्रवेश देने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के साथ शिक्षा में शोषण तथा इसके व्यवसायीकरण को रोकना है। न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा, न्यायमूर्ति विनीत सरन और न्यायमूर्ति एमआर शाह की पीठ ने अपने फैसले में कहा

कि नीट को व्यवस्था में व्याप्त खामियों को निकाल बाहर करने के पहले कदम को देखते हुए इससे पीछे कदम खींचना राष्ट्र हित में नहीं होगा और अगर हम पुरानी व्यवस्था को अपनाएंगे तो हमारी भावी पीढ़ी हमें माफ नहीं करेगी। पीठ ने कहा कि भारतीय चिकित्सा परिषद कानून के प्रावधान और नियम संविधानेत्तर नहीं हैं और न ही वे सहायता प्राप्त तथा सहायता नहीं पाने वाले अल्पसंख्यक संस्थानों को संविधान के विभिन्न प्रावधानों में प्रदत्त अधिकारों का हनन करते हैं।

पीठ ने कहा कि परिणामस्वरूप हम यह व्यवस्था देते हैं कि स्नातक और स्नातकोत्तर मेडिकल तथा डेंटल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट के एक समान परीक्षा कराने से संविधान के अनुच्छेद 19 (1)(जी) और अनुच्छेद 25, 26 और 29(1) तथा 30 के तहत गैर सहायता वाले और सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक संस्थाओं के अधिकारों का हनन नहीं होता है। न्यायालय ने कहा कि नीट की परीक्षा के आयोजन के नियमों से धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों द्वारा शासित संस्थाओं के अधिकारों में किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं है और इसका मकसद (शेष पेज 9)

आखिर क्या है मामला?

मेडिकल और डेंटल कोर्स में दाखिले के लिए केंद्र सरकार ने नोटिफिकेशन जारी किया था और 2012 में जारी नोटिफिकेशन के तहत नीट के जरिये एंट्रेंस एग्जाम लिए जाने का प्रावधान किया गया था। इसके दायरे में देश भर के तमाम संस्थानों में दाखिले का प्रावधान किया गया। इसके बाद 18 जुलाई 2013 को सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस अल्तमस कबीर की अगुवाई वाली बेंच ने दो बनाम एक के बहुमत से नोटिफिकेशन को खारिज कर दिया। पीठ ने कहा था कि नीट अल्पसंख्यक संस्थान के अधिकार का उल्लंघन करता है। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा के तौर पर आया। वर्ष 2016 में सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की बेंच ने 2013 के फैसले को वापस ले लिया और फिर नए सिरे से सुनवाई का आदेश दिया। इस दौरान नीट को इजाजत दे दी कि वह दाखिला के लिए एग्जाम लेता रहे। अब तीन जजों की बेंच ने दिए फैसले में नीट पर मुहर लगा दी है।

मरने वालों की संख्या ने लांघी हजार की सीमा

● चौबीस घंटे में कोरोना ने ली 73 जानें, एक हजार आठ हुए मृतक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वक्त के साथ केस भले बढ़ रहे हों, लेकिन देष में कोरोना की पकड़ ढीली पड़ रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने आंकड़ों के साथ इस बात को पुख्ता किया है। उन्होंने बताया कि केवल 0.33 फीसदी मरीज ही वेंटिलेटर पर हैं और 1.5 फीसदी लोग ऑक्सीजन सपॉर्ट पर हैं और 2.34 फीसदी मरीज आईसीयू में हैं। खास यह कि पिछले तीन दिन से कोरोना वायरस पॉजिटिव केस डबलिंग और भी ज्यादा बढ़ गया है। लॉकडाउन के एक महीने पूरे होने पर सरकार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया था

कि अब मामले 10 दिनों में दोगुने हो रहे हैं अब ये और भी बढ़ गया है। आंकड़ों के मुताबिक अब केस 11.3 दिनों में दोगुने हो रहे हैं। यानी कोरोना हारता दिख रहा है। पूरे विश्व में मृत्यु दर 7 प्रतिशत के आसपास है, लेकिन भारत में लगभग 3 प्रतिशत है।इन सब के साथ कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा 1008 पहुंच गया है। पिछले 24 घंटों में 1813 नए मामले सामने आने के बाद सक्रंमित मरीजों की संख्या बुधवार को 31787 हो गई है। यही ही नहीं, एक दिन में 71 लोगों की मौत भी हुई है। हालांकि राहत की बात यह है कि 7,797 मरीज इस बीमारी को हराने में कामयाब भी हुए हैं। इस बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव (शेष पेज 9)

पंजाब में लॉकडाउन दो हफ्ते बढ़ा, पश्चिम बंगाल में मिलेगी छूट

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़/कोलकोता

कोरोना वायरस महामारी के चलते पंजाब में लॉकडाउन तीन मई से दो हफ्ते और बढ़ा दिया गया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने बुधवार को घोषणा की। हालांकि निषिद्ध क्षेत्र व रेड जोन को छोड़कर अन्य क्षेत्रों में इसमें कुछ छूट देने का भी ऐलान किया है। इस बीच, पश्चिम बंगाल में लॉकडाउन बढ़ाए जाने के बाद राज्य सरकार ने आज कई रियायतें दी है। राज्य के ग्रीन जोन में छोटी दुकानें, फैक्टरियां और निर्माण गतिविधियों को छूट दी गई है। नए दिशानिर्देशों के मुताबिक एक मई से प्रदेश के ग्रीन जोन में स्टेशनरी, रंगरोगन, इलेक्ट्रॉनिक्स, हार्डवेयर, मोबाइल, लांड्री, चाय और पान की दुकानों को खोलने की अनुमति दी जाएगी। मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने (शेष पेज 9)

रोजाना 60 हजार टेस्ट कर रही सरकार, जल्द होंगे एक लाख

● कम टेस्ट को लेकर हो रही आलोचना के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने दी जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड-19 के कम टेस्ट करने के लिए चारो ओर से आलोचना का सामना करने के बाद भारत ने अब प्रति दिन 60,000 टेस्ट करना शुरू कर दिया है और लगातार इसे बढ़ाते जाने पर जोर दिया जा रहा है।

लायन क्लब इंटरनेशनल के सदस्यों के साथ वीडियो कांफ्रेंस से बात करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने बुधवार को कहा कि

कोरोना से लड़ाई

डॉ. हर्षवर्धन

अगले कुछ दिनों में प्रति दिन एक लाख लोगों की जांच की जाएगी।

हालांकि, अतिरिक्त परीक्षण बढ़ाने पर डाटा एंट्री और लैब आदि के लिए अधिक मानव संसाधन यानी कर्मचारियों की जरूरत पड़ेगी। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) ने बुधवार को कहा कि देश में बीमारी के प्रकोप के बाद से अब तक 7,70,764 टेस्ट किए जा चुके हैं। इसमें बुधवार को किए गए टेस्ट शामिल नहीं हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि देश में कोरोना वायरस का संक्रमण अपने चरम पर आना बाकी है।

चूंकि अभी पर्याप्त संख्या में लोगों के टेस्ट नहीं हो पा रहे, इसलिए मरीजों का पता नहीं चल रहा है। वर्तमान में, 288 सरकारी और 97 निजी प्रयोगशालाएं टेस्ट के काम में जुटी हैं। इसी के साथ 16,000 सैंपल संग्रह केंद्र भी हैं। सभी मिलकर हर रोज लगभग 60,000 परीक्षण कर रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि कोरोना से लगभग 40 प्रतिशत मौतें महाराष्ट्र में हुई हैं। बुधवार तक 1008 लोगों की जान इस बीमारी से गई है, इनमें लगभग 400 मौतें महाराष्ट्र से हैं। सरकार द्वारा (शेष पेज 9)

केंद्रीयकर्मियों के लिए आरोग्य सेतु एप जरूरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने बुधवार को अपने 48.34 लाख कर्मचारियों को तत्काल आरोग्य सेतु मोबाइल एप डाउनलोड करने और इस पर यात्रा के लिए सुरक्षित स्थिति दर्शाए जाने पर ही कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया है।

कार्मिक मंत्रालय द्वारा सख्ती से अमल के निर्देशों के साथ जारी आदेश में केंद्र सरकार ने अपने अधिकारियों, कर्मिचारियों और आउटसोर्स किए गए कर्मियों को तत्काल एप डाउनलोड करने को कहा है। आदेश में कहा गया, आरोग्य सेतु एप पर अपने आसपास की स्थिति की समीक्षा करने और एप में सुरक्षित या कम जोखिम के संकेत मिलने पर ही कार्यालय जाएं। अधिकारियों और कर्मचारियों को सलाह दी गई है कि यदि एप्लिकेशन में ब्लूटूथ प्रॉक्सिमिटी के आधार पर,

हाल ही में संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने को लेकर मध्यम या उच्च जोखिम का संदेश मिलता है तो वे कार्यालय ना जाएं तथा सुरक्षित या कम जोखिम की स्थिति का संकेत मिलने तक स्वयं को 14 दिनों के लिए पृथक-वास में रखें।

सरकार द्वारा विकसित आरोग्य सेतु एप्लिकेशन लोगों को कोरोना वायरस संक्रमण के जोखिम का आकलन करने में मदद करता है। एक वरिष्ठ अधिकारी - सभी विभागों में संयुक्त सचिव (प्रशासन) - निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करेगा। आदेश में कहा गया है मंत्रालय अथवा विभाग सभी संबंधित स्वायत्त, वैधानिक (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	32,720	↑ 605
निफ्टी	9,553	↑ 172
सोना		/10g
चांदी		/kg

क्विक न्यूज

यूजीसी ने नए शैक्षिक सत्र, परीक्षाओं के दिशा-निर्देश जारी किए

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर यूजीसे ने विश्वविद्यालयों से कहा कि नए छात्रों के लिए सितंबर से तथा पहले से पंजीकृत छात्रों के लिए अगस्त से शैक्षिक सत्र शुरू किया जा सक्ता है। आयोग ने कहाकि कि अंतिम सेमेस्टर के छात्रों की परीक्षा जुलाई मे आयोजित की जा सक्ती है। यूजीसी ने कहा है, बीच के सत्र के छात्रों को पूर्व और मौजूदा सेमेस्टर के आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर ग्रेड दिए जाएंगे। जिन राज्यो में कोरोना वायरस की स्थिति सामान्य हो चुकी है वहां जुलाई के महीने मे परीक्षाएं होंगी। आयोग ने कहा है, एमफिल, पीएचडी छात्रों को छह महीने का और समय मिलेगा और साक्षात्कार वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए होगा।

हिसाब बराबरी की जंग, अब योगी की उद्धव को नसीहत

● शिवसेना प्रमुख से कहा, यूपी की चिंता छोड़ महाराष्ट्र संभालें

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बुलंदशहर में संतों की हत्या के बाद उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को घेर रही शिवसेना को खुद योगी ने सख्त चेतावनी दी है। योगी ने मंगलवार को अपने ऑफिस के अकाउंट से ट्वीट करते हुए कहा कि शिवसेना महाराष्ट्र संभाले और यूपी की चिंता ना करे। योगी ने कहा कि आप महाराष्ट्र संभालें हमने बुलंदशहर के आरोपी को तत्काल गिरफ्तार किया है। यूपी में कानून तोड़ने वालों से सख्ती से निपटा जाता है। बुलंदशहर में साधुओं की हत्या के चंद घंटों बाद ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इससे पहले उद्धव (शेष पेज 9)

पीएम से उद्धव ने कहा सरकार अस्थिर करने के हो रहे प्रयास

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने खुद को विधान पार्षद मनोनीत करने को लेकर राज्यपाल के फैसले पर असमंजस के बीच, बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इस मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सूत्रों ने बताया कि ठाकरे ने मोदी से फोन पर बात (शेष पेज 9)

पान सिंह तोमर की लाइफ इन मेट्रो-सुपुर्दे खाक

अलविदा इरफान खान

● हिंदी-अंग्रेजी मीडियम में मकबूल-मिलेनियर-पीकू के लंचबॉक्स को हमेशा याद रखेगा जमाना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/मुंबई

अपने बेजोड़ अभिनय से पूरे देश और दुनिया का दिल जीतने वाले फिल्म अभिनेता इरफान खान अब नहीं रहे। लंबे समय से एक दुर्लभ किस्म के कैंसर से जंग लड़ रहे इरफान खान का 54 वर्ष की उम्र में बुधवार को मुंबई के कोकिला बेन अस्पताल में निधन हो गया।

उनके अंतिम शब्द थे-अम्मा हमें लेने आई हैं। इरफान की 95 वर्षीय मां सईदा बेगम का चार दिन पहले ही जयपुर में इंतकाल हो गया था। लॉकडाउन के कारण वह अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो सके थे जिसके लिए वे काफी दुखी थे। लीक से हटकर निभाई गई यादगार भूमिकाओं के लिए सर्वत्र सराहे गए हरफनमौला अभिनेता के शव को वर्सोवा के यारी रोड स्थित कब्रिस्तान में बेटों और चुनिंदा दोस्तों की मौजूदगी में सुपुर्दे खाक कर दिया गया। इरफान को 2018 में न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर हुआ था।

उनके परिवार में पत्नी सुतापा और दो बेटे बाबिल और अयान हैं। कोरोना संकट की घड़ी में उठे उनके जनाजे में कुछ ही लोग शामिल हो सके लेकिन, उनकी असमय मौत ने पूरे बॉलीवुड और देश -दुनिया के सिने प्रेमियों को गमगीन कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने भी इरफान खान के निधन को रंगमंच और फिल्मी दुनिया के लिए अपूरणीय क्षति बताकर उनके परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की है।

दोस्तों के दोस्त और बेहद नेक इंसान कहलाने वाले इरफान ने दुनिया छोड़कर बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन, भाईजान सलमान खान, बादशाह शाहरुख खान से लेकर नए-पुराने, छोटे-बड़े हर कलाकार, निर्माता, निर्देशक, तकनीशियन को गहरे शोक में डुबो दिया है। इरफान को याद करते अनुपम खेर फफक पड़े तो सलमान और शाहरुख ने कहा कि आप बहुत याद आएंगे इरफान। उनकी अंतिम फिल्म अंग्रेजी मीडियम की साथी कलाकार करीना कपूर भी हतप्रभ हैं।

इरफान की जिदगी कड़े संघर्ष और मुश्किल भरे उबड़खाबड़ रास्तों से गुजरकर शोहरत के ऊंचे मुकाम पर पहुंचने की ऐसी दास्तां है जिसे पढ़ने के बाद सिर खुद ब खुद उनकी सजदे में झुक जाता है। इरफान का जन्म जयपुर के आमरओड़ में एक बेहद सामान्य परिवार में हुआ था। उनके पिता पंचर बनाते थे और जब इरफान सिर्फ 19 साल के थे तभी उनका निधन हो गया। घर के बड़े बेटे इरफान पर परिवार का पेट पालने का बोझ आ गया लेकिन नौकरी करने के बजाय वह दिल्ली आ गए एनएसडी में दाखिला ले लिया। वहां से मिलने वाली फैलोशिप से ही वह अपना व परिवार का खर्चा (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 30 अप्रैल, 2020

हरियाणा में बंद नहीं होंगी कर्मचारियों की भर्तियां

आज से 15 जिलों में शुरू होंगी व्यापारिक गतिविधियां

33 फीसदी कर्मचारियों के साथ चलेगी आईटी इंडस्ट्री

वर्किंग आवर आठ की बजाए हुए 12 घंटे

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश में सरकारी भर्तियों को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा है कि किसी भी विभाग में आवश्यक भर्तियों को रोका नहीं जाएगा। सीएम ने बताया कि कर्मचारी संगठनों के साथ सभी पहलुओं पर बातचीत करने के बाद यह फैसला लिया गया है कि केवल विश्वविद्यालयों में गैर जरूरी भर्तियों पर रोक रहेगी। बुधवार को हरियाणा कार्यक्रम के दौरान प्रदेश वासियों से रूबरू होते हुए सीएम ने कहा कि पिछले साढ़े पांच साल के कार्यकाल के दौरान 73,500 पदों पर नई भर्तियां की गई हैं। वर्तमान में 12,500 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू हो चुकी हैं। सीएम ने इन पदों के लिए आवेदन करने वाले हरियाणा के बेरोजगार युवाओं को आश्वासन किया कि वह घर बैठकर परीक्षा की तैयारी करें। जैसे ही हालात सामान्य होंगे वो इन पदों के लिए परीक्षाओं का आयोजन करके भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार से हरियाणा में लॉकडाउन खोलने का दूसरा चरण शुरू करने का ऐलान करते हुए कहा कि आज से प्रदेश के 15 जिलों 33 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ आईटी कंपनियां अपना काम शुरू कर सकेंगी। इसके कोरोना के दृष्टिकोण से सामान्य हो चुके 15 जिलों में कोई भी उद्योगपति सोशल डिस्टेंस कमेटी की मंजूरी से 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ अपनी गतिविधियां चला सकेगा। मुख्यमंत्री ने उद्योगों के मौजूदा हालातों को देखते हुए प्रदेश में वर्किंग आवर आठ घंटे से बढ़ाकर 12 घंटे करने का ऐलान करते हुए कहा कि उद्योगपति कामगारों की सहमति के साथ काम ले सकते हैं बशर्ते उन्हें नियमानुसार वेतन की अदायगी करनी होगी।

मुख्यमंत्री ने हरियाणा में लॉकडाउन खोलने के पहले चरण को कामयाब करार देते हुए कहा कि वर्तमान में करीब दो लाख 70 हजार कामगार ईंट-भट्ठों पर तो करीब साढ़े पांच लाख कर्मचारी उद्योगों में काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेश वासियों को आश्वासन दिया कि तीन मई तक हालात अगर सामान्य रहे तो हरियाणा में लॉकडाउन खोलने के तीसरे चरण को लागू कर दिया जाएगा।

माननीयों ने दिल खोलकर दिया योगदान

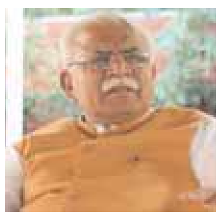

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश वासियों से कोरोना राहत कोष में बढ़-चढ़कर सहयोग की अपील करते हुए हरियाणा के 77 विधायकों और 13 मंत्रियों द्वारा अपना एक-एक माह का वेतन राहत कोष में दिया जा चुका है। इसके अलावा सभी की तरफ से अगले एक साल तक अपने वेतन का 30 प्रतिशत हिस्सा राहत कोष में जमा करवाने पर सहमति दी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि बोर्ड व निगमों के चेयरमैन भी अपना एक-एक माह का वेतन राहत कोष में दे चुके हैं। इसके अलावा प्रदेश के 42 पूर्व विधायकों ने भी अपनी पेंशन राहत कोष में देने का ऐलान किया है।

प्रदेश के इन सात जिलों में रहेगी सख्ती

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि कोरोना पॉजिटिव केस आने के कारण गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल, सोनीपत, पानीपत, झज्जर व पंचकूला में अभी कुछ दिन सख्ती रहेगी। उन्होंने कहा कि गुरुवार से लॉकडाउन खोलने के दूसरे चरण में इन जिलों के उपायुक्त अपने स्थानीय हालातों के अनुरूप ही फैसला करेंगे। प्रदेश के अन्य जिलों में लागू होने वाला फैसला इन जिलों में मान्य नहीं होगा।

प्रवासी मजदूरों को क्वारंटाइन के बाद भेजा

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में प्रवासी मजदूरों को लेकर चल रहे खबरों को खारिज करते हुए कहा कि जिस समय लॉकडाउन हुआ तो उस समय इन मजदूरों को यहां रखना जरूरी था। सरकार ने हरियाणा के शेल्टर होम में रुके करीब साढ़े 15 हजार मजदूरों के रहने का उचित प्रबंध किया। इनका क्वारंटाइन पूरा होने के बाद ही इन्हें पैतृक राज्यों में भेजा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के निर्माण में प्रवासी मजदूरों की भूमिका अहम है। भविष्य में यह जब हरियाणा लौटना चाहेंगे इनका स्वागत है।

कोरोना योद्धाओं के भत्ते रोकने पर होगा प्रदेश व्यापी विरोध

सर्व कर्मचारी संघ ने किया ऐलान

चंडीगढ़। सर्व कर्मचारी संघ (हरियाणा) ने कोरोना योद्धाओं कर्मचारियों के भत्तों को रोकने व जीपीएफ की निकासी पर रोक लगाने का आरोप लगाते हुए प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदेशव्यापी विरोध करने का निर्णय लिया है। संघ द्वारा लिए गए निर्णय अनुसार अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस एक मई को सभी शहरों, कस्बों एवं गांव में फिजीकल डिस्टेसिंग की पालना करते हुए विरोध कार्रवाई करेंगें और लाकडाउन के बाद भत्तों की कटौतियों के खिलाफ आंदोलन तेज करने का संकल्प लेंगे।

संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष लांबा ने सरकार से दोबारा ढेड साल तक फ्रिज किए गए डीए, दिसंबर, 2020 तक फ्रिज की गई एलटीसी व जीपीएफ की निकासी पर लगाई गई रोक के निर्णय पर पुनर्विचार कर वापस लेने की मांग की है। उन्होंने बताया कि सरकार के इन निर्णयों से 30 जुलाई, 2021 तक रिटायर होने वाले कर्मचारियों को 3 से 6 लाख रुपए का नुक़सान उठाना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि नयी भर्तियों पर एक साल तक रोक लगाने से परीक्षाओं की तैयारी में जुटे बेरोजगार युवाओं को भारी झटका लगा है। सरकार को इस निर्णय पर भी पुनर्विचार करना चाहिए। उन्होंने जब तक नयी भर्तियों पर प्रतिबंध रहे,इस अंतराल में रिटायर होने वाले कर्मचारियों को रिटायर न करने की मांग की। उन्होंने बताया कि मजदूर दिवस पर आयोजित विरोध कार्रवाई में सरकार द्वारा किए जा रहे आर्थिक हमलों के बारे में एक हैंड बिल का वितरण भी सोशल मीडिया के द्वारा किया जाएगा।

संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश कुमार शास्त्री ने बताया कि एक तरफ सरकार बड़े पूंजीपतियों के लाखों करोड़ों रुपए लोन को माफ कर रही है और दुसरी तरफ आर्थिक संकट के नाम पर कर्मचारियों के भत्तों को बंद कर रही है। जिसको लेकर कर्मचारियों में भारी आक्रोश बढ रहा है। उन्होंने बताया कि सूचना के अधिकार से खुलासा हुआ है कि आरबीआई ने 50 बड़े पूंजीपतियों डिफाल्टर के 68607 करोड़ रुपये कर्ज माफ कर दिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

आढ़तियों ने 100 क्विंटल गेहूं गोशाला के लिए दिए दान

निगदू। बाबा हरिदास श्रीकृष्ण गोपाल गोशाला बोहला खालसा की ओर से निगदू अनाज मंडी में गोवंश के लिए दान एकत्रित किया गया। गोशाला के प्रधान सतपाल गुप्ता ने बताया कि आढ़तियों ने गोशाला के लिए लगभग 100 क्विंटल गेहूं दान दिए हैं। उन्होंने बताया कि आढ़तियों द्वारा हर वर्ष सीजन के समय गोवंश के चारे के लिए बेहद सहयोग किया जाता है। प्रधान सतपाल गुप्ता ने कहा कि गोवंश के लिए दिया हुआ दान जीवन में कल्याणाकरी साबित होता है। इसीलिए हम सबको मिलकर गोवंश के लिए बढ़-चढ़ कर सहयोग करना चाहिए। हिन्दू धर्म के अनुसार गाय में सभी देवी-देवताओं का वास होता है। अनाज मंडी एसोसिएशन के प्रधान राजबीर सागवाल ने कहा कि गायों के लिए किया गया दान सबसे बड़ा दान कहलाता है। इसलिए हर व्यक्ति को गाय के लिए दान करना चाहिए। इस मौके पर अनाज मंडी के उपप्रधान अर्पण गुप्ता, सतपाल बवेजा, जगदीश सावंत, सुन्दर गुप्ता, जसमेर राणा और रोशन लाल गुप्ता मौजूद थे।

शराब तस्करी किसी सूरत में सहन नहीं की जाएगी : एसपी

कैथल। एसपी शशांक कुमार सावन ने मंगलवार की शाम को वीडियो कॉफ्रेंसिंग द्वारा सभी डीएसपी, थाना प्रबंधकों व चौकी प्रभारियों की मीटिंग लेते हुए आदेश दिए कि जिला को कोरोना फ्री रखने के लिए पुलिस द्वारा लॉकडाउन की समुचित पालना सुनिश्चित कराने के लिए जरूरत अनुसार सख्ती का प्रयोग करें। एसपी ने कहा कि कई स्थानों पर सुबह-शाम काफी लोगों की भीड़ दिखाई देती है। इन स्थानों पर पब्लिक एनांउस सिस्टम युक्त गाडी द्वारा थाना प्रबंधक वहां मौजूद लोगों को लॉकडाउन की समुचित पालना के लिए निर्देश देकर चेतावनी दें कि नियमों की अनदेखी करने पर उनके खिलाफ कडी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। ऐसे स्थानों पर पीसीआर व राईडर भी सुबह-शाम निरंतर गश्त करें। एसपी ने थाना प्रबंधकों को निर्देश दिए कि सरकार के निर्देशानुसार अनावश्यक दुकानें न खुली हो, तथा दुकानों, बैंकों, अनाज मंडी व परचेजिंग सैंटरों पर सभी उपभोक्ता, दुकानदार, बैंक कर्मचारी, किसान व आढ़तियों द्वारा मास्क का प्रयोग करके सोशल डिस्टेंस का पालन करना सुनिश्चित करें।

शेल्टर होम्स में 159 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की

सोनीपत। कोविड-19 की रोकथाम के लिए लागू किए गए लॉकडाउन के दौरान बुधवार को जिला स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने शेल्टर होम्स में रह रहे 159 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। इनमें से 06 व्यक्तियों को हलके जुकाम, सिरदर्द आदि संबंधी उपचार दिया गया। उपायुक्त डा. अंशज सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शेल्टर होम में रह रहे प्रवासी श्रमिकों के स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उपायुक्त डा. अंशज सिंह के निर्देशानुसार जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार शेल्टर होम में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर रही है। सिविल सर्जन डा. बीके राजौरा व नोडल अधिकारी डा. दिनेश छिल्लर ने इस संदर्भ में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि टीम नंबर-195 के डा. दीपक ने सीसीएएस जैन व. मा. विद्यालय गन्नौर के शेल्टर होम में 101 तथा टीम नंबर-196 में शामिल डा. प्रवीण ने बाल भवन स्कूल गन्नौर में स्थापित शेल्टर होम में 58 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की।

जजपा पदाधिकारियों ने लोगों में बांटे मास्क

कुरुक्षेत्र। जननायक जनता पार्टी के जिला प्रधान कुलदीप सिंह मुल्तानी ने गांव मथाना बस स्टैंड पर मॉस्क वितरित किए। कुलदीप सिंह मुल्तानी ने कहा कि कोरोना वायरस से बचने के लिए सावधानी बरतनी जरूरी है और इसके लिए घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। यदि मजबूरी वश बाहर निकलना पड़े, तो फिर मॉस्क व हाथों में ग्लबस पहन कर ही घर से निकले। उनके साथ जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष रणजीत नैन व लाडवा हल्का प्रधान जोगध्यान ने भी लोगों में मॉस्क वितरण में सहयोग दिया।

खुबडू गांव की महिला कोरोना संक्रमित

सोनीपत। गन्नौर खंड के गांव खुबडू की एक महिला में बीती देर रात्रि कोविड-19 कोरोना वायरस के संक्रमण की पुष्टि हो गई है। इस एक नये मामले के साथ ही सोनीपत में कोरोना वायरस के पॉजिटिव मामलों की संख्या 25 हो गई है। उपायुक्त डॉ. अंशज सिंह ने जिला स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर यह जानकारी दी। उपायुक्त डॉ. अंशज सिंह ने कहा कि सोनीपत में बढ़ रहे कोरोना वायरस के पॉजिटिव मामलों पर लगाम लगाने के लिए लॉकडाउन का पूर्ण अनुपालन करना होगा। साथ ही संक्रमित क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्रों से जुड़े लोगों में कोरोना के मामले अधिक संख्या में पाये गये हैं। उन्होंने बताया कि अब कोविड-19 कोरोना वायरस के पॉजिटिव केसों का आंकड़ा दो दर्जन के पार पहुंच गया है। ऐसे में हर किसी को सावधान रहने की आवश्यकता है।

कोरोना योद्धा के रूप में पुलिस कर्मचारियों को सेल्यूट

कुरुक्षेत्र। कोरोना वायरस से बचने के लिए लागू लॉकडाउन को सफल बनाने में पुलिस विभाग अहम भूमिका निभा रहा है। पुलिस कर्मचारी घर से बाहर विभिन्न स्थानों पर ड्यूटी देकर अपनी कर्तव्य पूरा कर रहे हैं। यह बात हरियाणा प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता हरप्रीत सिंह चीमा ने कही। वे पुलिस कर्मचारियों को सम्मानित करने के लिए चलाए गए अभियान के तहत बोल रहे थे। उन्होंने पीपली थाने में आईपीएस उपासना यादव, डीएसपी भारत भूषण, एडिशनल एसएचओ सतीश कुमार को फूल माला व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। चीमा ने कहा कि संकट की इस घड़ी में सभी पुलिस कर्मचारियों द्वारा अपने घर और परिवार से दूर रहकर अपनी ड्यूटी के साथ-साथ सामाजिक दायित्व को बखूबी निभाया जा रहा है। इसके लिए हम उन्हें सैल्यूट करते हैं। पुलिस विभाग जनता और प्रशासन के बीच एक मजबूत कड़ी का काम कर रही है और हमारा यह फर्ज बनता है कि हम उनको मान सम्मान देकर उनकी हौसला अफजाई करें। इस अवसर पर धर्मेंद्र विर्क सरपंच, रामस्वरूप भुट्टो नंबरदार, गुरप्रीत नंबरदार, देवीचंद नंबरदार, साहब सिंह नंबरदार, बूटा सिंह, रणधीर सिंह सरपंच दौलतपुर, पंकज जोशी, गुरविंदर सिंह मौजूद रहे।

जरूरतमंदों को दिया राशन

कैथल। नगराधीश सुरेश राविश को स्थानीय राज विद्या केंद्र ने कोरोना महामारी के दृष्टिगत जरूरतमंदों को राशन दिया गया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय शांति वक्ता प्रेम रावत द्वारा गठित राज विद्या संस्था के देश भर में 5500 केंद्र हैं। उन्होंने कहा कि शहर की सामाजिक व धार्मिक संस्थाएं जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए आगे आकर कार्य कर रही हैं, जोकि बहुत ही सराहनीय है। नगराधीश सुरेश राविश ने कहा कि प्रेम रावत द्वारा संचालित राज विद्या संस्था दिल्ली के स्थानीय राज विद्या केंद्र के सदस्यों ने राशन जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए सौंपा है।

यूपी और महाराष्ट्र में साधुओं की हत्या पर जताया रोष

कुरुक्षेत्र। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के पालघर में साधुओं की हत्या की निंदा करते हुए ब्रह्मानंद वैदिक शोध संस्थान की संचालिका डा. मैत्रेयी आनंद ने कहा कि ऐसे अपराध पर अंकुश लगाना होगा।

उन्होंने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार और महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे सरकार से आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग करते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जाए। साध्वी ने कहा कि ऐसी घटनाएं व अपराध समाज का माहौल खराब करते हैं। उन्होंने कहा कि इससे संत समाज में आक्रोश पनप रहा है। उन्होंने कहा कि भगवाधारियों को निशाना बना कर उनकी हत्याएं की जा रही है, जो निंदनीय है। उन्होंने दोषियों को पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि योगी सरकार को इस संबंध में ठोस कदम उठाने चाहिए। साध्वी ने एक कविता अध्यात्म-धर्म के सजग प्रहरी साधु सन्तो पर विपदा है भारी, निर्दोष सन्तो की हत्या हो रही है, कानून व्यवस्था सब सो रही है, योगी सन्त ही जहां राजा बने है, उसी धरा पर सन्त शव पड़े है।

उमंग उत्सव वेलफेयर ने डॉक्टर्स के लिए मुहैया कराई पीपीई किट

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

आईजी हरदीप दून ने कहा कि उमंग उत्सव वैल्फेयर सोसायटी जहां जरूरतमंदों को राशन आदि मुहैया करा रही है, वहीं स्वास्थ्य सेवाओं के दृष्टिगत प्राईवेट संस्थानों के डॉक्टर्स को भी पीपीई किट देना सराहनीय कार्य है। आईजी हरदीप दून कोयल कॉम्पलैक्स के सभागार में प्राईवेट डाक्टरों को पीपीई किट प्रदान करने के दौरान बोल रहे थे। उन्होंने कोरोना वायरस से बचाव के दृष्टिगत जिला में किए जा रहे प्रशासनिक कार्यों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया और कहा कि जिला कैथल कोरोना फ्री है। इस व्यवस्था को ही यूहीं बनाए रखना है। विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पीपीई किट, मास्क, गलब्ज आदि मुहैया करवाए जा रहे हैं, जोकि संबंधित तक पहुंचाए जा रहे हैं, ताकि इस महामारी की लड़ाई में सभी सुरक्षित रहें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 1603 पीपीई किट, 2574 एन-95 मास्क, 118 थर्मल स्कैनर और 198 ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था है।

इस मौके पर नगराधीश सुरेश राविश, अरूण सर्राफ, कमल मित्तल, रवि जेतली, डॉ. डीपी गुप्ता, विनोद मित्तल, पवन बंसल, राजकुमार जिंदल, राहुल खुरानिया, बख्शीश गिरधर, अमित सेठ, दीपक गर्ग, अभिषेक गोयल आदि मौजूद रहे।

लॉकडाउन के नाम पर पिटाई करने के मामले में बीडीपीओ सस्पेंड

पायनियर समाचार सेवा। हथीन

लॉकडाउन के दौरान मौलाना के साथ पिटाई करने के मामले में सरकार ने हथीन के खंड विकास एवं पंचायात अधिकारी नरेंद्द ढूंढ को सस्पेंड कर दिया गया है। आरोप है कि लॉकडाउन के दौरान बीडीपीओ व उसकी टीम ले तीन मौलानाओं के साथ मारपीट की थी। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो गई। पीड़ितों की तरफ से भी सरकार को शिकायत की गई। जिस पर सरकार ने यह कड़ा फैसला लिया। बता दें कि 4 दिन पहले बीडीपीओ नरेंद्र ढोल ड्यूटी पर थे उसी दौरान उटावड़ में ड्यूटी के दौरान मौलाना की पिटाई की गई। इतना ही नहीं मौलाना को जांच के नाम पर क्वॉरेंटाइन कराया गया। उच्च अधिकारियों से बीडीपीओ नरेंद्र ढोल की शिकायत की गई। सरकार ने मामले पर संज्ञान लेते हुए बीडीपीओ नरेंद्र ढोल को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। बीडीपीओ नरेंद्र का कहना था कि उन्हें निलंबन की सूचना मिल गई है लेकिन उन्हें हैरत है कि अच्छी ड्यूटी करने के बावजूद उन को निलंबित किया है।

कैथल के मेहरचंद राविश ने की एंटी डॉट के लिए शरीर दान की पेशकश

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

अपने परिवार के साथ मुख्यमंत्री को ट्वीट किया पत्र दिखाता मेहरचंद राविश।

कैथल की जनकपुरी कालोनी निवासी सामाजिक कार्यकर्ता मेहरचंद राविश ने कोरोना वायरस का एंटी डॉट तैयार करने के लिए अपना जीवित शरीर सरकार को सौंपने की पेशकश की है।

मुख्यमंत्री मनोहरलाल को मेहरचंद राविश ने ट्वीट कर अपनी भावना व्यक्त की। मेहरचंद राविश ने पत्र मुख्यमंत्री मनोहरलाल और कैथल जिला उपायुक्त को भी ई मेल कर कहा कि कोरोना वायरस महामारी से विश्व के कई देशों के साथ भारत व प्रदेश संकट से जूझ रहा है। दुनिया में प्रतिदिन लाखों लोग इस महामारी से संक्रमित और हजारों लोग अकाल मृत्यु का शिकार हो रहे है जोकि चिंताजनक है।

ऐसे में कोरोना वायरस की दवाई के प्रयोग के लिए प्रदेश के चिकित्सकों और वैज्ञानिकों को मानव शरीर की आवश्यकता हो तो वह अपना शरीर दान में देने के लिए तैयार है। परीक्षण के दौरान अगर उसकी जान भी चली जाए तो उसे कोई गम नहीं है। उन्होंने कहा कि देश से बढ़कर मेरे लिए कुछ भी नहीं है। मैं रहूं या नहीं, लेकिन मेरा हिंदुस्तान सलामत रहना चाहिए। मेहरचंद राविश के इस निर्णय के बारे में उसके घर के सभी परिजनों को भी पता है।

कैथल का राजौंद खंड हुआ सक्षम

कैथल। मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी कार्यक्रम के प्रोग्राम निदेशक डॉ. राकेश गुप्ता द्वारा सक्षम घोषणा परिणाम के बारे में और घर से पढ़ाओ अभियान विषय पर वीडियो कॉन्फ्रेंस लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फरवरी माह में आयोजित की गई सक्षम परीक्षा 2.0 का परिणाम घोषित करते हुए बताया कि हरियाणा में सभी 119 खंड में 22 खंड सभी कक्षाओं में पूर्ण रूप से सक्षम हुए, जिसमें कैथल का एक खंड राजौंद पूर्ण रूप से सक्षम हो गया है। इसके अलावा 26 खंड 5 कक्षाओं में सक्षम रहे, 33 खंड 4 कक्षाओं में सक्षम रहे, 28 खंड 3 कक्षाओं में सक्षम रहे, 8 खंड 2 कक्षाओं में सक्षम रहे और एक खंड एक कक्षा में सक्षम रहा।

सर्विलांस टीम को आईजी ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

पुलिस महानिरीक्षक करनाल रेंज भारती अरोड़ा ने कोविड-19 में जिला सर्विलांस अधिकारी की भूमिका निभा रहे जिला रेड क्रॉस सोसायटी के सचिव डा0 सुनील कुमार व उनकी टीम को बेहतरीन कार्य करने पर, उन्हें प्रशस्ति पत्र तथा नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

महानिरीक्षक ने बुधवार को अपने कार्यालय में बुलाकर कोविड-19 जिला सर्विलांस टीम को सम्मानित किया। इस टीम के अधिकारी रेड क्रॉस सचिव डा0 सुनील कुमार के बारे में पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि कोरोना वायरस महामारी में पूरा देश व समाज डर रहा था, इस टीम ने बिना किसी डर के अपने स्वास्थ्य की परवाह किए बिना आगे आकर इस चुनौती को स्वीकार किया और पिछले दिनों एक बेहतरीन कार्य करके जिला प्रशासन का इस टीम ने सहयोग किया। इसके लिए उनको सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि कईं अधिकारी ऐसे भी होते है, जिन्हें पूरी सर्विस करने के बाद ऐसी सेवा करने का मौका नहीं मिलता, इन अधिकारी व कर्मचारियों को यह मौका मिला है और इन्होंने इस मौके का जनहित में फायदा उठाया है। यह सभी बधाई के पात्र है।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भोरिया ने कहा कि कोविड-19 के तहत जिला स्तर पर बनाई गई सर्विलांस टीम का कार्य बेहतर रहा। इस टीम का कार्य काफी प्रमुख होता है। इन टीम के सदस्यों ने काफी मेहनत के साथ अपने काम को गति दी है। कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज में कोविड-19 के तहत आने वाले सैंकड़ों मरीजों को होम क्वारंटाईन करवाया और उन्होंने दिन-रात मेहनत करके प्रशासन का सहयोग किया। जिला रेड क्रॉस सोसायटी के सचिव एवं जिला सर्विलांस अधिकारी डा0सुनील कुमार ने बताया कि कोविड-19 जैसी महामारी में सेवा करने का मौका मिला। इस सेवा से हमें सुकून का अहसास हुआ और प्रेरणा मिली की नौकरी से अलग भी सेवा करना सही मायने में भगवान की सेवा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वह इस महामारी में लॉक डाउन का पालन करें और अपने घरों में रहे, जरूरी हो तभी घरों से बाहर निकले, इस महामारी का यही एक बचाव है। उन्होंने बताया कि मेरे अलावा टीम के सभी 6 सदस्यों को प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। इस टीम में डा0 अमन यादव के अतिरिक्त पुलिस विभाग के कर्मचारी भी शामिल है।

9094 पीपीई किट और 8060 एन-95 मास्क उपलब्ध

सोनीपत। उपायुक्त डॉ. अंशज सिंह ने कहा कि कोविड-19 कोरोना वायरस पोजिटिव की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग के पास पर्याप्त संसाधन मौजूद हैं।

इस समय हमारे पास पीपीई किट 9094 हैं, जिनमें से सिविल अस्पताल सोनीपत के पास 3050 व जिला राजस्व अधिकारी के पास 6044 पीपीई किट उपलब्ध हैं। एन-95 मास्क की कुल संख्या 8060 है, जिनमें से सिविल अस्पताल में 7088 व जिला राजस्व अधिकारी 972 है। वीटीएम 750 हैं और गलव्स 30440 हैं। इनमें सिविल अस्पताल के पास 25700 गलव्स तथा जिला राजस्व अधिकारी के पास 4740 गलव्स का स्टॉक मौजूद है।

ट्रिप्पल लेयर मास्क की बात करें तो प्रशासन के पास कुल 67823 ट्रिप्पल लेयर मास्क हैं, जिनमें से सिविल अस्पताल के पास 46778 और जिला राजस्व अधिकारी के पास 21045 मास्क उपलब्ध हैं। इसके अलावा हैंड सैनेटाइजर 3085 उपलब्ध हैं, जिनमें से सिविल अस्पताल के पास 1637 और जिला राजस्व अधिकारी के पास 1448 हैंड सैनेटाईजर हैं।

राजनीतिक नियुक्तियों पर हो रहा मासिक खर्च बंद करे सरकार : एडवोकेट मधुसूदन

कुरुक्षेत्र। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस किसान प्रकोष्ठ के जिला प्रधान एडवोकेट मधुसूदन बवेजा ने कहा कि मनोहर लाल सरकार ने एक साल तक भर्ती रद्द करके अपनी कथनी और करनी में अंतर का एक उदाहरण पेश किया है।

उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के वेतन-भत्ते, एलटीसी में कटौती, किसानों, मजदूरों व विद्यार्थियों से कोरोना फंड में दान मांगने वाली भाजपा सरकार को पहले अपना आत्मविश्लेषण कर राजनीतिक नियुक्तियों पर हो रहे करोड़ों रुपये के मासिक खर्च बचाने की पहल करनी चाहिए। मगर सरकार प्रदेश के शिक्षित व होनहार युवाओं के रोजगार पर कैंची चला रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री मनोहर लाल से मांग की कि कोरोना संकट के कारण उत्पन्न आर्थिक संकट के चलते प्रदेश में मुख्यमंत्री कार्यालय सहित विभिन्न निगमों, बोर्डो, सरकारी संघों, मार्केट कमेटियों की राजनीतिक नियुक्तियां रद्द करके हर माह सरकारी राजस्व पर इन नियुक्तियों के वेतन, भत्ते, आवास, सरकारी गाड़ियों में खर्च होने वाला करोड़ों रुपये का धन अपवव्य होने से बचाया जाए। बवेजा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने संघी कार्यकर्ताओं को आर्थिक लाभ पहुंचाने के लिए प्रदेश के बाहर के लोगों को भी अपने मुख्यमंत्री कार्यालय में भर रखा है, जिसकी कोई आवश्यकता नहीं। मुख्यमंत्री ने सहायकों के नाम पर इतने राजनीतिक व्यक्तियों संघीयों को रोजगार दे रखा है, जो हरियाणा में कभी किसी मुख्यमंत्री ने नहीं किया। जिला प्रधान ने कहा कि भाजपा ने हरियाणा की सत्ता संभालने के बाद जिस तरह संघी कार्यकर्ताओं को नकली स्वतत्रंता सैनानी बनाकर उन्हें और उनके परिवारों को स्वतत्रंता सेनानी पैंशन देने की गलत परम्परा प्रारंभ की है, उससे भी हर माह करोड़ों रुपये व्यर्थ में खर्च किए जा रहे हैं, जिसे बंद करने की आवश्यकता है।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 30 अप्रैल 2020

दिल्ली में हो सकती है सामान की किल्लत

उच्चाधिकार प्राप्त समूह ने लॉकडाउन जारी रहने के बाद की स्थिति को लेकर किया आगाह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लॉकडाउन में दिल्ली में सामानों की किल्लत हो सकती है। उच्चाधिकार समूह ने लॉकडाउन जारी रहने के बाद की स्थिति को लेकर आगाह किया है। उसने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अगर लॉकडाउन तीन मई के बाद भी जारी रहा तो राष्ट्रीय राजधानी में आयात पर आधारित कई वस्तुओं जैसे शैंपू, बॉडी लोशन, बिस्कुट, सैनिटाइजर, सिगरेट, कॉफी, डाइपर, तेल आदि की कमी से जूझना पड़ेगा।

लॉकडाउन के मद्देनजर दिल्ली में खाद्य सामग्रियों और दवा सहित जरूरी चीजों की उपलबधता को लेकर आपूर्ति श्रृंखला को सुगम बनाने के लिए इस महीने के शुरू में मुख्य सचिव विजय देव ने एक उच्चाधिकार प्राप्त समूह का गठन किया था। खाद्य और नागरिक आपूर्ति आयुक्त अंकिता मिश्रा बुंदेला की अध्यक्षता वाले उच्चाधिकार प्राप्त समूह ने कहा है कि सभी आवश्यक दवाएं उपलब्ध होने की जानकारी है। लेकिन फैक्टरियों को अपनी क्षमता के 50 प्रतिशत से कम पर संचालन करने को कहा गया है। उच्चाधिकार समूह ने कहा है अगर लंबे समय तक स्रोत स्तर पर उत्पादन प्रभावित हुआ तो वितरक सभी दवाओं की आपूर्ति करने में सक्षम नहीं होंगे।

● शैंपू, बॉडी लोशन, बिस्कुट, सैनिटाइजर, सिगरेट, कॉफी, डाइपर, तेल आदि की कमी से पड़ेगा जूझना

मुख्य सचिव को सौंपी गयी अपनी पहली रिपोर्ट में समूह ने कहा है कि सामानों की ढुलाई के लिए मजदूरों की भी कमी है। कुछ स्टोर पर नामी कंपनियों के उत्पाद नहीं हैं, लेकिन वैकल्पिक ब्रांड या घरेलू ब्रांड के सामान मौजूद हैं। मालूम हो कि कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए 25 मार्च से लागू राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन को तीन मई तक के लिए बढ़ा दिया गया है।

कस्तूरबा अस्पताल में छात्रा पॉजिटिव

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के कस्तूरबा अस्पताल की पोस्ट ग्रेजुएट की प्रथम वर्ष की एक छात्रा कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गई है। निगम अधिकारियों ने बताया कि छात्रा की जांच एलएनजेपी अस्पताल में की गई और जांच रिपोर्ट मंगलवार रात में आई। छात्रा की हालत स्थिर है और वह होम क्वारंटीन में है।

निगम अधिकारियों के अनुसार सात डॉक्टर और चार नर्स उसके संपर्क में आने वाले पहले लोग हैं। ये सभी अब आइसोलेशन में हैं। इन सभी की जांच शीघ्र जल्द की जाएगी। इनके आइसोलेशन की अवधि जांच रिपोर्ट पर निर्भर करेगी। संक्रमित छात्रा 21 अप्रैल को अपने घर गई थी और उसमें कोरोना वायरस संक्रमण के लक्षण दिखे थे। हालांकि फिलहाल उसमें कोई लक्षण नहीं दिख रहे। उन पर निगरानी रखी जा रही है और अस्पताल के क्षेत्र को संक्रमण मुक्त कर दोबारा खोला गया ताकि चिकित्सा सेवा प्रभावित न हो।

आजादपुर मंडी में वायरस वाले कुल 11 कारोबारी

एशिया की सबसे फल-सब्जी मंडी में संक्रमित मिले 7 और व्यापारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आजादपुर सब्जीमंडी (फाइल फोटो)

राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और संक्रमितों का आंकड़ा तीन हजार के पार पहुंच गया है। इसी कड़ी में एशिया की सबसे बड़ी आजादपुर मंडी में अब तक 11 व्यापारी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इसके बाद पांच दुकानों को सील कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने व्यापारियों के संपर्क में आए करीब पचास लोगों को क्वारंटीन में रहने की सलाह दी है। मंडी में कुछ दिन पहले कोरोना से एक व्यापारी की मौत हो गई थी। इसके बाद उसके संपर्क में आए व्यापारियों का टेस्ट किया जा रहा है। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को कारण व्यापारी डरे हुए हैं।

दिल्ली सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एशिया की सबसे बड़ी फल और सब्जी मंडी में पिछले दिनों एक कारोबारी की मौत हो गई थी। इसके बाद उसके संपर्क में आए लोगों की पहचान कर बड़े स्तर पर कोरोना की जांच कराई जा रही है। जिसके बाद कई लोग संक्रमित पाए जा रहे हैं। आजादपुर मंडी एपीएमसी सदस्य ने बताया कि मंडी में बहुत से ऐसे लोग हैं, जोकि कोरोना के संक्रमित पाए गए हैं, लेकिन उनकी रिपोर्ट संबंधित अधिकारियों के पास नहीं है। इसकी वजह से यह आंकड़ा सिर्फ 11 लोगों का है। भविष्य में यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। मंडी नियमित रूप से चल सके। इसके लिए कोई खास पहल नहीं की जा रही है। ऐसे में व्यापारियों में डर का माहौल है।

राजधानी की बिगड़ती हालत के पीछे कोरोना जांच के रिपोर्ट में होनेवाली देरी भी बताई जा रही है। वहीं स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बुधवार को बताया कि दिल्ली में मिल रहे कोरोना के बिना लक्षण वाले मरीजों को अस्पताल में फिलहाल भर्ती करने की जरूरत नहीं है। उन्हें घर पर ही 14 दिन होम क्वारंटीन में रहने की सलाह दी गई है। अगर उनके घर पर आइसोलेशन में रहने की सुविधा नहीं है तो वे सरकार द्वारा बनाए गए क्वारंटीन केंद्रों में रह सकते हैं।

3 पत्रकार संक्रमित, 529 की हुई जांच : केजरीवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हाल में 529 मीडियाकर्मियों के नमूनों की जांच की गई थी, उनमें से तीन के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। उन्होंने संक्रमित पाए गए मीडियाकर्मियों के जल्द स्वस्थ्य होने की कामना की।

केजरीवाल ने बुधवार को ट्वीट कर बताया कि यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि 529 में सिर्फ तीन मीडियाकर्मी संक्रमित पाए गए हैं। आप सभी को मेरी शुभकामनाएं। मीडिया कर्मियों का काम बहुत अहम है, खासकर महामारी के दौरान। जो संक्रमित पाए गए हैं। वह उनके जल्द स्वस्थ्य होने की प्रार्थना करते हैं। गत सप्ताह दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में काम करने वाले मीडिया कर्मियों की जांच के लिए एक केंद्र बनाया है। इससे पहले मुंबई में 53 पत्रकार संक्रमित पाए गए थे।

इरफान के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बॉलीवुड अभिनेता इरफान खान के निधन पर बुधवार को शोक जताते हुए उन्हें असाधारण प्रतिभा के धनी अभिनेताओं में से एक बताया। केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि आज के दौर के सबसे असाधारण प्रतिभा के धनी अभिनेताओं में से एक इरफान खान के निधन के बारे में जानकर स्तब्ध है। उनका काम हमेशा याद रखा जाएगा । ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे।

रुपये के लेनदेन को लेकर दोस्त की हत्या- गिरफ्तार

नई दिल्ली। केशवपुरम इलाके में रुपए के लेनदेन में दोस्त ने दोस्त की हत्या कर दी। आरोपी लड़के ने दोस्त की सिल के बट्टे से हमला कर हत्या करने के बाद करीब 5 घंटे तक शव के पास बैठा रहा। मरने वाले की पहचान जसीम उर्फ जय सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रख दिया है। पुलिस ने आरोपी सुभाष को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार सुभाष ने पूछताछ में खुलासा किया है कि कुछ दिनों पहले उसने जसीम को 5900 रुपये उधार दिए थे। लॉक डाउन के दौरान उसे रुपयों की जरूरत थी। लेकिन बार-बार मांगने पर जसीम रुपये नहीं दे रहा था।

नाराज शिक्षकों ने घर पर की भूख हड़ताल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

डीयू के शिक्षकों ने मंगलवार को दिल्ली सरकार के वित्त पोषित कॉलेजों में अनुदान रोक दिए जाने पर नाराजगी जताते हुए लॉक डापउन में अपने-अपने घरों पर रहकर एक दिन की भूख हड़ताल की। नेशनल डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट के पूर्व अध्यक्ष डॉ ए के भागी ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा ग्रांट रोकने से तीन कॉलेजों के शिक्षक कर्मचारियों और अनुबंध पर काम करने वाले कर्मियों को अभी तक मार्च महीने का वेतन नहीं मिला है।

डॉ भागी के अनुसार कोविड-19 महामारी के चलते सभी कॉलेज बंद हैं। ऐसे में दिल्ली सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा कॉलेजों से शिक्षकों का डाटा मंगाया जाना कई सवाल खड़े करता है। पहले भी इन कॉलेजों की ग्रांट रोक दी गई थी। जिसके कारण इन कॉलेजों के शिक्षक कर्मचारियों को वेतन देरी से मिला था।

दिल्ली विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के सदस्य डॉ वी एस नेगी ने कहा कि प्रबंध समिति के गठन के नाम पर ग्रांट को रोकना उचित नहीं है, क्योंकि इसके कारण लॉक डाउन में शिक्षक कर्मचारियों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इन कॉलेजों ने अपना बजट दिल्ली सरकार को पहले ही जमा करा दिया है। ऐसे में दोबारा से डाटा मांगना ग्रांट को देरी से भेजने की एक रणनीति हो सकती है।

डॉ. भागी व डॉ. नेगी ने आगे कहा कि ये मुद्दा बेहद गंभीर है और इसे लेकर उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री से गुहार लगा चुके है। नेता प्रतिपक्ष रामबीर विधूड़ी तो इस संबंध में सरकार से जल्द राहत की मांग कर चुके हैं।

कर्णिका को बिजनेस हेड नियुक्त किया

नोएडा। आर्टिफि शियल इंटेलिजेंस

एचआर स्पेस में अमेरिका स्थित कंपनी, जेसीम्पल एलएलसी ने अपने वैश्विक परिचालन के लिए कर्णिका बंसल को बिजनेस हेड के रूप में नियुक्त किया है।

कर्णिका कंपनी के संचालन की देखरेख, रणनीतिक निर्माण के लिए जिम्मेदार होंगी। कर्णिका, कंपनी के सीईओ के साथ सीधे काम करेंगी और इनके कार्यालय उत्तर हेवन, कनेक्टिकट, अमेरिका और नोएडा, उत्तर प्रदेश भारत में होगें। कंपनी सीईओ ने कहा मैं कर्णिका की नियुक्त पर बेहद रोमांचित हूं।

धार्मिक स्थल को लेकर विवाद में तीन आरोपी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र के खेड़ी गांव में धार्मिक स्थल को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के लोगों से मारपीट कर दी। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक खेड़ी गांव निवासी धूम सिंह से सौदीन ने आवास के लिए जमीन खरीदी थी, जिस पर बाद में भवन निर्माण किया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि उक्त जमीन पर कुछ समय बाद धार्मिक गतिविधियां शुरु कर दी गई। ग्रामीणों का कहना है कि आबादी क्षेत्र में धार्मिक स्थल के निर्माण के लिए शासन एवं प्रशासन से कोई स्वीकृति नहीं ली गयी। बताया जाता है कि पिछले करीब एक साल से विवाद चल रहा है। हालांकि वर्तमान में लॉकडाउन के चलते यहां ताला लगा हुआ था।

पुलिस के मुताबिक मंगलवार रात कुछ लोगों ने ताला खोला और अंदर रखे सामान को बाहर निकाल कर रख दिया। इसको लेकर दोनों पक्षों में मारपीट हो गयी।

निगम कर्मियों को भी दिया जाए एक करोड़ : बिधूड़ी

नई दिल्ली। कोविड-19 के संक्रमण

से ड्यूटी पर जान गंवाने वाले निगम कर्मियों को भी एक करोड़ रुपये की सहायता देने का मुद्दा भाजपा ने उठाया है। नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने मुख्यमंत्री केजरीवाल से कोरोना महामारी के खिलाफ जारी लड़ाई में तैनात तीनों नगर निगमों के स्वास्थ्यकर्मियों, शिक्षकों, मालियों समेत फील्ड ड्यूटी में तैनात अन्य सभी कर्मचारियों की जान जाने पर उनके परिवार को दिल्ली सरकार की रुपये की सहायता देने की योजना में शामिल किए जाने की मांग की है।

पुलिस ने एक दिन में खोल दी 106 अपराधियों की हिस्ट्रीशीट

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

पुलिस ने महज एक दिन में 106 अभ्यस्त अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोल दी है । इन 106 अपराधियों में चोर, लुटेरे, नकबजन, हत्या, गौकशी करने वाले अपराधी शामिल हैं जो जेल जाने के बाद भी बार -बार अपराध करते हैं।

एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि पूर्व में भी फरवरी व मार्च माह में कुल 75 शातिर किस्म के अभ्यस्त अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोली जा चुकी है । इस प्रकार अभी विगत 3 माह में अब तक कुल 181 शातिर किस्म के अभ्यस्त अपराधियों हिस्ट्रीशीट खोली जा चुकी है। उन्होंने बताया कि ऐसा पहली बार हुआ है कि जब किसी जनपद में मात्र एक दिन में 106 हिस्ट्रीशीट खोली गई हैं। जिनमें 29 चोर, 57 लुटेरे, 6 हत्यारे व 14 गौकश शामिल हैं।

● मसूरी थाने में सबसे ज्यादा अपराधी

उन्होंने बताया कि इनमें सर्वाधिक 15 थाना मसूरी में खोली गई है। वहीं थाना मुरादनगर में 14, लोनी में 11 हिस्ट्रीशीट खोली गई है।

दूरदर्शन-आकाशवाणी पर क्लास की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली। लॉकडाउन के दौरान दिल्ली सरकार दूरदर्शन-आकाशवाणी पर क्लास चलाने की योजना बना रही है। उसने केंद्र सरकार से छात्रों के लिए रोजाना तीन घंटे का प्रसारण समय देने का अनुरोध किया है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि लॉकडाउन में ढील दिए जाने के बाद भी स्कूलों के फिर से खुलने में समय लग सकता है। दूरदर्शन और आकाशवाणी के माध्यम से अधिकतम छात्रों तक आसानी से पहुंचा जा सकता है।

शिक्षा निदेशालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार से संपर्क किया है और स्कूलों के फिर से खुलने तक दूरदर्शन व आकाशवाणी पर रोजाना प्रसारण के लिए तीन घंटे का समय देने की मांग की है। उन्होंने बताया कि प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक कक्षाओं के लिए अलग-अलग समय की मांग की गयी है। कोरोना वायरस के कारण देश भर में स्कूल 16 मार्च से बंद हैं। दूरदर्शन और आकाशवाणी लॉकडाउन के दौरान छात्रों के लिए क्षेत्रीय चैनलों के माध्यम से टीवी, रेडियो और यूट्यूब पर शैक्षिक सामग्री प्रसारित कर रहे हैं। दिल्ली सरकार ऑनलाइन क्लास चला रही है। इसके लिए शिक्षा विभाग शिक्षा क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ संगठनों के साथ सहयोग कर रहा है। दिल्ली सरकार विभिन्न ऑनलाइन मंचों के जरिए कक्षाएं चला रही है।

संक्षिप्त समाचार

उद्यमियों के साथ बैठक करते जिले के नोडल प्रभारी सुधीर गर्ग।

नोडल अधिकारी ने उद्यमियों के साथ की बैठक

गाजियाबाद। बुधवार को जिले के नोडल अधिकारी सुधीर गर्ग व मेरठ आईजी प्रवीन कुमार ने जनपद के उद्यमियों के साथ वार्ता की। इसमें लॉकडाउन का समय पूरा होने के बाद फैक्ट्रियों व प्रतिष्ठानों में कामकाज की प्रक्रिया व श्रमिकों के वेतन संबंधी समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक में नोडल प्रभारी ने बताया कि लॉकडाउन को चरणबद्ध तरीके से खोला जाएगा जिसके तहत बंद पड़ी फैक्ट्रियों को भी खोला जाएगा। इस दौरान फैक्ट्रियों में काम करने के दौरान सोशल डिस्टेंस का पालन करने तथा संक्रमण के प्रसार की रोकथाम के लिए क्या इंतजाम किए जाएं व नियमित थर्मल स्कैनिंग की व्यवस्था कैसे हो, इन सब बिन्दुओं को लेकर नोडल अधिकारी ने उद्यमियों से वार्ता की। इस दौरान उद्यमियों ने नोडल अधिकारी के समक्ष उद्योग न खोले जाने पर श्रमिकों का वेतन जारी करने को लेकर आने वाली मुश्किलों को लेकर भी अपनी बात रखी।

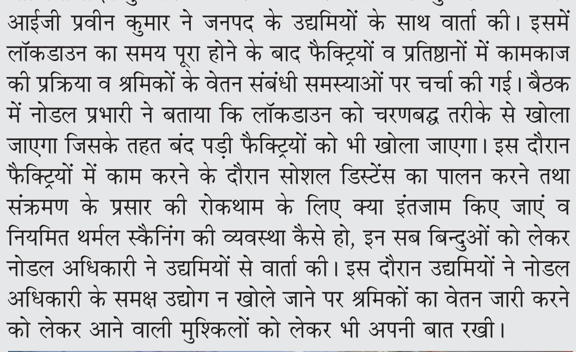
बॉडीवार्न कैमरों से लैस गाजियाबाद पुलिस के दरोगा।

दरोगाओं को मिले बॉडीवार्न कैमरे

गाजियाबाद। लॉकडाउन का सख्ती से पालन करवाने व पुलिस पर मारपीट करने के आरोपों की सच्चाई सामने लाने के लिए पुलिस प्रशासन ने निरीक्षकों व उप-निरीक्षकों को बॉडीवॉर्न कैमरों से लैस किया है। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि लॉकडाउन का सख्ती से पालन करवा रही पुलिस पर कई बार ऐसे आरोप लगे थे कि पुलिसकर्मी लोगों के साथ मारपीट अथवा उनका उत्पीड़न कर रहे हैं। नैथानी ने बताया कि ऐसे मामलों अथवा आरोपों से बचने के लिये जिले में तैनात अधिकांश निरीक्षकों व उप-निरीक्षकों को बॉडीवार्न कैमरे उपलब्ध करवा दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि अब निरीक्षक व उप-निरीक्षक अपनी वर्दी के ऊपर बॉडीवार्न कैमरे लगाकर चेकिंग करेंगे।

पेंटिंग बनाकर कोरोना योद्धाओं का किया सम्मान

हापुड़। कोरोना योद्धाओं को सम्मान देते हुए, युवा आर्टिस्ट, असि. प्रोफेसर ओमपाल सिंह ने डॉक्टर, पुलिस, सफाई कर्मचारी, मीडिया एव अन्न दाता किसान की सुंदर पेंटिंग बनाकर लॉकडाउन का पालन करने का जनता को संदेश दिया। इस अवसर पर प्रोफेसर ओमपाल सिंह ने बताया कि एक युवा आर्टिस्ट होने के नाते हम लोग अपनी कला के माध्यम से जनता को जनकल्याणकरी सन्देश दे सकते हैं। क्योकि आज पूरा विश्व कोरोना जैसी महामारी से ग्रस्त है ऐसी परिस्थितियों में डॉक्टर, सफाई कर्मचारी, पुलिस, मीडिया एव अन्न दाता देश की सेवा कर रहे है। इस अवसर पर अंकित कुमार, सिद्धार्थ सिंघानिया, रविन्द्र कुमार, नेपाल कुमार एव रिंकल आदि मौजूद रहे।

थाने में खड़े पति-पत्नी और उनकी शिकायत पर थाने पहुंची लड़के की मां।

लॉकडाउन में राशन लेने गया बेटा दुल्हन लेकर घर लौटा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

लॉकडाउन के दौरान भी अलग-अलग जगहों पर लोग शादी की रस्में निभा रहे हैं। कई जगहों से शादी की ऐसी ख़बरें सामने भी आईं, लेकिन गाजियाबाद में तो राशन लेने गए लड़के ने शादी कर ली।

बताया जा रहा है कि लॉकडाउन के दौरान लड़का सब्जी और राशन लेने निकला था लेकिन जब वापस लौटा तो दुल्हन भी साथ थी, जिससे मां के भी होश उड़ गए। मां ने घर में घुसने से मना कर दिया जिसके बाद मामला थाने जा पहुंचा। जिसके बाद लड़की और उसके साथ लड़का दोनों थाने पहुंचे। जहां लड़के की मां को भी बुलाया गया, जिन्होंने कहा कि लॉकडाउन का उल्लंघन करने वाले बेटे को घर में नहीं घुसने दूंगी, वो राशन लेने गया था लेकिन शादी कर लौटा है। मैं इस लड़की को नहीं जानती इसलिए घर में क्यों घुसने दूं।

● मां ने बहू को किया घर में घुसने से मना

हालांकि शादी को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं, लड़के का कहना है कि मंदिर में शादी हुई है। फिलहाल पुलिस ने लड़का-लड़की को समझा-बुझाकर मामला शांत करवाया। अब दोनों किराये के मकान में चले गए हैं। लड़के की मां ने साफ कर दिया है कि लॉकडाउन खत्म होने से पहले घर आने की जरुरत नहीं है।

निगम करेगा बैंकों और एटीएम को सेनेटाइज

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

शहर के सभी सरकारी और गैर सरकारी बैंकों के कार्यालय व एटीएम मशीनों को बैंक अधिकारियों के सहयोग से प्रतिदिन नगर निगम का दस्ता सेनेटाइज करेगा ताकि किसी तरह संक्रमण का खतरा न रहे। इसी कडी में बुधवार को नगर निगम मुख्यालय पर शहर के प्रमुख बैंकों के प्रबंधकों के साथ नगर निगम के अधिकारियों ने एक बैठक की।

बैठक में यह तय किया गया कि निगम की देखरेख में सभी बैंको को प्रतिदिन सेनेटाइज किया जायेगा। खास बात यह है कि गाजियाबाद के नोडल अधिकारी सुधीर गर्ग ने नगर आयुक्त को यह भी निर्देश जारी किये कि निगम का दस्ता गाजियाबाद के सभी बैंक प्रबन्धकों से समन्वय स्थापित कर बैंकों, एटीएम मशीनों के बटनों को भी सेनेटाईज कराएंगें।

नगर निगम मुख्यालय में सेनेटाइजर वितरित करते नगर आयुक्त।

नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम द्वारा 500 एमएल की हैण्ड सेनेटाईजर की 105 बोतले बैक प्रबंधकों को वितरित की गयी ताकि संबंधित बैंकों की एटीएम मशीनों को भी सेनेटाईज किया जा सके।

इसके अलावा नगर आयुक्त द्वारा गाजियाबाद नगर निगम के मुख्य कार्यालय में उपस्थित बैंक अधिकारियों व कर्मचारियों को भी उक्त हैण्ड सेनेटाईजर की एक-एक बोतल वितरित की गई। अपर नगर आयुक्त आरएन पान्डेय ने नगर निगम के पॉचों जोनल प्रभारियों को 15-15 हैण्ड सेनेटाईजर की बोतले वितरित कीं।

देखता ही नहीं बोलता भी है ड्रोन

टहलकदमी करने वालों को आसमान से दे रहा चेतावनी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस मे मामले लगातार बढ़ रहे हैं। संक्रमितों का आंकड़ा तीन हजार से भी ज्यादा हो गया है। इस मंगलवार तक 54 लोगों की मौत भी हो चुकी है। करीब सौ हॉट स्पॉट इलाकों सील किया गया है लेकिन इसके बाद भी लोग बेवजह अपने घरों से निकल रहे हैं।

ऐसे लोगों पर नकेल कसने के लिए दिल्ली पुलिस ने नया तरीका अपनाया है जो काफी कारगर साबित हो रहा है। लॉकडाउन के दौरान इलाकों में नजर बनाए रखने के लिए वह ऐसे ड्रोन का सहारा ले रही है जो देखता ही नहीं बोलता भी है। ये पहले से ज्यादा ताकतवर और चालाक भी है। दक्षिणी दिल्ली के शाहपुर जाट पार्क में बुधवार दोपहर में कुछ लोगों के टहले की जानकारी पुलिस को मिली थी। उनको ये लगा कि पुलिस की नजर उन पर नहीं पड़ेगी। वे लोग बेखौफ पार्क में टहलकदमी कर रहे थे। तभी अचानक आकाश से आवाज आई। तुम लोग यहां क्या कर रहे हो। उन लोगों ने जब ऊपर देखा तो ड्रोन से आवाज आ रही थी। ऐसा देखकर वो चौंक गए और सीधे अपने-अपने घरों की तरफ भाग खड़े हुए।

दिल्ली पुलिस के इस ड्रोन में लाइव स्ट्रीमिंग और लाइव एनाउंसमेंट की सुविधा है। पुलिस की गाड़ियां हर जगह गश्त नहीं कर सकती ऐसे में लोग बाहर निकलने लगते हैं। जहां पर पुलिस ड्रोन से निगरानी कर रही है वो हॉट स्पॉट जोन है। फिर भी लोग पार्कों में टहलने के लिए निकल रहे हैं। ऐसे लोगों के लिए ये ड्रोन काल बन गया है। ये आठ किलोमीटर तक एरिया को कवर करता है।

पुलिस एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि इस ड्रोन में रात की उड़ान और थर्मल इमेजिंग जैसी क्षमता है। ये लाइव फीड भी भेजता है। इसके जरिए लाइव एनाउंसमेंट भी की जा सकती है। इसके इस्तेमाल से पुलिस कर्मियों को हॉट स्पॉट 0वाले इलाकों में नहीं जाना पड़ता जहां लॉकडाउन का उल्लंघन हो रहा है। ड्रोन के जरिए ही उन पर नजर रखी जा रही है। जो काफी कारगर साबित हो रही है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

साइबर अपराधी सक्रिय, फर्जी लिंक पर क्लिक करने से करें परहेज

साइबर धोखाधड़ी से बचने के लिए जिलावासी वाट्सअप या मेल पर आने वाले लिंक से रहें सावधान

पीएम केयर फंड के फर्जी खाते व लिंक बनाकर भी हो रहा फर्जीवाड़ा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कोरोना वायरस के संक्रमण से तो देश जूझ ही रहा है, लेकिन इस दौर में साइबर अपराधी भी खूब सक्रिय हैं। वे किसी न किसी तरह से लोगों के साथ फर्जीवाड़ा, धोखाधड़ी करके उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचा रहे हैं। यहां तक कि पीएम केयर फंड के नाम से भी फर्जीवाड़ा किया जा रहा है। इसलिए सभी को सचेत व सतर्क रहने की जरूरत है। इसके लिए जिला प्रशासन की ओर से भी विशेष

एडवाइजरी जारी की गई है।

जिलावासियों को वाट्सअप या ई-मेल पर आने वाले फर्जी लिंक से सावधान रहने के लिए कहा गया है। क्योंकि इन दिनों फर्जी वाड़े से लोगों के साथ ठगी की शिकायतें बहुत आने लगी हैं। लोग वाट्सअप, मेल व सोशल मीडिया पर आए किसी भी संदिग्ध लिंक पर व्यक्तिगत जानकारी सांझा करते हैं और वे साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाते हैं। इस बाबत डीसी अमित खत्री ने कहा कि इस मामले में हरियाणा पुलिस द्वारा भी एडवाइजरी जारी की गई है। लॉकडाउन का फायदा उठाते हुए कुछ असामाजिक तत्व नागरिकों के बैंक खातों से पैसे निकालने के लिए साइबर क्राइम से जुड़े हथकंडे अपना रहे हैं। लोग इस बारे में एहतियात बरतें और कोविड-19 के नाम पर सोशल मीडिया और ईमेल पर आने वाले किसी भी फर्जी लिंक को खोलने से बचें।

पीएम केयर फंड से मिलती नकली आईडी भी बनी

साइबर अपराधी पीएम केयर फंड से मिलती-जुलती नकली यूपीआई आईडी भी बना चुके हैं। इसके माध्यम से डोनेशन बारे मे कहकर लोगों से धोखाधड़ी कर रहे हैं। इसी प्रकार आपदा प्रबंधन का फर्जी बैंक खाता सोशल मीडिया पर डालकर उसमें पैसे जमा कराने के लिए कह रहे हैं। डीसी ने कहा है कि साइबर ठगी से बचने के लिए सोशल साइट्स पर डाले गए किसी भी असत्यापित खाते में रकम जमा न कराएं। अंशदान करने से पहले पूरी जांच कर लें तथा इसके लिए आधिकारिक लिंक का ही प्रयोग करें।

फर्जी, असत्यापित लिंक न खोलें

सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार के फर्जी या असत्यापित लिंक को न खोलें। साथ ही अज्ञात नंबरों द्वारा भेजे गए ओटीपी को सांझा करने से बचें। क्योंकि इससे हैकर्स को हमारी निजी जानकारी हासिल हो सकती है। लॉकडाउन में साइबर धोखाधड़ी करने वाले कोविड-19 से संबंधित लिंक प्रसारित कर रहे हैं। इसे खोलते ही अपराधी रिसीवर के फोन या कंप्यूटर से पासवर्ड सहित गोपनीय डाटा चुरा लेते हैं। आपकी थोड़ी सी चूक मेहनत की कमाई गवां सकती है।

आगे भी धैर्य व संकल्प का दें परिचय

जिला उपायुक्त ने जिला की जनता ने कहा कि जिस धैर्य व संकल्प के साथ कोरोना को रोकने में अब तक अपनी भागीदारी निभाई है, वे आगे भी अपनी सजगता का परिचय देते हुए कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि हमें इस संक्रमण के फैलाव को रोकने में पूरी जिम्मेवारी के साथ सजगता का परिचय देना है। उन्होंने आमजन को स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से घर में रहकर संक्रमण चक्र को तोड़ने में पूरी सावधानी के साथ कदम बढ़ाने का आह्वान किया।

गोशालाओं का हाल देखने पहुंचे संजय और सुधीर

गुरुग्राम। गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला और सोहना से विधायक संजय सिंह ने मानेसर स्थित बाबा न्यारम दास गोशाला पहुंचे। दोनों विधायकों ने गौशाला में घूमकर बारीकी से मुआयना किया। इससे पूर्व दोनों का सोशल डिस्टेंस के साथ स्वागत भी किया गया। मौके पर पहुंचे एसीपी सतपाल यादव, एसएचओ सतेंद्र सिंह का भी स्वागत किया गया।

द यूथ फाउंडेशन के अध्यक्ष धर्मेंद्र मानेसर, गोशाला के प्रधान मास्टर बलबीर, नम्बरदार सूरत, पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा अजीत यादव, मानेसर की सरपंच के पति सोमबीर, रामनिवास मेंबर, द यूथ फाउंडेशन के महामंत्री भरत यादव, भाजपा अध्यक्ष देवेंद्र यादव, सम्राट यादव, विक्रम सहरावण, नरेश यादव मौजूद रहे। इस दौरान दोनों विधायकों ने गोशाला प्रबंधकों से कहा कि किसी तरह की भी यहां पर कमी नहीं आने दी जाएगी। सरकार गोशालाओं के लिए बेहतर काम कर रही है। सुधीर सिंगला और संजय सिंह ने कहा कि कोरोना संक्रमण के समय में हम सभी को इंसानों के साथ-साथ बेजुबानों की भी परवाह करनी चाहिए। बता दें कि सुधीर सिंगला ने गोशाला के लिए पूर्व में 5 लाख, मेवात की संगेल गोशाला के लिए एक लाख और गुरुग्राम के सेक्टर-9 की गोशाला के लिए 30 हजार रुपये दिए थे। सरकार का गोशाला आयोग भी गोशालाओं को संभाल रहा है। किसी भी सूरत में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

एलजी ने अस्पताल को डोनेट किए फ्रिज और एसी

गुरुग्राम में एलजी के प्रोडक्ट के ट्रक को रवाना करते मेयर मधु आजाद व निगमायुक्त विनय प्रताप सिंह।

गुरुग्राम। लोगों को महामारी से लड़ने में मदद करने के लिए एलजी ब्रांड ने सिविल अस्पताल गुरुग्राम को प्रोडक्ट डोनेट किए। इनमें रेफ्रिजरेटर, जल शोधक और एयर कंडीशनर शामिल हैं।

गुरुग्राम में इन उत्पादों से संबंधित वाहन को गुरुग्राम की मेयर मधु आजाद तथा नगर निगम आयुक्त विनय प्रताप सिंह ने झंडी दिखाकर रवाना किया। मेयर तथा निगमायुक्त ने इस कठिन परिस्थिति में कम्पनी के इस कार्य की सराहना की तथा धन्यवाद किया। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के प्रबंध निदेशक यंग लक किम के अनुसार इस कठिन परिस्थिति में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स सभी संभव तरीकों से मदद कर रहा है। हम कोविड-19 के खिलाफलड़ाई में सरकार और नागरिकों को अपना पूर्ण समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अभी स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाए रखना महत्वपूर्ण है और जल शोधक, रेफ्रिजरेटर व एयर कंडीशनर स्वच्छता को बढ़ाते हैं। हम इस कठिन समय में समाज के लिए एक सार्थक योगदान करना चाहते हैं। एलजी कम्पनी द्वारा आरएसी, डब्लूपीआर, एलईडी और रेफ्रिजरेटर आदि श्रेणी के 50 प्रोडक्ट डोनेट किए गए हैं।

गुरुग्राम नागरिक अस्पताल की दो नर्स सहित तीन पॉजिटिव

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

यह रिपोर्ट आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में मचा हड़कंप

अब यहां कुल कोरोना पॉजिटिव की संख्या बढ़कर 16 हुई

कुल कोरोना पॉजिटिव हो चुके हैं 54, जिनमें से 38 हो चुके हैं ठीक

गुरुग्राम शहर ही नहीं बल्कि यहां के स्वास्थ्य विभाग के लिए भी यह बुरी खबर है कि मरीजों का इलाज करते-करते यहां जिला नागरिक अस्पताल की दो नर्स कोरोना संक्रमण की पॉजिटिव हो गई हैं। यह रिपोर्ट आने के बाद से स्वास्थ्य विभाग में भी हड़कंप मच गया। अब यहां कुल कोरोना पॉजिटिव की संख्या 54 हो गई है, जिनमें से 38 मरीज ठीक हो गए।

बुधवार सुबह से ही यह सूचना फैलती रही कि यहां के नागरिक अस्पताल में चार नर्सें कोरोना पॉजिटिव पाई गई हैं। उनके सेंपल जांच को भेजे गए थे, जिनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। यह सूचना अस्पताल स्टाफ में भी आग की तरह गई। नागरिक अस्पताल में काम करने वाले डॉक्टर, नर्सेज व अन्य कर्मचारियों को भी ऐहतियात बरतते हुए काम करने के लिए कहा जा रहा है। यहां नागरिक अस्पताल के प्रवेश द्वार पर सेनिटाइजर के लिए सेनिटाइज टनल भी बनाई गई है, ताकि किसी भी तरह का संक्रमण कपड़ों पर हो तो वह यहां उतर जाए।

सुबह से ही सीएमओ जेएस पूनिया को सूचना को लेकर कॉल की जाती रही, लेकिन उन्होंने कई बार कॉल रिसीव ही नहीं की। देर शाम उन्होंने जानकारी दी कि यहां पर दो नर्स को कोरोना संक्रमित हैं। बता दें कि इससे पूर्व भी यहां पर एक महिला डॉक्टर पॉजिटिव पाई गई थीं। वह कोरोना पॉजिटिव मरीजों के सेंपल लेती थी। हालांकि उनके साथ एक डॉक्टर का भी सेंपल लिया था, जिसकी रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। अब इन नर्सों के साथ काम करने वाले बाकी के स्टाफ के भी सेंपल लिए गए हैं और उन्हें जांच के लिए भेजा गया है।

अस्पताल को और अधिक सजग रहने की जरूरत

जिस तरह से यहां पहले डॉक्टर और अब नर्सों को कोरोना संक्रमण का पॉजिटिव पाया गया है, उस हिसाब से अस्पताल को और भी सजग रहने की जरूरत है। अक्सर देखने में यह आता है कि अस्पताल के प्रवेश करने के बाद गेट पर ही लोगों की आवाजाही रहती है। उसने कोई खास पूछताछ नहीं की जाती। ऐसे में यह भी एक खतरे को जन्म देता है।

होमगार्ड लगाने के नाम पर धोखाधड़ी मामला दर्ज

हथीन। पलवल में फर्जी पुलिस वाला बनकर होमगार्ड की नौकरी लगवाने की एवज में लोगों से धोखाधड़ी कर लाखों रुपये हड़पने व फर्जी नियुक्ति पत्र थमाने वाले आरोपी को अपराध जांच शाखा पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

सीआईए इंचार्ज अशोक कुमार ने बताया कि उन्हें 27 अप्रैल को मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि लोगों को होमगार्ड की नौकरी लगवाने की एवज में रुपये ऐंठने वाला आरोपी सोहना मार्ग पर गांव किशोरपुर मोड़ के समीप मौजूद है। सूचना मिलते ही एसआई शहीद अहमद, सिपाही अजीत, गोविंद के साथ दबिश देकर आरोपी को काबू कर लिया। आरोपी ने अपना नाम भीषम उर्फ भीम निवासी गांव धतीर बताया। आरोपी ने पुलिस रिमांड के दौरान बताया कि उसने ही गांव भम्बू का नंगला निवासी रुपसिंह को अपने आप को पुलिस में एसआई के पद पर बताकर होमगार्ड की नौकरी लगवाने की बात कही और प्रत्येक नौकरी के लिए 50 हजार रुपये की मांग की।

समाजसेवियों ने मृतक साधुओं को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पालघर में दो संतों व उनके चालक की निर्मम हत्या होने पर गुरुग्राम में समाजसेवियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी और हत्यारों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की।

समाजसेवी राजेश पटेल आदि ने दीप जलाकर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि साधु समाज से संबंधित इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृति नहीं होनी चाहिए, लेकिन गत दिवस बुलंदशहर में भी मंदिर में रह रहे दो साधुओं की निर्मम हत्या कर दी गई है, जोकि देश व समाज के लिए शुभ संकेत नहीं है।

समाजसेवियों ने उन्हें भी श्रद्धासुमन अर्पित किए। जगतगुरु आदि शंकराचार्य की जन्म जयंती पर

गुरुग्राम में साधुओं को श्रद्धांजलि देते समाजसेवी।

याद किया गया। उनका कहना है कि शंकराचार्य ने पूर्व से पश्चिम व उत्तर से दक्षिण तक देश को एकजुट करने में बड़ा योगदान दिया था।

सामाजिक दूरी का पालन करते हुए सुशील राजन, रितु, रश्मि, राहुल, राज, शुभम आदि श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए।

ट्रक में पकड़ी 34 लाख की अवैध शराब में एक गिरफ्तार

सोहना। अदालत ने शराब तस्करी के मामले में गिरफ्तार आरोपी को दो दिन की रिमांड पर भेजा है। पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार आरोपी को बुधवार को अदालत में पेश किया था। सोहना सिटी थाना पुलिस ने चार दिन पहले दमदमा जाने वाले मार्ग पर शराब से भरा ट्रक पकड़ा था। जानकारी के अनुसार सोहना सिटी थाना पुलिस ने मंगलवार को सोहना के वार्ड-5 शिव कॉलोनी में रहने वाले अजय गुप्ता पुत्र जयप्रकाश को शराब तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार किया गया आरोपी को पुलिस ने बुधवार को अदालत में पेश किया। अदालत ने पुलिस की मांग पर आरोपी अजय गुप्ता को दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा है। रिमांड पर आया आरोपी से पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी है।

गृह प्रदेश लौटने को बेताब और मजबूर प्रवासी मजदूर

बस जाने की अफवाह पर सीहमा पहुंचे प्रवासी मजदूर

नारनौल। सीहमा क्षेत्र के गांव खामपुरा, खासपुर, अटाली, दौगड़ा अहीर, बेवल, मुंडियाखेड़ा, सागरपुर, खतरीपुर, दुबलाना, गुवानी, डेरोली अहीर सहित अनेक गांवों में हजारों की संख्या में ठहरे प्रवासी मजदूर अब अपने गृह प्रदेश यूपी, बिहार, एमपी लौटना चाहते है।

लॉकडाउन से पूर्व इस क्षेत्र में मकान की चिनाई, फसल की कटाई, मुर्गी फार्म के कार्य, पानी के पतासे बेचने के लिए आये इनके सैकड़ों परिवार अब बढ़ते लॉकडाउन में समाप्त होते मजदूरी के कार्य के चलते प्रवासी मजदूरों के परिवार परेशान है। बुधवार को सीहमा क्षेत्र से बस के यूपी, एमपी जाने की अफवाह सुनकर 30 से अधिक की संख्या में एडवोकेट हेमंत सिहमा के पास पहुंचे प्रवासी मजदूरों ने घर जाने की अपनी पीड़ा हाथ जोड़कर व्यक्त की।

प्रवासी मजदूरों गुलाब, गीता, कटनी, शिव कुमार, राजकुमार, नंदलाल, अजित, लालवन जिला दमोह एमपी, प्रेमचंद, उत्तम, मदनपाल, रामौतार अमरोहा यूपी ने बताया कि उन्हें नही पता कि वो किस प्रकार अपने गृह प्रदेशों को लौटेंगे। उन्हें कोई कहता है कि सरपंच के पास जाकर नाम लिखवाओ तो कोई कहता है कि पुलिस में नाम लिखवाओ। हमारे पास आधारकार्ड भी लेकिन जाने का साधन नहीं है।

वन नेशन, वन वॉइस में गीत गाएंगे देश के 100 सिंगर

भारत के प्रति स्नेह व पीएम केयर्स के लिए गाया जाएगा यह गीत

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

एक जनवरी 1993 में रिलीज हुए था गीत-सारा भारत ये कहे, प्यार की गंगा बहे। प्यार की गंगा बहे देश में एका रहे...। देशभर में इस गीत ने भाईचारे की भावना को हर बच्चे और बड़ों में दिलों में जगाकर रखा। देशभक्ति की भावना को पैदा किया।

अब कोरोना संक्रमण के दौर में देश के 100 सिंगर 14 भाषाओं में एक गीत गाने जा रहे हैं, जो कि अब तक का सबसे बड़ा गीत होगा। इस गीत को वन नेशन वन वॉयस नाम दिया गया है। भारत देश के प्रति स्नेह, पीएम केयर्स और कोरोना वॉरियर्स को सम्मान देने के उद्देश्य से 100 सिंगर इस गीत को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी में हैं। भारतीय सिंगर्स राइट्स एसोसिएशन की इस पहल का संगीत सम्राज्ञी लता मंगेशकर ने भी सराहा है। बताया जा रहा है कि यह गीत अब तक का इस तरह से गाया गया सबसे बड़ा गीत होगा। लॉकडाउन-2 की अवधि 3 मई 2020 को लता मंगेशकर द्वारा यह गीत देश को समर्पित किया जाएगा। इसरा को तरफ से दावा किया गया है कि इससे पहले कभी इतनी बड़ी संख्या में इतने कलाकार कभी एक साथ नहीं आए। वो एक विशेष उद्देश्य के लिए एक साथ आए हैं। यह गीत 100 से अधिक प्लेटफार्मों पर जारी किया जाएगा, इसमें टीवी, रेडियो, सोशल मीडिया, एप्लिकेशन, ओटीटी, बीओडी, आईएसपी, डीटीएच और सीआरबीटी शामिल हैं।

सिंगर्स ने दी आवाज

14 अलग-अलग भाषाओं के गायन में दिग्गज गायक आशा भोसले, अनूप जलोटा, अलका याग्निक, हरिहरन, कैलाश खेर, कविता कृष्णमूर्ति, कुमार सानू, महालक्ष्मी अय्यर, मनो, पंकज उधास, एसपी बालसुब्रमण्यम, शान, सोनू निगम, सुदेश भोसले, सुरेश वाडेकर, शैलेंद्र सिंह, श्रीनिवास, तलत अजीज, उदित नारायण, शंकर महादेवन, जसबीर जस्सी समेत 80 और अन्य कलाकार हैं। एक्सपी एंड डी बी डॉट लाइव के सुकृत सिंह ने कहा कि वन नेशन, वन वॉइस सिर्फ एक गाना नहीं है, बल्कि यह एक राष्ट्रीय आंदोलन है। इस गीत के पीछे सोनू, निगम, श्रीनिवास और संजय टंडन की ही प्रेरणा है।

वन नेशन, वन वॉइस इसरा का एक समर्पण

इसरा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय टंडन ने कहा है कि पीएम केयर्स की सहायता में वन नेशन, वन वॉइस इसरा का एक समर्पण है। 100 कलाकार कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे रहे सभी वॉरियर्स और घर पर रहकर लॉकडाउन का समर्थन कर रहे लोगों के प्रति आभार व्यक्त करेंगे। यह गीत 14 भाषाओं हिंदी, बंगाली, मराठी, गुजराती, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, भोजपुरी, असमी, कश्मीरी, सिंधी, राजस्थानी, ओडिया भाषाएं शामिल हैं।

बिना परमिशन आने वाले वाहनों पर कार्रवाई की तैयारी में प्रशासन

रादौर। लॉकडाउन के दौरान बाहरी राज्यों व अन्य जिलों से रेत लेने के लिए, खनन क्षेत्र में आने वाले वाहनों पर प्रशासन ने शिकंजा कसने की तैयार कर दी है। जिसको लेकर एसडीएम रादौर पूजा चावरियां ने डीएसपी रादौर कुशलपाल राणा को बाहरी राज्यों से आने वाले वाहनों की गहनता से जांच करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही खनन जोन में लॉकडाउन नियमों का पालन भी सख्ती से कराने के निर्देश एसडीएम ने दिए हैं।

मंगलवार को खनन घाट पर जांच करने पहुंची प्रशासन की टीम के सामने जमा हुई भीड़ को लेकर भी प्रशासन सख्त कदम उठाने की तैयारी में है। जिसको लेकर एसडीएम ने नायब तहसीलदार भारती पाहुल को निर्देश जारी कर दिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

सामाजिक संगठनों ने जरूरतमंदों को दोपहर का लंच दिया

सोहना। सोहना की तीन सामाजिक संगठनों ने मिलकर गरीब परिवारों को दोपहर में लंच के 600 पैकेट वितरण किए। ये पैकेट संगठनों के कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर दिए। पिछले कई दिनों से सोहना में गरीब परिवारों से लेकर स्वास्थ्य विभाग के लिए प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलकर कार्य कर रहे हैं। हाल ही में सोहना के लायंस क्लब सोहना टाउन, एचजी इंफ्रा इंजीनियर लि. और दिल टाउन के कार्यकर्ताओं ने नागरिक अस्पताल में गरीब परिवारों के लिए सुखें राशन के पैकेट, स्वास्थ्य विभाग को पीपीई किट और सैनेटाइजर व मास्क वितरण किए थे। बुधवार को एचजी इंफ्रा इंजीनियर लि. के मैनेजर चेतन धवन ने बताया कि तीनों ही सामाजिक संगठनों ने मिलकर दोपहर के लंच को तैयार कराया। उसके बाद पैकेट बनाकर कॉलोनियों में किराए पर रह रहे बाहरी व क्षेत्रीय परिवारों में वितरित किए। दिल टाउन संगठन के कार्यकर्ता अंकुर सिंगला ने बताया कि दोपहर का लंच ऐसे परिवारों को दिया जा रहा है। जिनके पास सुखा राशन तो है। लेकिन उसे पकाने के लिए, गैस या अन्य उपकरण नहीं है। लायंस क्लब के पदाधिकारी लायन राकेश संदुजा ने बताया कि जरूरतमंदों की सेवा में शहर के सभी सामाजिक संगठन काम कर रहे हैं। उनका क्लब भी हर रोज जरूरतमंदों की सहायता में जुटा है।

बंदी ने जीजा को फोन करके सिगरेट और नशीला पदार्थ मांगा

सोहना। भोंडसी जिला जेल के बंदी ने जीजा को फोन करके सिगरेट और नशीला पदार्थ मंगा लिया। बंदी के जीजा ने वार्डन के माध्यम से सिगरेट और नशीला पदार्थ भेजने का भरोसा दिया। जेल अधिकारी ने बंदी से मोबाइल फोन बरामद करने के बाद मामला दर्ज कराया। भोंडसी स्थित जिला जेल में रह रहा बंदी अरुण उर्फबिट्टू ने मंगलवार को अपने जीजा बिजेन्द्र को फोन किया। बंदी अरुण उर्फबिट्टू ने मंगलवार सुबह 11 बजे अपने जीजा बिजेन्द्र को फोन किया। अरुण ने अपने जीजा को कहा कि उसे सिगरेट और नशीला पदार्थ वार्डन धर्मबीर के माध्यम से भेज दो। बंदी के जीजा ने उसके कहा कि वार्डन धर्मबीर आपके पास आज ही दोपहर बाद तीन बजे बैरक में ही सिगरेट और नशीला पदार्थ लेकर आ जाएगा। जिला जेल प्रशासनिक अधिकारियों को बंदी, वार्डन और बंदी के जीजा के बीच मोबाइल फोन के माध्यम से एक-दूसरे से हुई वार्ता का मामूल हुआ। तुरन्त ही जेल अधिकारियों की टीम ने बंदी अरुण के पास से मोबाइल फोन बरामद के लिए अभियान चलाकर फोन बरामद कर लिया। वार्डन के खिलाफ भी जांच की मांग जिला जेल के उपाधीक्षक साजिद खान ने भोंडसी थाना पुलिस को बंदी से प्राप्त मोबाइल फोन के साथ शिकायत पत्र देते हुए मामला दर्ज करने के आदेश दिए हैं। जेल अधिकारी ने मामले की जांच में आरोप में आया वार्डन के खिलाफ भी कानूनी प्रक्रिया में सख्ती बरतते हुए वार्डन पर लगा आरोप का खुलासा किए जाने की मांग की है। इसके साथ अन्य किसी जेल कर्मी या बंदी के रिश्तेदार की कॉल डिटेल अनुसार जांच किए जाने की मांग की है। भोंडसी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर भारतेन्द्र कुमार ने जांच के आदेश जारी करते हुए जांच अधिकारी को गहराई से पड़ताल करने को कहा है।

चौमा के सामुदायिक केंद्र में 1100 फूड पैकेट किए वितरित

गुरुग्राम। गुरुग्राम सिविल डिफेंस के नियंत्रक एवं उपायुक्त अमित खत्री के निर्देशानुसार उप नियंत्रक एवं तहसीलदार मनीष यादव के नेतृत्व में सिविल डिफेंस टीम की सेवाएं जारी हैं। बुधवार को गुरुग्राम के गांव चौमा के सामुदायिक केंद्र में जरूरतमंदों को 1100 फूड पैकेट्स वितरित किए गए। सेक्टर-65 सक्सेस टावर के पास के क्षेत्र और बसई रामा गार्डन में तथा अनेकों क्षेत्रों में मांग के अनुसार राशन वितरित किया गया। गत दिवस तक सिविल डिफेंस द्वारा 578265 फूड पैकेट्स और 40224 राशन वितरित किया जा चुका है। कोरोना वायरस के कारण चल रही तालाबंदी के दौरान सिविल डिफेंस विभाग, गुरुग्राम द्वारा जरूरतमंदों को विभिन्न सेवाएं मुहैया कराई जा रही हैं। जिसमें गुरुग्राम पुलिस भी अपना बेहतर सहयोग कर रही है। गुरुग्राम के सेक्टर-28 स्थित ट्रैफिक टॉवर से इसका संचालन किया जा रहा है। इस समय सभी वालंटियर्स यहीं से तन मन धन से अपनी अपनी सेवाओं को कर रहे हैं।

12 वर्षीय पोती के साथ की अश्लील हरकत, पकड़ा

सोहना। सोहना सिटी थाना क्षेत्र में 63 वर्षीय दादा द्वारा अपनी 12 वर्षीय नाबालिग पोती के साथ अश्लील हरकत करने का मामला प्रकाश में आया है। नाबालिग बेटी की मां ने अपने ससुर पर बेटी को बहलाने का आरोप लगाया है। सोहना में स्थित महिला सैल पुलिस चौकी प्रभारी ने शिकायत के आधार पर आरोपी दादा के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। उत्तर प्रदेश का जिला फतेपुर की मूल निवासी महिला ने अपने ससुर के खिलाफ 12 वर्षीय बेटी के साथ अश्लील हरकत करने का मामला दर्ज कराया है। महिला ने पुलिस को बताया कि उसका परिवार खेतीबाड़ी बटाई पर लेकर करता है। वे लोग सोहना सिटी थाना क्षेत्र के गांव में रहते हैं। कई रोज पहले उसके ससुर अपने पास उसकी मासूम बेटी को रात्रि में साथ सुलाने के लिए लेकर गया था। मध्यरात्रि उसकी आंख शौच करने के लिए खुली तो उससे ससुर के पास कुछ आवाजें आ रही थीं। पास जाकर देखा तो उसका ससुर उसकी बेटी के साथ अश्लील हरकत कर रहा था। पीड़िता महिला ने पुलिस को बताया कि जब उसने अपनी बेटी से यह सब जानना चाहा तो उसने एक साल से दादा पर ऐसा गलत काम करने का आरोप लगाया है। जो दादा उसे किसी कहने पर मारने-पिटने की धमकियां देता था। जिसके कारण वह किसी से कुछ नहीं कह पा रही थी।

सोशल डिस्टेंसिंग पर और अधिक सख्त होगा प्रशासन

रादौर। लॉकडाउन नियमों का सख्ती से पालन हो और कोई भी लापरवाही न हो इसके लिए एसडीएम रादौर पूजा चावरियां ने स्थानीय अधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वहीं करियाना यूनियन के पदाधिकारियों को भी होम डिलीवरी चालू करने बारे भी निर्देश दिए। ताकि सोशल डिस्टेंसिंग नियमों का पालन हो सके। बैठक में थाना प्रभारी रादौर संदीप कुमार, नगरपालिका सचिव अजय वालिया, सफाई निरीक्षक हरजीत सिंह, कानूनगो सतीश गोयल व करियाना एसोसिएशन की ओर से प्रधान मुकेश मक्की व उपप्रधान सुभाष मद्दू मौजूद रहे। बैठक में एसडीएम रादौर ने किरयाणा एसोसिएशन की ओर से दिए जा रहे योगदान को लेकर सराहना की। एसडीएम पूजा चावरियां ने कहा कि जिला यमुनानगर अभी तक ग्रीन जोन में बना हुआ है। यहां कोरोना का खतरा न पनप सके और पूरा जिला ग्रीन जोन में भी बना रहे इसके लिए हमें अब पहले से अधिक सर्तक रहना होगा। बाजार से इस प्रकार की शिकायतें मिल रही थी कि बाजार में लोगों की भीड़ बढ़ रही है। पुलिस प्रशासन को भी सख्ती से निपटने के आदेश जारी किए हैं। किसी को भी लॉकडाउन के नियमो का उल्लंघन करने नहीं दिया जाएगा।

प्रतिबंध के बावजूद निजी प्रयोगशाला कैसे कर रहे जांच?

कविता। फरीदाबाद

पायनियर ने अपने पिछले अंक में प्रयोगशालाओं के द्वारा गलत रिपोर्ट का बड़ा खुलासा किया था। जिस पर स्वास्थ्य विभाग के द्वारा कई निजी प्रयोगशालाओं को कारण बताओं नोटिस जारी किए थे। जिसमें प्रयोगशालाओं को जांच रिपोर्ट न जारी करने के निर्देश भी थे। लेकिन निजी प्रयोगशाला के संचालक अपनी मनमानी करते हुए जांच रिपोर्ट जारी कर रहे है।

कई रिपोर्ट पॉजिटिव

पिछले दिनों एक महिला की मौत के स्वास्थ्य विभाग ने उसका अंतिम संस्कार कोविड-19 के तहत करवाया था। जिस पर महिला के पति समेत परिजनों के सैम्पल जांच के लिए भेजे गए थे।

महिला को कई बीमारियां बताई गई थी। उसे कोरोना संदिग्ध निजी अस्पताल द्वारा बताया गया था। पिछले दिनों सेक्टर-37 में हुई एक व्यक्ति की मौत पर भी विभाग ने उसे संदिग्ध बता दिया। अब नहरपार स्थित सेक्टर-88 में एक व्यक्ति की जांच रिपोर्ट एक निजी प्रयोगशाला में पॉजिटिव बताई गई है, जिस पर विभाग ने बीती रात आनन फानन में उसका सैम्पल जांच के लिए भेजा है। लेकिन रिपोर्ट आने से पहले ही व्यक्ति की मौत हो गई। अब विभाग इस लैब को भी नोटिस जारी करने की बात कह रहा है।

अधिकारी का कथन

डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रामभगत ने बताया कि निजी लैब की रिपोर्ट पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। मंगलवार को आई दोनो रिपोर्ट निजी लैब से आई थी, लेकिन सरकार ने कोरोना जांच के लिए सरकारी लैब को ही मान्य किया है। जिस पर सरकारी लैब की रिपोर्ट ही पॉजिटिव मानी जाएगी।

कैसे जारी हुई रिपोर्ट

सेक्टर-88 निवासी 68 वर्षीय जिस व्यक्ति की मौत हुई है। उसकी रिपोर्ट सेक्टर-15 स्थित एक निजी अस्पताल के द्वारा पॉजिटिव बताई गई थी। जिस पर निजी लैब को विभाग ने नोटिस जारी किया है। लेकिन डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रामभगत ने कुछ दिनों पहले भी उक्त लैब की कुछ रिपोर्ट पॉजिटिव दोबारा जांच में नेगेटिव आने पर नोटिस जारी किया था। ऐसे में नोटिस के बावजूद भी बुजुर्ग की रिपोर्ट पॉजिटिव उक्त लैब ने कैसे जारी कर दी।

दोबारा हो रही सैम्पलिंग

सूत्रों की माने तो विभाग के द्वारा भेजे जा रहे सैम्पलों की रिपोर्ट भी कभी नेगेटिव तो कभी पॉजिटिव आ रही है। जिसे देखते हुए विभाग खुद एक व्यक्ति की जांच रिपोर्ट में अधिक समय ले रहा है। सैम्पल की दो से तीन बार में जांच करवाई जा रही है। पलवली में पॉजिटिव पाए गए आढ़ती और शिव दुर्गा बिहार व सेक्टर-28 से आए 50 वर्षीय एक व्यक्ति के पॉजिटिव होने के बाद उसके सम्पर्क में आए परिजनों व रिश्तेदारों की रिपोर्ट रविवार से अब तक नहीं आई है।

नर सेवा ही नारायण सेवा है

फरीदाबाद। भारत सहित पूरा विश्व कोविड-19 बीमारी से लड़ रहा है। इस बिमारी के भारत में फैलने का सबसे बुरा असर उन गरीबों पर पड़ा है जो रोजाना कमाकर अपना व अपने परिवार को पेट भरते थे। ऐसे में इन गरीबों के लिए देशव्यापी संगठन भारत विकास परिषद वरदान साबित हो रहा है जोकि रोजाना सैकड़ो लोगों को भोजन खिलाकर एक बहुत ही नेकी का कार्य कर रहा है। भारत विकास परिषद फरीदाबाद के जिलाध्यक्ष प्रमोद टिबड़ेवाल ने बताया कि फरीदाबाद जिले की प्रत्येक शाखा अभी तक हजारों असंगठित मजदूर को न केवल राशन दिया है ब्लकि उन्हें मास्क, सैनीटाईजर और भोजन देने का काम शहर के अलग अलग स्थान पर किया है। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद, संस्कार, नारायण बल्लभगढ़, माधव एवं एन आई टी शाखा का प्रत्येक सदस्य गरीबों की हरसंभव मदद कर रहा है। श्री टिबड़ेवाल ने इस भयंकर आपदा में नर सेवा को ही नारायण सेवा बताया उन्होनें बताया कि इस पूरे सेवा कार्य में फरीदाबाद के करीब 400 परिवारों मिलकर इस नेक कार्य अंजाम दे रहे है। परिषद् के सभी परिवारों को आर्ट ऑफ लिविंग से (जूम) के माध्यम से मोटिवेशनल और तनाव कम करने की क्लास और करोना से बचने का घरेलू उपाय सदस्य डॉ. ललित अग्रवाल (जूम) से सब को बता रहे है। इस मौके पर अरूण सर्राफ, दिनेश अग्रवाल, सत्यनारायण बंसल, राजकुमार अग्रवाल,अशोक गोयल , अजय अग्रवाल, गोरव गुप्ता, अमर बंसल, सीताराम मित्तल, दीपक अग्रवाल , सुरेन्द्र जग्गा, सुनील गर्ग, अनूप गुप्ता, निधी जैन, प्रदीप, प्रतीभा तिवारी, योगेश, पंकज, मनीष, जितेन्द्र, आनन्द गुप्ता, एन के गुप्ता, रमणीक गर्ग, राकेश गुप्ता, राजेन्द्र बंसल, और सभी शाखाओं के सारे सदस्य इस कार्य में तन मन धन से सहयोग कर रहे हैं।

कोरोना: संदिग्ध मृतक का कोविड-19 के तहत संस्कार, सामने आए 4 नए मामले

जिले में कुल संक्रमितों की संख्या हुई 50

नौ संक्रमितों का अस्पताल में चल रहा ईलाज

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना का कहर जिले में सख्ती के बाद भी खत्म नहीं हो रहा है। मंगलवार रात विभाग को निजी लैब की तरफ से दो लोगों के पॉजिटिव होने की सूचना मिली। बुधवार शाम होते होते जिला स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना के चार नए मामलों की पुष्टि है। चारों को ईएसआइसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया जा रहा है। संक्रमितों की संख्या बढ़कर 50 हो गई है। अस्पताल से 41 लोगों को डिस्चार्ज कर दिया है, जबकि नौ संक्रमितों का इलाज चल रहा है। संक्रमितों में दिल्ली में निजी अस्पताल के सीईओ का 18 वर्षीय पुत्र और 44 वर्षीय पत्नी शामिल है। सीईओ का इलाज पहले से ही ईएसआइसी मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। इसके अलावा डबुआ कॉलोनी में रहने वाली 30 वर्षीय युवती और बड़खल की मस्जिद में क्वॉरेंटाइन एक जमाती भी वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार ने बताया कि चारों को अस्पताल भर्ती कराया गया है और इनके संपर्क में आने वाले लोगों की पहचान कर क्वॉरेंटाइन किया जा रहा है।

दोनों को तुरंत ईएसआई अस्पताल में दाखिल कराया गया। जहां कुछ देर बाद एक मरीज की मौत हो गई। मृतक का अंतिम संस्कार कोविड-19 के नियमानुसार कराया गया है। बुधवार को विभाग को मौहम्मद मुस्ताख नामक जमाती की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है।

बीती रात मचा हड़कंप

एनएच-एक बी में रहने वाला व्यक्ति डबुआ सब्जी मंडी में आढ़ती का कार्य करता है। वह पिछले दिनों बुखार से पीड़ित था। जिस पर उसने एक निजी प्रयोगशाला से जांच करवाई। रिपोर्ट में कोरोना के संक्रमण की पुष्टि की गई। विभाग ने शंका होने पर दोबारा जांच कराई है। संदिग्ध संक्रमित व्यक्ति को ईएसआइसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। विभाग ने मंगलवार देर रात को उसकी आढ़त एवं आसपास की दुकानों को सैनिटाइज करके को खतरे का नोटिस चस्पा कर दिया है। जिससे दोनों इलाकों में हड़कंप मच गया।

संदिग्ध की मौत

सेक्टर 88 निवासी 68 वर्षीय बुजुर्ग की 19 अप्रैल से तबीयत खराब थी। उसे ओल्ड फरीदाबाद के एक निजी अस्पताल से दवा ली थी। हालत खराब होने पर उसे 26 अप्रैल को सेक्टर-16 के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। कोविड-19 जांच कराने पर 28 अप्रैल की रात को रिपोर्ट पॉजिटिव पाए जाने पर विभाग को सूचना मिली। उसे कोविड-19 अस्पताल (ईएसआई) में भर्ती करवाया।

जहां रात साढ़े दस बजे उसकी मौत हो गई। विभाग ने मृतक का सैम्पल जांच के लिए भेजा गया था। डॉ. कृष्ण कुमार ने कहा कि बुजुर्ग मधुमेह, उच्च रक्तचाप और सांस की गंभीर बीमारी से पीड़ित था। सम्पर्क में आए उसके बेटे, पुत्रवधु और दो पौते के सैम्पल लिये है। इसके अलावा ओल्ड के निजी अस्पताल के सहायक, दूध वाले और सब्जी वाले के अलावा मृतक के दोस्त के सैम्पल भी लिये गए है।

सिगरेट व तंबाकू पर मामला दर्ज

फरीदाबाद। लोकडाउन में प्रतिबंध के बावजूद शहर में सिगरेट व तम्बाकू की धडल्ले से बिक्री हो रही है। क्राइम ब्रांच ऊंचा गांव टीम ने सिगरेट व तंबाकू आदि बेचने के आरोप में मोहना रोड से एक दुकानदार को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक क्राइम ब्रांच ऊंचा गांव के सब इंस्पेक्टर जलालुद्दीन ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि मोहना रोड स्थित यादव डेरी के पास एक दुकानदार अपनी दुकान खोलकर सिगरेट व तम्बाकू आदि बेच रहा है। इस सूचना पर पुलिस ने वहां पर पहुंचकर रेड कर दी। जहां पर एक व्यक्ति दुकान खोलकर सिगरेट व तंबाकू आदि बेच रहा था। दुकानदार के पास से सिगरेट के 107 पैकेट व तंबाकू के 45 मिले। जिसने अपना नाम सोनू निवासी आदर्श नगर बताया। जांच अधिकारी यूनिस खान ने बताया कि आरोपित सोनू के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार करते हुए प्रतिबंधित सामान कब्जे में ले लिया गया है।

ट्यूशन फीस की अनुमति मिलते ही स्कूल संचालकों ने बढ़ाई फीस

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

स्कूल प्रबंधकों ने 1000 से लेकर 3000 तक ट्यूशन फीस वृद्धि कर दी

हरियाणा अभिभावक एकता मंच ने कहा है कि स्कूल प्रबंधक मनमानी से बाज नहीं आ रहे हैं। वे लिखित व मौखिक रूप से अभिभावकों पर बढ़ाई गई ट्यूशन फीस व अन्य फंडों में फीस जमा कराने के लिए दबाव डाल रहे हैं। मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा ने बताया कि कई निजी स्कूलों ने अभिभावकों से कहा है कि जो फीस डिटेल उनको भेजी गई है उसके अनुसार 30 अप्रैल तक फीस जमा कराएं।

जब अभिभावकों ने अप्रैल 19 में जमा कराएगी ट्यूशन फीस और अब मांगी जा रही ट्यूशन फीस का अंतर देखा तो पाया कि स्कूल प्रबंधकों ने 1000 से लेकर 3000 तक ट्यूशन फीस वृद्धि कर दी है इसके अलावा अदर चार्ज के रूप में भी से फीस मांगी जा रही है। मंदी व आर्थिक कारणों से जो अभिभावक मासिक फीस देने में भी असमर्थ हैं उन पर भी फीस जमा कराने के लिए दबाव डाला जा रहा है जो शिक्षा विभाग पंचकूला के 23 अप्रैल को निकाले गए दिशा निर्देश के एकदम विपरीत है । मंच को अभिभावकों ने यह भी बताया कि उन्होंने पांच, छह महीने पहले अपने बच्चे का नर्सरी, एलकेजी व अन्य कक्षाओं में दाखिला कराया था जिसकी एवज में स्कूल प्रबंधकों ने अप्रैल मई-जून की फीस के साथ अन्य फंडों में 50000 से सवा लाख रुपए पहले ही वसूल लिए हैं।

जबकि शिक्षा नियमावली का नियम है कि स्कूल प्रबंधक दाखिला देकर एडवांस में फीस वसूल नहीं कर सकते हैं सिर्फ रजिस्ट्रेशन के रूप में 500 या 1000 रुपए टोकन रजिस्ट्रेशन के रूप में ले सकते हैं। नर्सरी, केजी के बच्चे की पढ़ाई अभी शुरू नहीं हुई है और जैसे हालात हैं उसके अनुसार से उनकी पढ़ाई जुलाई में ही संभव है इन छोटे बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई भी नहीं हो सकती है। अभिभावकों ने जब संबंधित स्कूल प्रबंधक से अग्रिम रूप से अप्रैल मई-जून की वसूली गई तिमाही फीस, डिवाइन पब्लिक स्कूल की तरह आगे एडजेस्ट करने के लिए कहा तो स्कूल प्रबंधकों ने साफ मना कर दिया।

बड़े पैमाने पर बनाई जा रही कच्ची शराब बरामद

शराब बनाने के उपकरण बरामद किए

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बीती शाम को पुलिस ने दूल्हेपुर गांव में छापेमारी कर यमुना नदी के टापू पर अलग अलग तीन भट्टियों पर कच्ची शराब बना रहे दो लोगों को गिरफ्तार किया है। जबकि अन्य यमुनानदी में कूदकर भागने में कामयाब हो गए।

पुलिस ने मौके से 60 लीटर कच्ची शराब और शराब बनाने के उपकरण बरामद किए हैं। थाना छांयसा पुलिस के मुताबिक बीती शाम सूचना मिली कि दूल्हेपुर गांव के पास यमुना नदी के टापू पर कुछ लोग अलग अलग भट्टियों पर कच्ची शराब बना रहे हैं। लॉकडाउन में शराबबंदी का फायदा उठाकर जिसे महंगे भाव में बेचा जाएगा। सूचना पर एएसआई सुदीप ने टीम के साथ दूल्हेपुर में छापेमारी कर दी। भनक लगते ही कच्ची शराब तैयार कर रहे लोग अंधेरे का फायदा उठाकर यमुना नदी में कूदकर भागने लगे। तभी पुलिस टीम ने दो लोगों को काबू कर लिया। जबकि अन्य फरार होने में कामयाब रहे। पुलिस ने मौके पर मिली तीन भट्टियों से 60 लीटर कच्ची शराब व उसे बनाने के उपकरण बाल्टी, टब, ड्रम, 65 किलो लाहन, 53 किलो गुड़ व अन्य सामान बरामद किया है। लॉकडाउन व शराब बंदी के कारण क्षेत्र में कच्ची शराब की बिक्री की सूचना जोरों पर है। पुलिस की व्यस्तता के पूरा लाभ उठाने के लालच में लोगों के जीवन से खिलवाड़ किया जा रहा है। जांच अधिकारी एएसआई सुदीप ने बताया कि कच्ची शराब बनाने के आरोपी दूल्हेपुर गांव निवासी जगदीश व बिट्टू उर्फ रवि को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

जेल में फिर मिला मोबाइल

फरीदाबाद। नीमका जेल में कैदी के बैराक से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक नीमका जेल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट सचिन कुमार ने अपनी शिकायत में कहा है कि जेल में बंद कैदियो से मोबाइल मिलने का सिलसिला थम नहीं रहा है। उन्होंने बताया कि रोजाना की तरह मंगलवार को भी जेल के सुरक्षा कर्मचारी अलग अलग बैरकों में जाकर कैदियों के सामान की तलाशी ले रहे थे। उसी दौरान एक बैरक में बंद जिला नूंह के पुन्हाना निवासी अखलाक के कब्जे से एक मोबाइल फोन मिला। कर्मचारियों के बताने पर उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से कर दी। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोरोना योद्धा को वितरित की सामग्री

फरीदाबाद। कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए एनआईटी-86 के विधायक नीरज शर्मा, पूर्व वरिष्ठ उपमहापौर मुकेश शर्मा, कांग्रेस युवा नेता मुनेश शर्मा ने कोरोना महामारी आपदा के बीच काम कर रहे पुलिस कर्मियों की इम्युनिटी बढ़ाने के लिए च्यवनप्राश, खाद्य सामग्री, सेनेटाइजर, मास्क, एवं जरूरत की चीजें डीसीपी एनआईटी फरीदाबाद डा. अर्पित जैन और एनआईटी एसीपी गजेन्द्र को सौंपी। जिन्हें एनआईटी-86 विधानसभा क्षेत्र के सभी थानों और चैकियों में पुलिस कर्मियों में बांटा जाएगा। इस अवसर पर सारन थाना प्रभारी सैफूदीन, सेक्टर-58 थाना प्रभारी विनोद कुमार, डबुआ थाना प्रभारी संदीप कुमार, धौज थाना प्रभारी कर्मवीर सिंह के साथ-साथ समस्त एनआईटी-86 चौकी के प्रभारी भी उपस्थित थे।

विधायक नीरज शर्मा ने कहा कि इस महामारी की स्थिति में कोरोना योद्धा पुलिस कर्मी लॉकडाउन को सफल बनाने के लिए 24 घंटे डयूटी कर हमें कोरोना से बचा रहे है। हमारी सुरक्षा के लिए दिन-रात गर्मी में हमारे बचाव के लिए ड्यूटी पर तैनात है। एनआईटी विधानसभा क्षेत्र के समस्त पुलिस कर्मी गरीब परिवार, वरिष्ठ नागरिकों, बच्चों व अस्वस्थ्य नागरिकों के लिए खाद्य सामाग्री, लंच पैकेट, दवा, एंबुलेन्स सेवा, होम डिलीवरी, दूध आदि की सेवाएं पहुंचा रहे है। प्रत्येक व्यक्ति को शारीरिक दूरी के प्रति भी जागरूक कर रहे है ये बहुत ही सराहनीय है।

पुलिसकर्मियों ने दिया अंजान को रक्त

फरीदाबाद। शहर के सिविल अस्पताल में मौजूद ब्लड़ बैंक में दो महिलाए अपनी बीमार परिचित के लिए रक्त लेने पहुंची। लेकिन उन्हें डोनर लाने के लिए कहा गया। जिस पर महिलाएं परेशान हो गई । उनकी परेशानी को देख रहे एनएच-तीन थाने के दो पुलिसकर्मियों ने उसने बातचीत की और उनकी बात सुनी। जिस पर दोनों पुलिसकर्मियों ने मानवता का परिचय देते हुए अंजान महिलाओं की परेशानी को दूर करते हुए रक्तदान किया। रक्तदान करने वाले कंस्टेबल विकाश कुमार और रितेश कुमार थे।

करवाया जा रहा राशन उपलब्ध

फरीदाबाद। जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक केके गोयल ने बताया कि महामारी कोविड-19 के तहत एएवाई, बीपीएल व ओपीएच राशन कार्ड धारकों को डिपो धारकों के माध्यम से जन वितरण प्रणाली के तहत राशन उपलब्ध करवाया गया, जोकि निशुल्क था तथा सभी को नियमित आंवटन के अलावा 5 किलो अतिरिक्त गेहूं प्रति राशन कार्ड उपलब्ध करवाया गया। उन्होंने बताया कि एएवाई व बीपीएल कार्ड धारक को 35 किलोग्राम गेहूं, एक किलो चीनी, 2 लीटर सरसों का तेल, एक किलो चना दाल व एक किलो नमक प्रति राशन कार्ड उपलब्ध करवाया गया। इसी प्रकार ओपीएच कार्ड धारक को 5 किलो गेहूं व एक किलो चना दाल उपलब्ध करवाई गई। उन्होंने बताया कि जिला में बीपीएल कार्ड धारक 43 हजार 31, एएवाई कार्ड धारक 6 हजार 846 तथा एक लाख 95 हजार 663 ओपीएच कार्ड धारक हैं। इन सभी को बीते दिन तक 71 हजार 901 क्विंटल गेहूं, 406 क्विंटल चीनी, 83 हजार 484 लीटर सरसों का तेल, 250 क्विंटल नमक तथा 30 क्विंटल दाल का वितरित की गई।

आरएसएस ने किया योद्धाओं को सम्मानित

फरीदाबाद। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों द्वारा जिले में कोरोना संक्रमण से लोगों को बचाने के लिए आवश्यक सेवाओं के प्रति अपने दायित्व का निवर्हन करने में जुटे कोरोना योद्धाओं सफाई कर्मचारियों, सीवर मैनों व साइनटाइज टीम को फूलमालाओं से सम्मानित किया और उन्हें सूखा राशन भी भेंट किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह संपर्क प्रमुख हरियाणा गंगाशंकर मिश्र, राकेश अग्रवाल, सह महानगर कार्यवाह गोविंद, राम बहादुर, क्षेत्रीय संगठन मंत्री राजकुमार तथा भाजपा नेता भाजपा नेता ओमप्रकाश रक्षवाल व गीता रक्षवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर गंगाशंकर मिश्र ने सीवरमैनों, साइनटाइजर टीम तथा सफाई कर्मियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ये लोग इस जंग में जनता को सुरक्षित बचाने के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं, इन योद्धाओं को सम्मानित कर उनकी हौसला अफजाई करते हुए उनके जब्जे को सलाम करने का उनके द्वारा छोटा यह छोटा-सा प्रयास था।

आढ़तियों का भी इंसानियत दिखाने का समय है : कालू बांगा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डबुआ सब्जी मंडी के आढ़ती एवं समाजसेवी कालू बांगा ने कहा कि देश इस समय बहुत बुरे दौर से गुजर रहा है।

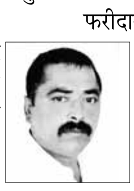

ऐसे में हम सभी को मिलकर माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के सीएम मनोहर लाल द्वारा कही गई बातों को अमल में लाना है। ताकि जल्दी से जल्दी पूरा देश इस महामारी से उबर सके।

उन्होंने कहा कि डबुआ सब्जी मंडी के आढ़तियों को मंडी सचिव के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर काम करना है और जो भी दिशा निर्देश मंडी सचिव दें उसका पूरी तरह से पालन करना है। उन्होंने कहा कि इस समय आढ़तियों का इंसानियत दिखाने का समय है। क्योकि डबुआ सब्जी मंडी सिर्फ मंडी नहीं बल्कि पूरे फरीदाबाद की जान है। कालू बांगा ने कहा कि डबुआ मंडी से पूरे फरीदाबाद को सब्जी सप्लाई होती है ऐसे में हम सभी आढ़तियों का भी फर्ज बनता है कि मंडी में सोशल डिस्टेंस बनाकर रखे, मुंह पर मॉस्क लगाकर रखे तथा मंडी में भीड़ बिलकुल न होने दे। मंडी में दुकानों के अखिरी नंबर के हिसाब से इन-ऑड की तर्ज पर आढ़तियों को सब्जी बेचने का काम दिया जाए जिससे की भीड़ पर काफी हद तक काबू पाया जा सकता है। उन्होनें कहा कि मंडी सचिव डबुआ सब्जी मंडी की भलाई के लिए दिन रात काम कर रहे हैं।

कोविड स्टॉफ को पुलिस ने रोका, डीन खुद पहुंचे लेने

स्टाफ के न जाने से अस्पताल में जांच व उपचार प्रक्रिया प्रभावित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

दिल्ली-हरियाणा के बॉर्डर पर आवाजाही पूरी तरह से बंद कर दिए जाने से ईएसआईसी मेडिकलल कॉलेज जो आजकल कोविड-19 अस्पताल घोषित है के स्टॉफ को परेशानियों का सामना करना पड़ा। कोविड-19 अस्पताल का आधे से ज्यादा स्टॉफ दिल्ली से आता है। ऐसे में स्टाफ के न जाने से अस्पताल में जांच व उपचार प्रक्रिया प्रभावित हो गया। जिस पर मेडिकल कॉलेज के डीन असीम दास खुद अपने स्टाफ को लेने फरीदाबाद-दिल्ली बॉर्डर पर पहुंचे। उनके पहुंचने पर ही स्टाफ अस्पताल तक पहुंच पाया।

जानकारी के मुताबिक राज्य सरकार के निर्देशों के बाद फरीदाबाद-दिल्ली बॉर्डर पर भी जिला प्रशासन ने सख्ती कर दी। जिसमें केवल जरूरी वस्तुओं की गाड़ियों की आवाजाही ही जारी रखने के निर्देश जारी किए गए है। बैंक, पुलिस और मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोगों की आवाजाही पर भी पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया। जिससे जिले के कोविड-19 अस्पताल में तैनात कर्मचारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। गौरतलब है कि ईएसआईसी के अनेक डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मी दिल्ली से यहां नौकरी पर आते हैं। मंगलवार को भी बॉर्डर पर पुलिस ने उन्हें शहर में प्रवेश करने पर रोक दिया था। तब डीन डॉ. असीम दास खुद मौके पर जाकर स्टाफ को लेकर आए। डीन डॉ. असीम दास ने कहा कि ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज कोविड-19 अस्पताल है।

हरियाणा में कोरोना वायरस के अधिकांश टेस्ट यहां होते है। यहां का काफी स्टाफ दिल्ली रहता है और वहीं से रोजाना आवाजाही करता है। डॉक्टर और स्टाफ की आवाजाही पर पाबंदी लगाने से कोविड-19 टेस्ट प्रक्रिया प्राभावित हो सकती है। इसलिए जिला उपायुक्त यशपाल यादव की ओर से स्वास्थ्य कर्मियों को आवाजाही की स्वीकृति प्रदान करने का आश्वासन दिया गया है।

निष्ठा और सक्रियता से कर रही निगम की टीम कार्य

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नगर निगम के आयुक्त डा. यश गर्ग ने कहा है कि नगर निगम प्रशासन की पूरी टीम शहरवासियों को कोराना वायरस के संक्रमण के फैलाव को रोकने और शहरवासियों को जलापूर्ति, सीवर, अन्य मूलभूत सुविधाओं को उपलबध करवाने के लिए पूरी निष्ठा व सक्रियता से काम कर रही है। इसके इलावा निगम की 7 टीमें सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के साथ मिलकर के हजारों गरीब जरूरतमंद लोगों को बना हुआ खाना भी वितरित कर रही है। उन्होंने शहरवासियों से भी अपील की है कि वे लोकडाउन से संबधित सरकार, जिला प्रशासन के द्वारा समय-समय पर जारी किये जा रहे अनुदेशों व हिदायतों की कड़ाई से पालना करते हुए प्रशासन का सहयोग करें तथा अपने-अपने घरों में रहें। उन्होंने कहा कि कोई भी नागरिक जलापूर्ति, सीवर या निगम से संबधित अन्य मूलभूत सुविधाओं बारे अपनी समस्या सुबह 9 बजे से शाम 9 बजे तक काम कर रहे निगम के कंट्रोल रूम के फोन नम्बर 0129-2415549 व 0129-2411664 पर दर्ज करवा सकते हैं।

2710 कर्मचारी कर रहे कार्य

निगमायुक्त के अनुसार शहर की सफाई व्यवस्था को चुस्त-दुरूस्त बनाये रखने के लिए 2710 सफाई कर्मचारियों (जिनमें महिला सफाई कर्मचारी भी शामिल है) के द्वारा सुरक्षा उपकरणों के साथ पूरे निगम क्षेत्र की सफाई की गई, ईकोग्रीन कम्पनी के द्वारा 229 वाहनों के द्वारा लगभग 89 प्रतिशत कूड़े के ढ़ेरों को उठाया गया है, मकैनिकल स्वीपिंग मशीनों के द्वारा 25 किलोमीटर सड़कों की सफाई की गई है, 152 जगहों से स्वास्थ्य विभाग से तालमेल करके पीपीई (मास्क व दस्ताने आदि) वेस्ट को उठाया गया है। 206 सार्वजनिक षौचालयों सहित रैनबसेरों, सार्वजनिक स्थानों और 35 वार्डों में अनेकों जगहों को सेनीटाईज करवाया गया है। निगम के द्वारा स्थापित रैनबसैरों में कल रात तक ठहरने वाले 185 व्यक्तियों को खाने की व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक जरूरतों को पूरा किया गया है। निगम क्षेत्र में राशन व सब्जी आदि की होम डिलीवरी की व्यवस्था सुनिश्चित करवाई जा रही है। किरायेदारों से किराया आदि न मांगने के बारे में लोगों को समझाया जा रहा है। पूरे निगम क्षेत्र में व्यापक स्तर पर फोगिंग भी करवाई जा रही है।

उन्होंने शहर की उन सभी सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक कार्यकताओं का आभार प्रकट किया जो कि इस संकट की घड़ी में या तो प्रशासन का सहयोग कर रहे हैं या अपने-अपने स्तर पर जरूरतमंदों की मदद कर रहे हैं।

बांट रहे भोजन

पूरे निगम क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों को खाना वितरण करने का शुरू किया गया अभियान बुधवार को भी जारी रहा। निगम की 7 टीमें अन्य दिनों की तरह बुधवार को भी पूरे जी-जान से जुटी रही और निगम कर्मचारियों की इन 7 टीमों ने विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संगठनों और सामाजिक कार्यकताओं के सहयोग से निगम क्षेत्र में हजारों जरूरतमंद गरीब लोगों को दोपहर का खाना वितरित किया।

चीनी परीक्षण किटों की खरीद

प्रभावशीलता पर थे सवाल

सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के समय मुनाफाखोरी का अर्थ है कि हमने घातक वैश्विक महामारी से समुचित सबक नहीं सीखे हैं जिसमें मानव जीवन व मानवता की रक्षा एकमात्र लक्ष्य होता है। ऐसा न होने पर हम अदृश्य शत्रु के खिलाफलड़ाई ठीक से नहीं लड़ सकते हैं। बिना उनकी क्षमता का परीक्षण किए ऊंचे दामों पर चीनी कंपनियों से दागी कोविड-19 टेस्ट किटें खरीदने के कारण सरकार तथा भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद-आईसीएमआर को शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ा है। उनके बड़े बैच बेकार पाए गए। उनमें से कुछ की प्रभावशीलता केवल 5 प्रतिशत थी और वे पुष्ट कोविड मामले पहचानने में भी विफल रहीं। हालांकि, सरकार का दावा है कि इनको वापस किया जाएगा तथा कोई पैसा एडवांस न देने के कारण हमें पैसे का कोई नुकसान नहीं हुआ है। लेकिन नुकसान तो हो चुका है, इनकी वैधता की पुष्टि होने तक परीक्षण धीमे रहे तथा दक्षिण कोरिया व अन्य देशों से इनके बदले विश्वसनीय किटें खरीदनी पड़ीं। सभी जानते हैं कि टेस्टिंग किट बाजार पर चीन का वर्चस्व है और हम इनका देशी उत्पादन चाहे जितना बढ़ायें, हमारी किटें चीन जितनी सस्ती नहीं होंगी। तेजी से परीक्षण के लिए हमें ज्यादा किटें चाहिए। वायरस का लंबे समय से सामना करने तथा फैक्ट्रियां जल्दी शुरू करने के कारण चीन टेस्टिंग तकनीक में बेहतर है और दुनिया भर में किटों का निर्यात कर रहा है। लेकिन उनकी गुणवत्ता बहुत खराब है तथा अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस व तुर्की ने माल वापस भेजा है। स्पष्ट रूप से चीन दुनिया के बाजार पर कब्जा करना चाहता है और उसका गुणवत्ता नियंत्रण खराब है। हमारे पास खरीदने से पहले निर्णय करने का काफी समय था। ऐसे में सवाल है कि यह सब जानते हुए आईसीएमआर ने खरीद क्यों की? क्या देश में बीमारी के बढ़ते विस्तार के कारण उस पर बहुत दबाव था? आखिरकार तेज टेस्टिंग के शानदार रिकार्ड वाले दक्षिण कोरिया से उसने पहले संपर्क क्यों नहीं किया? इसके साथ ही चीनी किटें पाने वाली भारतीय कंपनी ने उनकी कीमतें डेढ़ गुना बढ़ा दी थीं। देश के सर्वोच्च विशेषज्ञों के एकीकृत टास्क फोर्स के अंतर्गत काम करने वाली आईसीएमआर तकनीकी मूल्यांकन के बारे में लापरवाह क्यों रही? उसने स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक-डीजीएचएस द्वारा गठित संयुक्त तकनीकी निगरानी समूह से परामर्श किए बिना सीधे खरीद आदेश दिए। इसमें राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र-एनसीडीसी, एम्स, आपदा चिकित्सा सहायता-ईएमआर और डब्लूएचओ के विशेषज्ञ शामिल थे। क्या उन पर संदेह के कोई कारण थे? भले ही आईसीएमआर पर दबाव था, पर क्या वह दूसरे देशों की तरह काम नहीं कर सकता था? उसे पहले इन टेस्ट किटों के प्रभावी होने के बारे में संतुष्ट होना चाहिए था। उसकी इस गलती से भारी नुकसान हुआ है।

इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि वैश्विक दवा बाजार पर प्रभुत्व रखने वाला चीन कोविड-19 के बाद वैश्विक चिकित्सा अर्थव्यवस्था पर शिकंजा कायम करना चाहता है। इस प्रयास में वह बिक्री बढ़ाने के लिए गुणवत्ता पर ध्यान नहीं देता है। किटें सप्लाई करने वाली वोंडफो बायोटेक के अनुसार किटें ठीक हैं और आईसीएमआर ने आयात लाइसेंस जारी करते समय उनकी पुष्टि की थी। उसने गलत तरीके से प्रयोग व भंडारण का दोष भारतीय आपरेटरों पर डाला है तथा भारत पर ऐसे समय पूर्वाग्रही व्यवहार का आरोप लगाया है जब सभी देशों को सहयोग करना चाहिए। लेकिन उसे यह भी सोचना चाहिए कि विपरीत रिपोर्टों के बावजूद भारत ने किटें खरीदीं। ब्रिटिश सरकार ने भी 20 मिलियन डालर की चीनी टेस्ट किटें खरीदी थीं जो बेकार निकलीं। चीन भले ही इस प्रकरण को राजनयिक संबंध खराब करने का बहाना बनाए, पर भरत को अपना कोविड प्रोटोकाल बनाना चाहिए जो भारतीय परिस्थितियों में कारगर हो। हमारे देश में विश्वसनीय विशेषज्ञ उपलब्ध हैं जिनकी सलाह ले कर स्वास्थ्यरक्षा में आत्मनिर्भरता प्राप्त की जा सकती है। यह काम कई बजटों के माध्यम से होगा तथा इस दिशा में क्रियान्वयन पर जोर महत्वपूर्ण होगा।

चुनौतियों से पार पाने में जुटी योगी सरकार

समस्याओं के बावजूद योगी सरकार चुनौतियों को अवसरों के रूप में बदलने का कार्य रही है। वह प्रशासन को निरंतर जनोन्मुख बनाते हुए उच्चस्तरीय शुचिता का समावेश कर सुशासन स्थापित करने का प्रयास कर रही है।

डॉ. खुशबू गुप्ता
(लेखिका दिल्ली विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं)

वर्तमान कोरोना वैश्विक संकट में किसी भी सरकार के लिए सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण कार्य सुशासन को स्थापित करना है। सुशासन के कुछ आधारभूत तथा आवश्यक तत्व होते हैं जो अच्छे प्रशासन की दिशा और दशा भी निर्धारित करते हैं। किसी भी शासन के लिए ये महत्वपूर्ण तत्व पारदर्शिता, जवाबदेही, सत्ता का विकेंद्रीकरण, अंतिम पायदान पर खड़े लोगों का संवर्धन, सामाजिक तथा आर्थिक सेवाओं की समयबद्ध उपलब्धता, नागरिकों का प्रभावी ढंग से शासन प्रक्रिया जन भागीदारी, कुशल एवं प्रभावी शासन व्यवस्था, कानून व नियमों के निर्माण के साथ-साथ प्रभावी ढंग से लागू किया जाना। इसी के द्वारा किसी भी समाज, राज्य व देश का विकास भी निर्धारित होता है।

वैश्विक लड़ाई में विश्व की सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश भारत हालांकि सीमित संसाधनों के बावजूद बहुत कुशलता एवं सूझबूझ के साथ कोरोना महामारी से लड़ रहा है। इसी सन्दर्भ में यदि हम देश की सर्वाधिक आबादी वाले राज्य की बात करें तो उत्तर प्रदेश के समक्ष चुनौतियां बहुत थीं। सबसे बड़ी चुनौती संदिग्ध संक्रमित व्यक्तिओं की पहचान तथा उनका परीक्षण साथ ही साथ सेवाओं को आखिरी व्यक्ति तक सुनिश्चित करना था। बीते दिनों की बात करें तो जब से देश में लॉकडाउन की घोषणा की गई तब से सभी राज्यों के लिए यह लॉकडाउन सहज नहीं रहा है। जिसमें उत्तर प्रदेश खासा चर्चा में भी रहा क्योंकि दिल्ली सरकार के द्वारा समन्वय तथा सहयोग के अभाव के कारण वहां रह रहे श्रमिक प्रवासी बड़ी संख्या में पैदल ही अपने घरों के लिए पलायन करने लगे जिससे स्थिति और गंभीर हो गई। प्रवासी संकट प्रदेश सरकार के लिए बहुत चुनौतीपूर्ण कार्य रहा लेकिन योगी सरकार के द्वारा लोगों को बसों से उनके गंतव्य स्थान तक पहुचाया गया और स्थिति पर कुशलतापूर्वक नियंत्रण किया गया। यही ही नहीं देश के अन्य राज्यों में रह रहे श्रमिकों की सहायता तथा सुविधा के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति भी की गई। बता दें कि अद्यतन रिपोर्ट के अनुसार हरियाणा से 12200 से अधिक श्रमिकों की प्रदेश में वापसी हुई। जहां अधिक आबादी वाले राज्य में प्रत्येक व्यक्ति तक सुविधाओं को सुनिश्चित करना जिसमे मजदूर, दैनिक रूप से कार्य करके जीवन यापन करने वाले गरीब, असहाय, बेरोजगार लोग हैं वहीं कानूनों का प्रभावी ढंग से पालन करवाना चुनौतीपूर्ण था।

योगी सरकार के द्वारा स्थिति को नियंत्रित करने हेतु लगातार अपील की जा रही है कि सरकार के इस मुहिम में प्रदेश की जनता सहयोग करे लेकिन कुछ तबलीगी जमातिओं द्वारा सरकार के साथ असहयोग किया जा रहा जो कि एक नई गंभीर चुनौती उभरकर सामने आई है। पिछले कई दिनों से उनकी स्वयं की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए गई महिला नर्सों, पुलिसकर्मियों और डॉक्टर्स पर हमले हुए हैं। यह न केवल एक मानवीय व्यवहार है बल्कि मानवता के प्रति अक्षम्य अपराध भी है।

बता दें कि प्रदेश में अब तक जितने भी संक्रमित मरीज मिले हैं उनमे अधिकतर तबलीगी लोग ही हैं। आज संक्रमण को नियंत्रित रखने में न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि देश के अन्य राज्यों के समक्ष समस्या उत्पन्न कर रहे हैं और स्थिति को चुनौतीपूर्ण बना रहे हैं। सम्पूर्ण देश में लॉकडाउन की घोषणा होते ही सम्बंधित राज्यों के श्रमिक प्रवासियों का पलायन करना राज्यों के लिए उतना चुनौतीपूर्ण नहीं रहा जितना तबलीगी जमातिओं के द्वारा उत्पन्न की गई समस्या।

ज्ञात हो कि राज्य सरकार के द्वारा जनवरी माह से स्थिति की गंभीरता को समझते हुए इस प्रक्रिया में तेजी से कार्य किया गया। परिणामत: आज उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण नियंत्रण में है और देश के अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण भी प्रस्तुत किया है। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी के अनुसार, अद्यतन रिपोर्ट में यह बताया गया कि 22 जिले पहले से ही कोरोना मुक्त थे और अब संक्रमण पर नियंत्रण रखते हुए प्रदेश के 32 जिले कोरोना से मुक्त हो गए हैं।

राज्य में कोरोना संक्रमित केस सबसे पहले आगरा में मिला था लेकिन आज उसी जनपद में योगी सरकार के हॉटस्पॉट मॉडल ने अन्य राज्यों को उम्मीद भी दिखाई है। विश्वव्यापी आकड़ों को देखें तो उत्तर प्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से ब्रिटेन के बराबर और जनसंख्या की दृष्टि से लगभग उससे चार गुना बड़ा है लेकिन कोरोना संक्रमण के नियंत्रण में प्रदेश ने ब्रिटेन को पीछे छोड़ दिया है। वहीं जर्मनी, इस्राइल, और दक्षिण कोरिया की तर्ज पर तकनीकी रैपिड एंटीबॉडी टेस्ट और पूल टेस्टिंग शुरू करने वाला देश का पहला राज्य भी बन गया। हालांकि हमारे पास शुरुआती समय में कोरोनो जांच के लिए सिर्फ एक लैब था वही जांच की सुविधा को बढ़ाकर 14 और लैब तैयार की गईं। 21 दिनों में जांच की क्षमता 10 गुना बढ़ाते हुए 200 से 2500 जांचों तक पंहुचा दिया गया है। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए हर जिले में 15000 से 25000 क्षमता के क्वारंटीन सेंटरों के निर्माण का निर्देश भी दिया गया है। पूल टेस्टिंग के संदर्भ में सैम्पल कलेक्शन तहसील स्तर पर किया गया, स्थानीय स्तर पर ग्राम सभाओं में सैनिटेशन तेजी से कराया जा रहा है। कोविड-19 की रोकथाम, उपचार, उससे बचाव के लिए कार्यरत कर्मचारी की संक्रमण से मृत्यु की दशा में उनके आश्रितों को लिए 50 लाख के एकमुश्त बीमा का प्रावधान किया गया है। कोरोना योद्धाओं को तबलीगी जमातिओं का सख्ती के साथ निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया। 24 घंटे उ.प्र. सीएम् हेल्प लाइन की व्यवस्था के साथ साथ स्मार्ट सिटी के लिए बनाये गए वॉर रूम को कोरोना वॉर रूम में तब्दील किया गया।

सामाजिक- आर्थिक सेवाओं की प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक समयबद्ध तरीके से उपलब्धता भी सुनिश्चित की जा रही है। सरकार की घोषणा के बाद दो दिनों में 1.14 करोड़ कार्ड धारकों के 4.88 करोड़ लोगो को 2.44 लाख मीट्रिक टन राशन वितरण किया जा चुका है जोकि कुल लक्ष्य का 34.38त्न वितरण रहा है। एक दिन में कुल लक्षित वितरण का 21.46 प्रतिशत रहा जो कि उत्तर प्रदेश ने मील का पत्थर स्थापित किया है। वहीं 30जून 2020 तक सार्वजनिक वितरण प्रणाली का सार्वभौमीकरण किया जायेगा जिससे न सिर्फ राशन कार्ड धारकों बल्कि जिनके पास राशन कार्ड नहीं है वो भी लाभान्वित होंगे. यही ही नहीं कोरोना की विषम परिस्थितिओं को ध्यान में रखकर अबतक लगभग 1.56 लाख नए राशन कार्ड भी बनाये गए ताकि मजदूर नरेगा श्रमिक तथा अन्य जरूरतमंद को राशन मिल सके। 15 से 26 अप्रैल तक प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत कुल 3.55 करोड़ लाभार्थी परिवारों में से 3.2 करोड़ कार्ड धारकों के 13.31 करोड़ लोगों को 6.65 लाख मीट्रिक टन नि:शुल्क चावल वितरण हो चुका है, जो अब तक के कुल लक्ष्य का 93.73 प्रतिशत रहा। साथ ही समाज कल्याण विभाग द्वारा अन्त्योदय कार्ड धारक, निराश्रित वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यंगजन पेंशन, कुष्ठावस्था पेंशन 3 महीने के लिए एडवांस में दी गई है। पहले से ही, नगर विकास विभाग द्वारा चिन्हित दैनिक रूप से कार्य करके जीवनयापन करने वाले स्ट्रीट वेंडर को सहायता स्वरुप 1000 रुपये की धनराशि डी.बी.टी के माध्यम से उनके बैंक खाते में हस्तांतरित किया गया। इसी क्रम में योगी सरकार के द्वारा श्रमिक भरण पोषण योजना की शुरुआत की गई। प्रदेश सरकार के द्वारा निर्माण कार्यों से जुड़े 14.75 लाख श्रमिक, नगरीय क्षेत्र के 6.90 लाख श्रमिक एवं ग्रामीण क्षेत्र के 5.11 लाख निराश्रित व्यक्तिओं को 1000 प्रति व्यक्ति के आधार पर अद्यतन कुल 284.34 करोड़ वितरित किया गया है। साथ ही साथ एकीकृत आपदा नियंत्रण केंद्र स्थापित किया गया जो बैक-बोन के रूप में कार्य करेगा।

लॉकडाउन में कृषकों की चिंता को देखते हुए योगी सरकार हार्वेस्टिंग के लिए आवागमन में असुविधा न हो इसके लिए स्थानीय प्रशासन नियमों में सरलीकरण, फसलों के प्रोक्योरमेंट तथा मंडी की व्यवस्था तथा फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उनकी खरीदारी भी शुरू कर चुकी है. मुख्यमंत्री जी की 11 टीम में से एक टीम जो कृषि उत्पादन आयुक्त कि अध्यक्षता में कार्य कर रही है अद्यतन फल एवं सब्जी की डिलिबरी हेतु 14198 मोबाईल/वैन/ई-रिक्शा/ट्रेक्टर तथा 29898ठेला/गाड़ी मैनुअल चालित कुल 44096 वाहनों का प्रयोग कर फल एवं सब्जी का वितरण किया गया है. वही गेंहू खरीद हेतु सरकार द्वारा 5372 क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं साथ ही साथ मुनाफाखोरी, जमाखोरी, कालाबाजारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई और वस्तुओं की आपूर्ति न होने पर डी.एम को इस संबंध में प्रभावी वैकल्पिक प्रबंध का आदेश भी दिया गया।

प्रदेश में कुशल एवं प्रभावी शासन व्यवस्था, कानून व नियमों के निर्माण के साथ-साथ उसे प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। कानून व्यवस्था पर सरकार जीरो टालरेंस की नीति अपनाए हुए है इसका श्रेष्ठ उदहारण मुरादाबाद केस में आपदा प्रबंधन अधिनियम, राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत उपद्रवियों को जेल भी भेजा गया जिसमे महिलाएं भी शामिल रही। यहां तक कि डोर-टू-डोर जांच प्रक्रिया में सक्रियता न दिखने, जरुरतमंदों की समस्याओं का शीघ्र निस्तारण न किये जाने तथा हॉटस्पॉट इलाके में कोरोना संदिग्ध मिलने पर न केवल थाना प्रभारियों बल्कि प्रत्येक जनपद के जिला अधिकारिओं की भी जवाबदेही तय की गई। इतना ही नहीं लॉकडाउन व्यवस्था हेतु समिति का गठन कर समीक्षा की जा रही है। योगी आदित्यनाथ ने कोरोना संकट के संघर्ष को स्वच्छता, स्व-अनुशासन, सोशल-डिस्टेंसिंग व सहयोग के द्वारा जन भागीदारी से जोड़कर इसे आन्दोलन और मानवता के समर के रूप में स्थापित कर दिया है। अंत में, शिक्षा के क्षेत्र में भी जहां शैक्षणिक गतिविधियों को सुदृढ़ और प्रभावी बनाते हुए उच्च शिक्षा, प्राविधिक, व्यावसायिक, चिकित्सा नर्सिंग, पैरामेडिकल शिक्षा की आनलाइन पढाई भी शुरू किया गया वही प्रदेश जो छात्र कोटा राजस्थान में रह कर अध्यन कर रहे थे उनको घर पहुंचाया गया साथ ही साथ प्रयागराज में अध्यनरत छात्रों को 300 बसें उपलब्ध कराकर उनके जनपद सुरक्षित पहुचाया जाएगा।

समस्याओं के बावजूद योगी सरकार चुनौतियों को अवसरों के रूप में बदलने का कार्य रही है तथा समस्या की चर्चा नहीं बल्कि समाधान पर बल दे रही है। उत्तर प्रदेश सरकार प्रशासन को निरंतर जनोन्मुख बनाते हुए उच्चस्तरीय शुचिता का समावेश कर सुशासन को न केवल स्थापित करने का प्रयास कर रही बल्कि इसके लक्ष्यों को प्राप्त भी कर रही है और यही प्रयास योगी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है.

ग्रामीण भारत को कोरोना से बचाने की रणनीति

> “यह स्पष्ट है कि ग्रामीण भारत के लिए एक सफल रणनीति महामारी से निबटने के मामले में दूर तक जाएगी। हालांकि, उनके कारगर होने के लिए समाधान सावयवी तथा समुदायिक आधारित होने चाहिए।”

कल्याणी शंकर
(लेखिका राजनीतिक टिप्पणीकार एवं स्तम्भकार हैं)

जबकि हम 3 मई को लाकडाउन खत्म होने के निकट पहुंच रहे हैं, संकेत मिल रहे हैं कि निष्कासन की रणनीति संभावित रूप से लड़खड़ाती नजर आती है क्योंकि सरकार कोरोनावायरस को देश भर में फैलने से रोकने का प्रयास कर रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने संकेत दिया है कि कोविड-19 रणनीति जारी रहेगी। यह रणनीति है : खोजना, परीक्षण करना, एकांत में रखना एवं उपचार करना।

यद्यपि यह सत्य है कि हमारे गांवों में अभी तक कोरोना संक्रमण के ज्यादा मामले नहीं आए हैं, लेकिन यदि वायरस ग्रामीण भारत में फैलता है, तो क्या हमारी सार्वजनिक स्वास्थ्सरक्षा प्रणाली उससे निबटने में सफल हो सकती है? क्या ऐसी स्थिति के लिए कोई आकस्मिक योजना है?

अभी तो लगता है सरकार इस पर निर्भर है कि कोविड-19 ग्रामीण भारत में नहीं पहुंचा है। उसे उम्मीद है कि लाखों प्रवासी मजदूर जो 25 मार्च को प्रारम्भ होने वाले देशव्यापी लाकडाउन के बाद अपने घरों को वापस लौट गए थे वे संक्रमित नहीं हुए अथवा संक्रमण के वाहक नहीं हैं। ऐसा दो कारणों से है, कहना है कि डॉ वर्धन का। उन्होंने इस स्तम्भकार से बातचीत के दौरान बताया, “व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि ये श्रमिक इस बीमारी के वाहकों के संपर्क में कभी आए ही नहीं होंगे। कोरोनावायरस का भारत आगमन अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के साथ हुआ था और, इसलिए, अधिकतर मामले शहरों में ही हुए हैं। दूसरा यह कि वे पहले से ही दो सप्ताह की क्वारेंटाइन अवधि पूर्ण कर चुके हैं। यदि वे संक्रमित होते तो अब तक पता चल गया होता।' ग्रामीण लोक जन भी सतर्क हो गए हैं और अजनबियों को आने गांवों में प्रवेश नहीं करने देते हैं। वे लगातार नजर रखे हुए हैं। इस वायरस तथा इसके फैलने को लेकर जागरूकता बढ़ गई है क्योंकि 115 करोड़ फोन उपभोक्ताओं को अपने मोबाइन फोनों के द्वारा जानकारी मिलती है।

राज्य अधिकारियों ने ग्राम परिषदों को बताया है कि वे शहरों से लौटकर आने वाले श्रमिकों को गांव में प्रवेश करने अथवा लोगों से मिलने से रोकें क्योंकि उनके भी कोरोनावारस से संक्रमित होने का भय है। इन सभी सावधानियों के आलोक में, मंत्री कोरोना के गांवों में पावं पसारने पर आने वाले चुनौतियों से निबटने कोलेकर आश्वस्त हैं। मंत्री आश्वस्त करते हैं कि, “पैसा कोई मुद्दा नहीं है। हमने राज्यों को 4,000 करोड़ रुपए दिए हैं। हम उन्हें परीक्षण किटों की आपूर्ति कर रहे हैं। हम और बहुत कुछ कर सकते हैं।” हालांकि, आंकड़े दर्शाते हैं कि यद्यपि नगर निवासियों के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के साथ निकटता के कारण जोखिम अधिक है, ग्रामीण लोक जन अधिक मजबूत होते हैं क्योंकि वे स्वास्थ्यरक्षा तक पहुंच के अभाव, निम्न बीमा सुविधा एवं बढ़ते असाध्य रोगों के बोझ समेत बहुत सी चुनौतियों का सामना करते हैं।

भारत की लगभग दो तिहाई जनसंख्या गांवों में रहती है, हमें उनकी स्वास्थ्यरक्षा आवश्यकताओं की देखभाल के लिए भिन्न प्रकार की रणनीति अपनाने की आवश्यकता है, खासकर इसलिए क्योंकि महामारी का खतरा हमारे सिर पर मंडरा रहा है। प्राथमिकता के तौर पर, ग्रामीण स्वास्थ्यरक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने की आवश्यकता है।

नेशनल हेल्थ प्रोफाइल 2019 में प्रकाशित स्वास्थ्य ढांचे में पाया गया कि यदि वायरस 0.3 प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या को चपेट में ले लेता है तो सरकारी अस्पतालों में बिस्तर कम पड़ जाएंगे। ग्रामीण भारत में मरीजों के उपचार का बोझ राष्ट्रीय औसत का दोगुना है। जबकि देश में प्रत्येक 10,000 लोगों पर एक डॉक्टर उपलब्ध है, ग्रामीण भारत में 26,000 लोगों पर एक डॉक्टर का औसत है।

स्वास्थ्य एवं साफ सफाई पर सरकार के दिशा निर्देशों को लागू करने में व्यावहारिक समस्याएं भी हैं। उदाहरण के लिए, ग्रामीण जनों को लगता है कि वे सीमित स्थान में सामाजिक दूरी कैसे कायम कर सकते हैं? खेतों में काम करते समय अथवा घरों में मौजूद रहने के दौरान वे कैसे बार-बार हाथ धोएं जब साबुन अथवा निरंतर जलापूर्ति की सुविधा नहीं होती? उन्हें लगता है कि वे मास्क कैसे खरीदें जब उनके पास पर्याप्त पैसा नहीं है? बीमारी फैलने के दौरान उन्हें उचित स्वास्थ्यरक्षा देखभाल कैसे मिल सकती है जब निकट में पर्याप्त संख्या में सरकारी अस्पताल नहीं होते? उपभोग, जीवन की गुणवत्ता एवं भौतिक एवं सामाजिक अवसंरचना की उपलब्धता के मामले में व्याप्त असमानताएं नगर-ग्राम विभाजन को दर्शाती हैं।

केंद्र सरकार ने 26 मार्च को प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण के लिए 1.7 खरब के वित्तीय पैकेज की घोषणा की थी और उसके बाद मुफ्त भोजन की व्यवस्था भी की जाएगी। लेकिन यह राशि भारत के सकल घरेलू उत्पाद की मात्र 1 प्रतिशत है। आवश्यकता है कि ग्रामीण भारत के लिए उपयुक्त राणनीति की। एक समावेशी आर्थिक वृद्धि के लिए, कृषिक अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित किए जाने की आवश्यकता है। दूसरे, पंचायतों का इस्तेमाल कोविड-19 के विरुद्ध संघर्ष तथा आर्थिक सेहत सुधार के लिए किया जाना चाहिए। इसकी आवश्यकता को महसूस करके, पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं ग्राम पंचायतों को संबोधित किया और उनकी मदद मांगी। इसी तरह, उनके महत्व को महसूस करते हुए, ओडिसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बुद्धमानीपूर्ण ढंग से कदम उठाते हुए जिला कलेक्टरों की शक्ति सरपंचों में निहित कर दी है।

केरल में, स्थानीय निकायों का उनका संजाल एवं महिला सशक्तीकरण कार्यक्रम कुटंबश्री ने कोरोनावायरस के विरुद्ध संघर्ष को समुदाय के स्तर तक लाने का काम किया है। ग्राम पंचायतें गांवों के लिए विशिष्ट समस्याओं से निबटने के मामले में इंजन का काम कर सकती हैं। यह स्पष्ट है कि ग्रामीण भारत के लिए एक सफल रणनीति महामारी से निबटने के मामले में दूर तक जाएगी। हालांकि, उनके कारगर होने के लिए समाधान सावयवी तथा सामुदायिक आधारित होने चाहिए। और लड़ाई दो मोर्चों पर लड़ी जानी चाहिए - स्वास्थ्यरक्षा के साथ-साथ आर्थिक मोर्चे पर भी।

आप की बात

3 मई के बाद क्या?

लॉकडाउन खत्म होने का इंतज़ार पूरा देश कर रहा है। जैसे-जैसे 3 मई करीब आ रही है वैसे ही मन में कौतुहल भी बढ़ती जा रही है कि क्या 3 मई को लॉकडाउन खत्म होगा या नहीं? भारत में कोरोना वायरस के 30 हज़ार से अधिक मामले आ चुकें हैं और लगातार बढ़ते जा रहें हैं। तो जिस प्रकार से भारत की वर्तमान स्थिति है उसे देख कर तो यही अनुमान है कि लॉकडाउन बढ़ने के आसार हैं और जहां कोरोना पीड़ितों का मामला कम है वहां चरणबद्ध तरीके लॉकडाउन खोला जाएगा। मगर लोग सोच रहे हैं कि 3 मई के बाद टहलना , घूमना-फिरना , बाहर का भोजन करना इत्यादि फिर से शुरू कर देंगे। लेकिन जनता को समझना होगा की कोरोना वायरस एक छुआछूत की बीमारी है। अगर जरा सी लापरवाही हुई जिंदगी दांव पर लग सकती है। ऐसे में जहां लॉकडाउन नहीं हटेगा वहां पर लोगों को लॉकडाउन का पालन करके लोगों को कोरोना से लड़ना होगा और जहां छूट दी जायगी वहां पर लोगों दो गज की दूरी बनाए रखनी होगी और मास्क लगा कर चलना होगा। इसके अलावा जब बेहद ही ज़रूरी काम हो तभी घर से बाहर निकलना होगा। तो 3 मई के बाद सतर्कता और बरतनी होगी साथ ही ध्यान रखना होगा।

– **यशस्वी सिंह,** प्रयागराज

निजी डाटा की सुरक्षा

एक तो विश्व पहले ही करोना संक्रमण से जूझ रहा है। वहीं आतंकवादी गतिविधियों के लिए विश्व विख्यात पाकिस्तान ने आरोग्य सेतु ऐप का डुप्लीकेट बनाकर एक नई साजिश रचने की कोशिश की है। जिसके पीछे एक बहुत बड़ी साजिश बताई जा रही है ।जानकारी के अनुसार पाकिस्तान तमाम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए भारतीय जवानों को व्हाट्सएप के जरिए एक लिंक भेज रहा है कि वह आरोप सेतु को डाउनलोड करें, जानकारी के अनुसार लिंक डाउनलोड होते ही वह तमाम जानकारियां उसके पास आ जाएगी जो वह हासिल करना चाहता है । इसको लेकर भारतीय सुरक्षा एजेंसिया सतर्क हो गयी है। सेना को इस खतरे से अवगत कराकर सतर्कता बरतने के निर्देश दिए है। भारत मे आरोग्य सेतु ऐप ब्लूटूथ तकनीक और जीपीएस के जरिये आपकीं मौजूदा लोकेशन का इस्तेमाल करने के बाद ही ये ट्रैक कर सकता है कि कही आप किसी कोरोना संक्रमित मरीज या कोरोना संक्रमण के शक वाले मरीज के पास तो नही है। वही भारत सरकार का कहना है कि आरोग्य सेतु ऐप कोरोना संक्रमित लोगों और होम क्वारटींन पर रखें लोगों की नजर रखी जा रही हैं। यह ऐप यूजर्स के निजता की सुरक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

– **योगेंद्र गौतम,** उन्नाव

प्रवासियों का पलायन

गांव-देहात से शहर और शहरों से महानगरों में होने वाले पलायन को अधिकांश राज्य सरकारों द्वारा लगातार संवेदनहीनता दिखाते हुए नज़रंदाज़ किया जाता रहा है। वस्तुत, कुछेक राज्यों द्वारा तो परोक्ष रूप से इसे प्रोत्साहित भी किया जाना पाया गया। कोरोना की वर्तमान स्थितियों में अचानक इन्ही राज्यों द्वारा अपने प्रवासी मज़दूरों व कामगारों के प्रति सहानुभूति का प्रदर्शन अचंभित करता है। भारत आज भी एक कृषि प्रधान देश है, परन्तु सरकारों द्वारा नीतियां व योजनाएं बनाते समय कृषक वर्ग की लगातार उपेक्षा किए जाने का ही परिणाम है कि, गांव से शहर और शहर से महानगरों को पलायन वर्षों से लगातार जारी है। और आज की परिस्थितियों में करोड़ों की संख्या में ऐसे प्रवासियों को वापिस उनके गांव घरों में पहुचां पाना शासन प्रशासन के लिए चुनौती बना हुआ है और प्रवासियों में असंतोष भी बढ़ता जा रहा है। कारोंना महामारी से उभरने के बाद, सरकारों को एक सबक यह भी लेना पड़ेगा, कि इस तरह के पलायन को रोकने हेतु क्या बेहतर कदम उठाए जाने चाहिए।

– **आदित्य अवस्थी,** मोती नगर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

चीन में मौजूदा स्थितियों एवं वहां जनता में व्याप्त आक्रोश को देखते हुए निश्चित रूप से भारत के लिए अवसर आने वाला है।
– **रविशंकर प्रसाद**
केंद्रीय मंत्री

उग्रवादीकरण का जोखिम बढ़ सकता है क्योंकि अतिवादी समूह नौजवानों की हताशा व आक्रोश का लाभ उठाने का प्रयास करते हैं। विश्व कोविड-19 के कारण एक पीढ़ी का खोना सहन नहीं कर सकता।
– **एंटोनियो गुटरेस**
संरा महासचिव

मैं कोरोना महामारी के कारण चुनाव की तिथि बदलने की बात भी नहीं सोच सकता। मैं ऐसा क्यों करूं। 3 नवंबर अच्छी संख्या है।
– **डोनाल्ड ट्रंप**
अमेरिकी राष्ट्रपति

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 30 अप्रैल, 2020

चरणबद्ध तरीके से खोला जाए लॉक डाउन

स्वतंत्र प्रभार और राज्यमंत्रियों के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की बैठक, मांगे सुझाव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोकभवन में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार और फिर राज्यमंत्रियों के साथ लोकभवन में लाकडाउन की लेकर बैठक की, दो चरणों में हुई इस बैठक में मंत्रियों ने अपने-अपने क्षेत्र को लेकर किए गए काम का ब्यौरा रखा तथा लाकडाउन को खोले जाने का सुझाव भी दिया। योगी ने मंगलवार को कैबिनेट मंत्रियों के साथ बैठक की थी जिसमें मंत्रियों ने भी अपनी-अपनी राय दी थी।

सूत्रों की मानें तो पहले योगी ने राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार के साथ और फिर राज्यमंत्री तथा जिलों के प्रभारी मंत्रियों के साथ इस पर बैठक की । बैठक में योगी ने पहले अपनी बात रखी जिसमें उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा अब तक किए गए कार्यो को

लेकर बात रखी तथा आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

बैठक में मुख्यत: तीन बिन्दु ही चर्चा में रहे जिसमें लाकडाउन कैसे खोला जाए, इंडस्ट्री कैसे फिर से चालू की जाए और मंत्री अपने जिलों की समीक्षा करते रहे। इस बैठक में सभी मंत्रियों की इस बात पर आम राय थी कि लाकडाउन को स्टेप बाई स्टेप खोला जाए। रेड जोन को अभी न खोला जाए बल्कि अन्य ग्रीन जोन को खोलने के लिए धीरे-धीरे लाकडाउन खोला जाए। एक मंत्री ने कहा कि दुकानों को अलग-अलग श्रेणी में बांट दिया जाए जिसमें हलवाई की दुकानें, जूते, कपड़े की दुकानें या अन्य दुकानों को वर्गीकृत कर लिया जाए। इसके बाद इन दुकानों को खोले जाने का समय निर्धारित किया जाए। हलवाई की दुकानें सुबह खोली जाएं और कपड़े या सामग्री की दुकानें दोपहर में खोली जाए। एक अन्य मंत्री ने कहा कि इंडस्ट्री जल्द शुरू की जाए क्योंकि इंडस्ट्रलिस्टों को काफी दबाव हो रहा है कि सरकार जल्द से जल्द उद्योग धंधों को शुरु करें। बैठक में परिवहन विभाग द्वारा अन्य प्रदेशों से लाए गए साढ़े 6 लाख कामगारों को लेकर की गई कार्रवाई पर प्रशंसा व्यक्त की गई साथ ही इस बात को लेकर मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया गया कि इन सभी कामगारों में से कोई संक्रमित नहीं था। एक मंत्री ने अस्पतालों की ओपीडी जल्द शुरु करने के लिए अपना सुझाव दिया। एक मंत्री का कहना था कि अभी संक्रमण का खतरा बरकरार है। इसलिए लाकडाउन का सख्ती से पालन करवाते हुए उसे आगे बढ़ाया जाना चाहिए। कम से कम रमजान के महीने तक तो रहना ही चाहिए ताकि एकदम से भीड़ न निकल पड़े। मंत्रियों ने हाटस्पाट छोड़कर कारोबार के नजरिए से जरूरी गतिविधियों को धीरे-धीरे शुरू करने के पक्ष में अपनी बात रखी। इसके बाद वह एक मत स्थिर कर केंद्र सरकार को तीन मई से पहले अवगत कराएंगे कि कैसे व कहां-कहां किस तरह की ढील दी जा सकती है।

सीएम ने अयोध्या में हुई बस दुर्घटना का संज्ञान लिया

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज से प्रतियोगी छात्रों को कुशीनगर लेकर जा रही बस की जनपद अयोध्या में हुई दुर्घटना का संज्ञान लिया है। उन्होंने जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को घायलों का इलाज कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होने सभी छात्रों को सुरक्षित घर भेजने के निर्देश दिए। इसके बाद जिलाधिकारी अमित कुमार झा एसएसपी आशीष तिवारी व अन्य अधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे आऔर छात्र-छात्राओं का हाल लिया। 10 छात्र छात्राओं समेत 12 लोग जिला अस्पताल में भर्ती हैं। कम घायल 15 छात्रों को जिला अस्पताल से बस द्वारा कुशीनगर रवाना कर दिया गया। परिवहन निगम के एमडी राजशेखर ने बताया कि यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना आज सुबह लगभग 4 बजे हुई। करीब 25 छात्रों को लेकर यूपीएसआरटीसी की एक बस प्रयागराज से कुशीनगर जा रही थी। बस एक चलते हुए ट्रक से उस समय अचानक टकरा गई जब ट्रक चालक ने अचालन ब्रेक लगा दिया।

एक भी केस न मिलने वाले 17 जिलों में स्वास्थ्य सेवाएं बहाल करने के निर्देश

● सबसे अधिक प्रभावित 18 जिलों में अभी निलंबित रहेंगी सेवाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोविड 19 के चलते सरकारी अस्पतालों में स्थगित की गई सेवाओं को लेकर स्वास्थ्य विभाग शुरू करने की तैयारी में है। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने एक आदेश जारी कर प्रदेश के 17 जिलों में जहाँ कोई केस दर्ज नहीं हुए हैं वहां पर इन सेवाओं को पूर्व की भांति बहाल किए जाने के निर्देश दिए हैं।

प्रमुख सचिव के स्तर से जारी आदेश में कहा गया है कि भविष्य में कोरोना को लेकर जिन जिलों में स्थितियां बदलती हैं वहां पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी अपने हिसाब से सेवाओं को बहाल करने और निलंबित करने का निर्णय लेंगे। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने स्वास्थ्य विभाग के आला अफसरों के साथ ही जिलाधिकारियों को पत्र भेजकर कहा है कि कोविड .19 को देखते हुए मातृ व नवजात संबंधी जो आवश्यक सामुदायिक आउटरीच सेवाएं स्थगित करनी पड़ीं थीं, उन्हें सामान्य स्थिति वाले स्थानों पर बहाल किया जाए। लखनऊ-आगरा समेत प्रदेश के उन 18 जिलों में अभी यह सेवाएं निलंबित रहेंगी जहाँ पर कोरोना के चलते स्थिति गंभीर है। इसके अलावा 40 जिलों के केवल उन क्षेत्रों में यह सेवाएं नहीं शुरू हो पाएंगी, जहाँ पर कोरोना के केस पाए गए हैं। इसके साथ ही ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस के आयोजन को लेकर भी कई जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इनके मुताबिक सत्र आयोजन से पूर्व आशा कार्यकर्ता उन गर्भवती की सूची तैयार करेंगी जिनमें कोरोना के कोई लक्षण जैसे सर्दी, खांसी, बुखार और सांस फूलना आदि नजर आते हैं। यह सूची वह प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को सत्र आयोजन से पहले मुहैया कराएंगी। इसके साथ ही सत्र के दौरान सोशल डिस्टेंशिंग, मास्क पहनने, साबुन से हाथ धोने और संक्रमण रोकथाम सम्बन्धी निर्देशों का कड़ाई से पालन करना होगा। आशा कार्यकर्ता द्वारा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर भी सेवाएं लेने के लिए गर्भवती को सोशल डिस्टेंशिंग का पालन करते हुए जाने के लिए प्रेरित किया जाए। सत्र आयोजन स्थल को ब्लीचिंग पाउडर के घोल से कीटाणुरहित किया जाए। यदि वीएचएनडी स्थल को क्वेरेंटाइन सेंटर के रूप में प्रयोग किया जा रहा है तो सत्र के लिए अन्य स्थल का चयन किया जाए और उसकी सूचना भी लाभार्थियों और एएनएम तक पहुँचाना सुनिश्चित किया जाए। सत्र के दौरान एएनएम द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले उपकरणों को भी सेनेटाइजर से अच्छी तरह से विसंक्रमित करने के बाद ही इस्तेमाल किया जाए।

लापरवाह, भ्रष्ट अधिकारियों व कर्मचारियों बख्शा नहीं जाएगा

● ग्राम्य विकास मंत्री मोती सिंह ने ऑनलाइन ट्रांसफर व्यवस्था के तहत प्रोन्नत किए गए 111 सहायक विकास अधिकारियों को जनपद का आवंटन किया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ग्राम्य विकास मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह (मोती सिंह) ने कहा कि प्रदेश सरकार ईमानदार व कर्मठ अधिकारियों व कर्मचारियों का पूरा सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि लापरवाह व भ्रष्ट अधिकारियों व कर्मचारियों बख्शा नहीं जाएगा। ग्राम्य विकास मंत्री ने यह बात बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में पारदर्शी ऑनलाइन ट्रांसफर व्यवस्था के तहत नव प्रोन्नत किए गए कुल 111 सहायक विकास अधिकारियों तथा 24 सहायक विकास अधिकारियों को जनपद का आवंटन के दौरान कही । ग्राम्य विकास मंत्री ने बताया कि सहायक विकास अधिकारी के पद पर साफ्टवेयर के माध्यम से 59 को प्रथम वरियता, 15 को द्वितीय वरीयता, 12 को तृतीय वरीयता, 7 को चौथी वरीयता तथा 06 को पॉचवी वरीयता ऑनलाईन प्रदान की गयी। शेष 12 कार्मिकों की तैनाती रेण्डम के आधार पर कोई विकल्प न मिलने के कारण ऑनललाईन साफ्टवेयर के माध्यम से की गयी। इसी प्रकार सहायक विकास अधिकारी महिला वर्ग में साफ्टवेयर के माध्यम से 20 को प्रथम वरियता, 3 को द्वितीय वरीयता तथा 1 को तृतीय वरीयता वाले जनपद प्राप्त हुई है। नव प्रोन्नत किये गये 154 सहायक विकास अधिकारी में से 111 सहायक विकास अधिकारी द्वारा पदोन्नति के पद पर योगदान किया गया तथा शेष 43 कार्मिकों द्वारा अपनी पदोन्नति को फारगो कर दिया गया। 111 नव प्रोन्नत सहायक विकास अधिकारी की तैनाती जनपदों में किये जाने के सम्बन्ध में विभाग की पारदर्शी नीति के दृष्टिगत सम्बन्धित कार्मिकों से ऑनलाईन 05 विकल्प मांगे गये। इसी प्रकार चयन वर्ष 2019.20 में सहायक विकास अधिकारी ;महिलाद्ध की कुल 46 रिक्तियाँ उपलब्ध थीं जिसके सापेक्ष दिसम्बरए 2019 तक रिक्त 41 ग्राम विकास अधिकारी ;महिलाद्ध की सहायक विकास अधिकारी ;महिलाद्ध के पद पर पदोन्नति आदेश निर्गत किये गये थे।

उक्त नव प्रोन्नत किये गये 41 सहायक विकास अधिकारी (महिला) में से 24 सहायक विकास अधिकारी (महिला) द्वारा पदोन्नति के पद पर योगदान किया तथा शेष 17 कार्मिकों द्वारा अपनी पदोन्नति को फारगो कर दिया गया। 24 नव प्रोन्नत सहायक विकास अधिकारी (महिला) की तैनाती जनपदों में किये जाने के सम्बन्ध में पारदर्शिता के दृष्टिगत ऑनलाईन उनसे 05 विकल्प मांगे गये। इस अवसर पर प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास मनोज कुमार सिंह, ग्राम्य विकास आयुक्त के. रविन्द्र नायक व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अब तक 5176 क्रय केंद्रों पर पांच लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं खरीदा गया: शाही

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि ओलावृष्टि, अतिवृष्टि एवं अन्य दैवीय आपदा से किसानों को हुए नुकसान की भरपाई हेतु प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 4 लाख 92 हजार लाभार्थी किसानों को खरीफ 2019-20 में 558.40 करोड़ रुपये का भुगतान सुनिश्चित किया गया है। इसके अतिरिक्त रबी सीजन 2020 में मध्यावस्था एवं व्यक्तिगत क्षति के आधार पर प्राप्त 78917 किसानों के आवेदन के सापेक्ष 62097 किसानों का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण कराते हुए 3294 किसानों को कुल 3.36 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति का भुगतान किया जा चुका है।

कृषि मंत्री बुधवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में कृषि विभाग की योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 2 करोड 4 लाख 30 हजार लाभार्थी किसानों को 4080

करोड़ रुपए की धनराशि का भुगतान किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त 3.16 लाख सैंपल में से 2.75 लाख सैंपल के फसल कटाई प्रयोग कार्य पूर्ण कर लिया गया है, जो कुल कार्य का 85 प्रतिशत है। श्री शाही ने प्रदेश में गेहूँ खरीद के बारे में बताया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य 1925 रुपये प्रति कुंतल के आधार पर अब तक 5176 क्रय केंद्रों के माध्यम से 519082.50 मीटन गेहूँ की खरीद सुनिश्चित की गई है। साथ ही गेहूँ खरीद हेतु कुल देय धनराशि 999 करोड़ 92 लाख 40 हजार रुपये के सापेक्ष 200 करोड़ 92 लाख 40 हजार रुपये का भुगतान करते हुए 84548 किसानों को लाभान्वित किया गया है। उन्होंने बताया कि मंडी में अब तक 2.64 हजार मी टन गेहूँ की आवक हुई है।

रोजगार सृजन की ज्यादा से ज्यादा बनाई जाएं योजनाएं: केशव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लोक निर्माण विभाग, सेतु निगम व राजकीय निर्माण निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह ज्यादा से ज्यादा साइटों पर काम शुरू कराएं जिससे अधिक से अधिक मजदूरों को काम मिल सके। केशव प्रसाद मौर्य बुधवार को अपने आवास 7 कालिदास मार्ग पर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक मे विभिन्न परियोजनाओं पर शुरू किए गए कार्यों की समीक्षा कर रहे थे ।

उन्होंने कहा कि आगे बड़ी संख्या में श्रमिकों को रोजगार देना है इसलिए इसकी रूपरेखा व कार्य योजना विधिवत बनाई जाए तथा प्राथमिकता के आधार पर छोटे कामों को कराया जाए। उन्होंने कहा कि नवीनीकरण के कार्य युद्ध स्तर पर कराए जाएं। राजकीय निर्माण निगम की काफी परियोजनाओं पर कार्य शुरू कर दिया गया है और वहीं पर श्रमिक रह भी रहे हैं ।

श्री मौर्य ने कहा कि श्रमिकों को रोजी-रोटी उपलब्ध कराने में लोक निर्माण विभाग की अहम भूमिका हो सकती है और इस भूमिका का निर्वहन हम सबको मिलकर करना है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण सड़कों पर अधिक से अधिक फोकस करें। 10हजार किलोमीटर की सड़कों के नवीनकरण के कार्य स्वीकृत हैं, यह कार्य कराये जांए। रोजगार सृजन में कोई अड़चन न आने पाए इसके लिए सारी व्यवस्थाएं की जांए। साइटों पर सैनिटाइजर, साबुन, पानी आदि की व्यवस्था करते हुए श्रमिको का टेंपरेचर नापा जाए तथा सोशल डिस्टेंसिग बनाए रखने के हर संभव प्रयास किए जाएं । उन्होंने कहा कि जो भी कार्य कराए जा रहे हैं उनकी फोटो व वीडियो क्लिप बनाकर भेजी जाएं ।

उन्होने निर्देश दिए कि अधिकारी लगातार निरीक्षण करें और यह देखते रहें कि सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन हर हाल में निर्माण कार्यों में सुनिश्चित किया जाए। बैठक में सचिव लोक निर्माण विभाग रंजन कुमार सचिव लोक निर्माण विभाग समीर वर्मा, विभागाध्यक्ष लोक निर्माण विभाग राजीव रतन सिंह, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम के प्रबंध निदेशक यू के गहलौत, सेतु निगम के प्रभारी प्रबंध निदेशक एके श्रीवास्तव, प्रमुख अभियंता एसके श्रीवास्तव, प्रमुख अभियंता राजपाल सिंह, मुख्य अभियंता एसके गोयल व इंजीनियर संजय श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नए कानून से स्वास्थ्य कर्मियों के मनोबल में होगी वृद्धि: अवनीश

● हमला करने वालों पर अब हो सकेगी कड़ी कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी ने कहा है कि प्रदेश में महामारी रोग अधिनियम में संशोधन के लिए लाए गए अध्यादेश के प्रदेश में लागू हो जाने के बाद अब कोविड.19 के इलाज में लगे स्वास्थ्य कर्मियों पर हमला करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सकेगी। इस नए कानून से स्वास्थ्य कर्मियों के मनोबल में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों के साथ-साथ अन्य कोरोना वॉरियर्स यथा स्वच्छता कर्मी, पुलिस कर्मी एवं राज्य सरकार द्वारा कोविड.19 से लड़ने के लिए नामित अन्य कार्मिकों को हर हाल में सुरक्षा प्रदान की जाए। इस सम्बन्ध में प्रदेश सरकार शीघ्र ही एक अध्यादेश लाएगी। अवस्थी ने बताया कि कोरोना वायरस के दृष्टिगत प्रदेश में लॉकडाउन अवधि में पुलिस विभाग द्वारा की गयी कार्रवाई में अब तक धारा 188 के तहत 33094 लोगों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज की गई। प्रदेश में अब तक 2726242 वाहनों की सघन चेकिंग में 33071 वाहन सीज किये गये।

चेकिंग अभियान के दौरान 131879832 रूपए का शमन शुल्क वसूल किया गया। आवश्यक सेवाओं हेतु कुल 188663 वाहनों के परमिट जारी किये गये हैं। उन्होंने बताया कि कालाबाजारी एवं जमाखोरी करने वाले 720 लोगों के खिलाफ 566 एफआईआर दर्ज करते हुए 260 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 381 हॉटस्पॉट क्षेत्र के 259 थानान्तर्गत 728332 मकान चिन्हित किये गये। इनमें 4188285 लोगों को चिन्हित किया गया है। इन हॉटस्पॉट क्षेत्रों में कोरोना पॉजिटिव पाये गये लोगों की संख्या 1619 है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार फेक न्यूज पर कड़ाई से नजर रख रही है। फेक न्यूज के तहत अब तक 613 मामलों का संज्ञान में लेते हुए साइबर सेल को सूचित किया गया है। अवस्थी ने बताया कि कम्युनिटी सर्विलांस के कार्यों में युवा वॉलेन्टियर्स विशेष रूप से युवक मंगल दल, नेहरू युवा केन्द्र, एनसीसी तथा एनएसएस के सदस्यों की सेवाएं लिए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

ईंट, बालू-मौरंग के ट्रक न रोके पुलिस प्रशासन

● अपर मुख्य सचिव गृह ने सभी डीएम व एसपी को जारी किए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अपर मुख्य सचिव गृह ने समस्त मण्डलायुक्तों, पुलिस आयुक्तों गौतमबुद्धनगर व लखनऊ एवं समस्त जिलाधिकारियों,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों एवं पुलिस अधीक्षकों को निर्माण कार्य के लिए आवश्यक सामग्री यथा ईंट, बालू, मौरंग, सरिया तथा सीमेंट आदि के परिवहन को न रोके जाने के निर्देश दिए हैं। अवस्थी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में ईंट-भट्टों का संचालन शुरू हो गया है परन्तु भट्टों से ईंटों को ले जाने में पुलिस-प्रशासन द्वारा उनको रोका जा रहा है। उन्होंने जनहित में ईंट-भट्ठा संचालन में परिवहन, ईंट ब्रिकी परिवहन को पुलिस व प्रशासन द्वारा न रोके जाने के निर्देश दिए है। जारी निर्देशों में उन्होंने यह भी कहा है कि निर्माण कार्य हेतु आवश्यक सामग्री यथा ईंट,बालू, मौरंग, सरिया तथा सीमेंट आदि की दुकानों को ग्रीन जोन में एवं ग्रामीण क्षेत्र में तथा हॉटस्पाट क्षेत्र से दूर यथा आवश्यक ऐसी दुकानों को जिला प्रशासन की अनुमति के आधार पर खोला जाए।

राज्यपाल ने फिल्म अभिनेता इरफान खान के निधन पर जताया दुख

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रख्यात फिल्म अभिनेता इरफान खान के असामयिक निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। अपने शोक संदेश में राज्यपाल ने कहा कि इरफान खान का इतनी जल्दी दुनिया को अलविदा कह देने से न केवल फिल्म जगत को अपूरणीय क्षति हुई है बल्कि उनकी उत्कृष्ट अभिनय क्षमता से सिनेदर्शकों को भी वंचित होना पड़ा है। उन्होंने अपने सशक्त अभिनय से दर्शकों पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

मायावती ने भी व्यक्त किया शोक

लखनऊ। बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड में अपनी पहचान दर्ज करा चुके अभिनेता इरफान खान की बुधवार को हुई मौत को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने दुख जताया है। बसपा सुप्रीमो ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्विटर पर ट्वीट करते हुए लिखा कि बॉलीवुड व हॉलीवुड में भी अपनी छाप छोड़ने वाले सदाबहार अभिनेता इरफान खान का मात्र 54 साल की उम्र में ही निधन की खबर अति.दु:खद। अपने अभिनय से हर वर्ग के दर्शकों को प्रभावित करने वाले इरफान के परिवार व देश-दुनिया में उनके फैन्स को कुदरत इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

नागरिकों के बजाए कोरोना संक्रमितों को लॉक डाउन किया जाए: प्रमोद तिवारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने तीन मई के बाद लॉक डाउन बढ़ाने के मुद्दे पर केंद्र सरकार को दिए अपने सुझाव

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने कहा है कि अब पूरे देश के नागरिकों को घरों में लॉकडाउन करने से बेहतर है कि 3 मई 2020 के बाद यदि लॉकडाउन बढ़ाने की मंशा हो तो नागरिकों को घर में बंद करने की जगह कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्तियों को लॉकडाउन किया जाए।

प्रमोद तिवारी ने बताया प्रधानमंत्री द्वारा उत्तर प्रदेश के प्रभारी बनाए गए केंद्रीय कैबिनेट मंत्री कौशल विकास एवं उद्यमिता डॉ महेंद्र पांडे ने प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से 3 मई के बाद लॉकडाउन के संदर्भ में उनके विचार जानने के लिए बीते मंगलवार को फोन किया था। तिवारी के अनुसार उन्होंने सलाह दी कि बीते इन 40 दिनों में कोरोना से प्रभावित काफी कुछ स्थल चिन्हित हो चुके हैं, जहां कोरोना से संक्रमित व्यक्ति मिले उस मोहल्लेए गांव अथवा पुरवे को पूरी तरह लॉकडाउन कर दिया जाए और संक्रमित मरीज को केन्द्र बिन्दु बनाकर उससे 500 मीटर या एक किमी की परिधि में आने वाली आबादी को या उस पुरवे, मोहल्ले अथवा गांव को सील करके बन्द कर दिया जाय और लॉकडाउन के साथ-साथ उस सीमित संक्रमित स्थल में पूरी तरह से कर्फ्यू लगा दिया जाए। संक्रमित क्षेत्र के मोहल्लेए पुरवे या गांव में सघन टेस्टिंग करायी जाय तथा उस क्षेत्र में फ्यूमीगेशन ओर सेनेटाइज कराया जाए । बाकी क्षेत्र में जो गांव, शहर या मोहल्ले है उनमें धारा 144 लगाकर उसका सख्ती से पालन किया जाए। प्रमोद तिवारी ने कहा है कि ये हम सबके राजनैतिक और सामाजिक सुझाव हैं।

सीएम को पत्र लिखकर लल्लू ने की प्रशिक्षु चिकित्सकों का मानदेय बढ़ाने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर प्रशिक्षु चिकित्सकों का मानदेय बढ़ाए जाने की मांग की है। लल्लू ने सवाल किया कि जब एमपी में प्रशिक्षु चिकित्सकों को हर महीने 45 हज़ार, असम में 35 हज़ार, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा में 17000 का मानदेय दिया जा सकता तो फिर उत्तर प्रदेश में प्रशिक्षु चिकित्सकों के साथ सौतेला व्यवहार क्यों किया जा रहा है। आखिर 250 रुपये प्रतिदिन में कैसे चलेगा प्रशिक्षु चिकित्सकों का गुजारा। यह बताते हुए कि 250 रुपये में तो दस किलो आलू भी नहीं खरीदा जा सकता। लल्लू ने कहा कि अगर जनता के दिए हुए टैक्स के पैसे से करोड़ों रुपए सीएम की सुरक्षा पर सालाना खर्च किए जा सकते हैं तो जनता का पैसा जनता को बचाने के लिए कोरोना से लड़ रहे योद्धाओं पर भी खर्च किया जाना चाहिए। लल्लू ने मांग की है कि प्रशिक्षु चिकित्सकों को प्रति महीने कम से कम 25 हज़ार मानदेय मिलना चाहिए। लल्लू ने कहा कि सूबे में कोरोना प्रभावित लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। सीएम योगी का गृह जिला गोरखपुर जो कि अभी तक कोरोना से अछूता था वहां भी अब इस महामारी ने दस्तक दे दी है। उन्होंने सवाल किया कि जब मुख्यमंत्री अपने गृह जिले को ही महामारी की चपेट से नहीं बचा पा रहे हैं तो फिर सूबे की हिफाजत कैसे करेंगे।

आंकड़ों में हेरफेर कर जनता को गुमराह किया जा रहा: अखिलेश

● दागदार कम्पनी को आक्सीजन सप्लाई का काम बांटने की तैयारी: सपा अध्यक्ष

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि कोरोना वायरस के फैलते संक्रमण के दौर में भी सत्ता से जुड़े भ्रष्ट तत्व अपनी जेबें भरने से बाज नहीं आ रहे हैं। शराब तस्करी में सत्तादल के नेताओं की संलिप्तता उजागर हो रही है। यह भी सच सामने आ रहा है कि कोरोना संकट से निबटने में लापरवाही भी बरती जा रही है और आंकड़ों में हेरफेर कर जनता को गुमराह किया जा रहा है। तमाम दावों के बावजूद गम्भीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को इलाज नहीं मिल पा रहा है। दूसरे राज्यों से लौट रहे श्रमिक विभिन्न स्थानों पर फंसे हैं। केन्द्र और राज्य की भाजपा सरकारों का काम सिर्फ जुमलों की राजनीति कर अपना स्वार्थसाधन करना रह गया है।

अखिलेश ने कहा कि लगातार दागदार कम्पनी को किसके कहने पर आक्सीजन सप्लाई का काम बांटने की तैयारी है। लखनऊ से मेरठ तक ब्लैक लिस्टेड कम्पनी को उसके

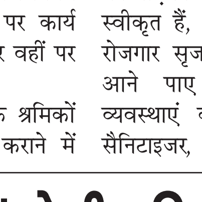

मुताबिक नियम बदलकर टेण्डर पास किए जाने की साजिश चल रही है। वाराणसी, गोण्डा, रामपुर, गाजीपुर, रायबरेली और सिद्धार्थनगर के जिला अस्पतालों में करवाए जा रहे कामों की भी शिकायतें आई हैं। गोण्डा जिला अस्पताल में मानकों के विपरीत आक्सीजन के उपकरण लगाए जा रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का लॉकडाउन में तो बुराहाल है। विगत 26 मार्च 2020 को टीबी मरीजों की जांच और दवाइयां सुनिश्चित करने वाला अपना आदेश भाजपा सरकार पूरा नहीं कर सकी है। दिल, किडनी, कैंसर, लिवर जैसी गम्भीर बीमारियों के मरीज भी भटक रहे हैं, रक्तचाप पीडितों को दवाएं नहीं मिल रही हैं। सरकारी अस्पताल, सामुदायिक केन्द्रों पर उन्हें कोई देखने वाला नहीं है। राजधानी में ही गम्भीर मरीजों का प्राईवेट इलाजए जांचों और दवाओं पर ज्यादा रकम खर्च करनी पड़ रही है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार को दूरदराज के राज्यों में काम करने वाले श्रमिकों की भी सुध लेनी चाहिए।

डीजीपी ने किया पुलिस कोरोना सहायता इकाई का गठन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● लगातार संक्रमित हो रहे पुलिसकर्मियों के बचाव के साथ ही परामर्श व मार्गदर्शन देगी इकाई

कोरोना के खिलाफ चल रहे युद्ध में अग्रिम पंक्ति पर ड्यूटी कर रहे पुलिस महकमे के योद्धाओं के लगातार संक्रमित होने से चिंतित डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी ने पुलिस कोरोना सहायता इकाई का गठन किया है। उल्लेखनीय है कि अभी तक प्रदेश के विभिन्न जिलों में करीब 2 दर्जन पुलिसकर्मी कोरोना की चपेट में आ चुके हैं।

डीजेपी हितेश चंद्र अवस्थी ने कहा है कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम एवं बचाव के लिए उत्तर प्रदेश के पुलिस कर्मी कोरोना योद्धा के रूप में चुनौतियों का सामना करते हुए अग्रिम पंक्ति में रहकर लॉकडाउन के अनुपालन के साथ ही आकस्मिक सेवाओं के संचालन, स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा एवं क्वारेंटाइन फैसिलिटी की निगरानी आदि ड्यूटी लगातार कर रहें हैं। कर्तव्यपालन के दौरान पुलिस के कुछ जवान भी कोरोना वायरस से संकमित हो रहें हैं। इसी को देखते हुए कोविड- 19 की रोकथाम एवं बचाव में कर्तव्यरत पुलिस कर्मियों के परामर्श एवं मार्गदर्शन के लिए पुलिस मुख्यालय पर पुलिस कोरोना सहायता इकाई बनायी गयी है ।

इस इकाई की नोडल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक साधना सिंह हैं। इस इकाई का मोबाइल नम्बर 9454400544 है। प्रदेश के कर्तव्यरत पुलिस कर्मियों द्वारा अपने व अपने पारिवारिक सदस्यों के स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत कठिनाइयों के निदान के सम्बन्ध में इस मोबाइल नम्बर पर अवगत कराया जा सकता है। यह इकाई इस विभीषिका के दौरान निर्देशित लॉकडाउन की अवधि में क्रियाशील रहेगी।

केरल के अति आत्मविश्वास के कारण दो जिलों में बढ़े मामले: मुरलीधरन

भाषा। तिरुवनंतपुरम

विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने आरोप लगाया कि वैश्विक महामारी कोविड-19 से निपटने के केरल के अति आत्मविश्वास के कारण इड्डुक्कि और कोट्टयम में कोरोना वायरस के मामले बढ़े हैं। उनकी इस टिप्पणी के जवाब में राज्य के मंत्री कडकम्पल्ली सुरेंद्रन ने पलटवार करते हुए कहा कि वह प्रधानमंत्री नेरन्द्र मोदी के गृह राज्य गुजरात का मुल्यांकन करने (जहां लगातार कोरोना वायरस के मामले बढ़ रहे हैं) और विभिन्न देशों में फंसे प्रवासियों को वापस लाने पर ध्यान केन्द्रित करें।

मुरलीधरन ने 28 अप्रैल को एक फेसबुक पोस्ट में कहा था कि इड्डुक्कि और कोट्टयम जिले को ग्रीन जोन घोषित करते समय केरल के पांव जमीन पर नहीं थे। उन्होंने लिखा था, कुछ घंटों बाद ही इन जिलों में नए मामले सामने आ गए। सरकार सतर्क होने की बजाय अपना गुणगान कर रही थी, जिसके चलते परेशानी में पड़ गई। पीआर गतिविधियों में लिप्त होने की बजाय उन्हें वैश्विक महामारी से निपटने पर ध्यान देना चाहिए।

केन्द्रीय मंत्री एवं भाजपा नेता की इन टिप्पणियों पर पलटवार करते हुए सुरेंद्रन ने उनसे दूसरे राज्य से केरल का मॉडल अपनाने की अपील करने को कहा। सुरेंद्रन ने कहा, गुजरात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गृह राज्य है और वहां लगातार कोविड-19 के मामले बढ़ रहे हैं। देश के अधिकतर शहर कोरोना वायरस से बुरी तरह प्रभावित हैं।

राष्ट्रीय राजधानी उनकी नाक के नीचे है। उनके पास जो वे करना चाहें उसका अधिकार है। तब भी वहां वायरस नियंत्रण के बाहर है। उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि अगर कोविड-19 से निपटने में केरल की ओर से कोई कमी रह भी गई है तो केन्द्रीय मंत्री सहित किसी को उन पर उंगली उठाने का अधिकार नहीं है।

इडुक्की का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि केरल के अधिकतर जिलों की सीमा अन्य राज्यों के साथ लगी है। केरल में वायरस से संक्रमित कई लोग अन्य राज्यों से आए हैं। उन्होंने पूछा, अहमदाबाद में कई मामले हैं। क्या इसलिए कि वहां लॉकडाउन नहीं है? उन्होंने कहा कि केन्द्रीय मंत्री वी. मुरलीधरन को ऐसी टिप्पणी करने से पहले वास्तविकता को समझना चाहिए।

केंद्र, राज्यों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की स्पर्धा चल रही : मोइली

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एम वीरप्पा मोइली ने बुधवार को कहा कि कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ लड़ाई, केंद्र और राज्यों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की स्पर्धा में बदलती जा रही है जिससे इस संकट से निपटने का प्रयास कमजोर होता जा रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि लॉकडाउन वायरस के संक्रमण का प्रसार रोकने के लिए एक अहम कदम जरूर है लेकिन यह कोविड-19 को खत्म करने वाला रचनात्मक कदम नहीं है। उन्होंने एक बयान में कहा कि भारत में कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई केंद्र और राज्यों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की स्पर्धा का रूप ले रही है। मोइली के मुताबिक, यह देखकर हैरानी होती है कि कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई पर केंद्रित ध्यान अब भंग हो चुका है। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री से यह सवाल भी किया कि क्या राज्य स्तर पर जांच की क्षमता का कोई सही आकलन किया गया है और जांच क्षमता को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

जबलपुर में जरूरतमंदों को बांटने के लिए मास्क बनाता हुआ एक परिवार

सुरेश एन पटेल ने सतर्कता आयुक्त के रूप में शपथ ग्रहण की

भाषा। नई दिल्ली

प्रख्यात बैंकर सुरेश एन पटेल ने भ्रष्टाचार रोधी निगरानी संस्था केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) में सतर्कता आयुक्त के रूप में बुधवार को शपथ ग्रहण की। अधिकारियों ने बताया कि पटेल को केंद्रीय सतर्कता आयुक्त संजय कोठारी ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिए पद की शपथ दिलाई। पटेल अभी अहमदाबाद में हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने इस साल फरवरी में इस पद के लिए पटेल के नाम की सिफारिश की थी। पटेल के पास बैंकिंग क्षेत्र में तीन दशक का अनुभव है। 2015 में आंध्रा बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में प्रभार संभालने से पहले ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स में कार्यकारी निदेशक के तौर पर सेवा दी थी।

कार्मिक मंत्रालय से जारी एक बयान के मुताबिक वह भारतीय बैंक परिसंघ के सदस्य, नाबार्ड में ग्रामीण विकास बैंकर संस्थान के सदस्य और ग्रामीण एवं उद्यमशीलता विकास बैंकर संस्थान के प्रमुख भी रहे हैं। पटेल (62) सीवीसी के बैंकिंग एवं वित्तीय धोखाधड़ी मामलों के सलाहकार बोर्ड के सदस्य थे। उन्होंने सतर्कता आयुक्त के रूप में अपना चयन होने पर बोर्ड से इस्तीफा दे दिया। सीवीसी में उनका कार्यकाल दो साल से अधिक होगा और यह दिसंबर 2022 तक होगा। सतर्कता आयुक्त का कार्यकाल चार साल का या 65 साल की आयु पूरी करने तक होता है। टी एम भसीन के अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद सतर्कता आयुक्त का पद पिछले साल जून से रिक्त था। पटेल की नियुक्ति के साथ सीवीसी में अब सतर्कता आयुक्तों का कोई पद रिक्त नहीं रह गया है। सीवीसी में एक केंद्रीय सतर्कता आयुक्त और दो सतर्कता आयुक्त हो सकते हैं।

झारखंड में कोरोना संक्रमण तबलीगी जमात के कारण फैला : स्वास्थ्य मंत्री

भाषा। रांची

झारखंड की राजधानी रांची में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के लिए तबलीगी जमात के लोगों को जिम्मेदार ठहराने के साथ ही राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने बुधवार को केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार से भी सवाल किया कि क्या उसका गृह और विदेश मंत्रालय सोया हुआ था? झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री ने बुधवार को कहा, हमारे लिए मां भारती सबसे पहले है, बाद में बाकी दुनिया है। अतः जो गलत है, उसे गलत ही कहूंगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्र सरकार को बताना होगा कि आखिर तबलीगी जमात के सैकड़ों लोग दुनिया भर से नई दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में कैसे पहुंचे? उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय इन तबलीगी लोगों के दिल्ली में एकत्रित होने और मरकज की बैठक में शामिल होने को लेकर क्या सोए हुए थे?

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, झारखंड में अब तक 105 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं और इन 105 लोगों में से लगभग नब्बे प्रतिशत लोग या तो स्वयं तबलीगी जमात के मरकज में शामिल होकर झारखंड पहुंचे थे अथवा उनके यहां आने से संक्रमित हुए है। यद्यपि उनमें से 19 स्वस्थ भी हो चुके हैं लेकिन तीन लोगों की दुखद मौत भी हो चुकी है।

मंत्री ने दावा किया कि पिछले दिनों वीडियो कांफ्रेंस में तबलीगी जमात के लोगों के भारत में एकत्रित होने और राज्य को कोरोना संक्रमण के खिलाफ लड़ाई में उपकरणों की उचित आपूर्ति न हो पाने संबंधी उनके सवालों पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डा. हर्षवर्धन से कोई जवाब देते नहीं बना था। उन्होंने कहा कि देश में कोरोना संकट से निपटने के लिए केन्द्र सरकार को बड़े पैमाने पर और तेजी से कदम उठाने होंगे।

बन्ना गुप्ता ने बताया कि झारखंड में अब तक कुल 10,020 लोगों की कोरोना जांच हो चुकी है तथा अब राज्य में प्रतिदिन बड़े पैमाने पर जांच की जा रहे हैं। जांच किट की कमी भी नहीं है। उन्होंने कहा कि राजधानी रांची में ही अकेले अब तक 77 कोरोना संक्रमित पाए गए हैं और इनमें से 65 से अधिक सिर्फ कोरोना के हॉट स्पॉट हिंदपीढ़ी इलाके के लोग हैं। इस अल्पसंख्यक बहुल इलाके से ही 29 मार्च को सबसे पहले तब्लीगी जमात के निजामुद्दीन मरकज से चोरी छिपे यहां लौटे 17 विदेशी लोगों को पकड़ा गया था। वह सभी हिंदपीढ़ी की बड़ी मस्जिद में छिपे हुए थे।

गुप्ता ने कहा कि जब दिल्ली पुलिस की सूचना पर रांची पुलिस और प्रशासन ने 29 मार्च को इन सभी को मस्जिद से निकाल कर पृथक किया और उनकी जांच की तो 31 मार्च को एक 22 वर्षीया मलेशियाई महिला कोरोना संक्रमित निकली थी जो झारखंड में कोरोना संक्रमण का पहला मामला था। इस मामले के बाद रांची के हिंदपीढ़ी इलाके से एक के बाद एक उनके संपर्क में आए तमाम परिवार कोरोना संक्रमित पाए गए। यहां तक कि तबलीगी जमात के लोगों के चलते संक्रमित हिंदपीढ़ी के एक परिवार के एक बुजुर्ग दंपति की कोरोना से मृत्यु हो गई।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, रांची में कोरोना के बढ़ते संक्रमण के चलते ही सोमवार को मंत्रिमंडलीय उपसमिति ने हिंदपीढ़ी इलाके को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के हवाले करने का फैसला किया और उसी के तहत मंगलवार की सुबह से वहां सीआरपीएफ की दो कंपनियां तैनात कर दी गईं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर हाल में कोरोना संक्रमण के विस्तार को रोकना चाहती है और इसी बात को ध्यान में रखते हुए राजधानी रांची में 15 माइक्रो कंटेनमेंट जोन बनाकर उन इलाकों को मंगलवार से सील कर दिया गया है। इसके अलावा राज्य के जिन हिस्सों में कोरोना संक्रमित लोग पाए गए हैं उनको भी सील किया जा रहा है। गुप्ता ने केन्द्र सरकार पर राज्य को आवश्यक मदद करने में विफल रहने का भी आरोप लगाया। गुप्ता ने कहा, राज्य सरकार ने केन्द्र से एन-95 मास्क एक लाख, बीस हजार मांगे थे लेकिन उसे अब तक सिर्फ दस हजार मास्क ही उसे दिए गए हैं। इसी प्रकार राज्य ने लगभग डेढ़ लाख पीपीई किट मांगे थे लेकिन उसे सिर्फ 6000 ही किट भेजे गए हैं।

तमिलनाडु में कोविड-19 के प्रकोप पर काफी हद तक नियंत्रण : पलानीस्वामी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी ने बुधवार को कहा कि सरकार के अनेक दिशानिर्देशो के अमल मे लाने के कारण राज्य मे कोविड-19 फैलने की स्थिति काफी हद तक काबू मे है, लेकिन चेन्नई मे ज्यादा आबादी की वजह से यहां यह संक्रमण तेजी से फैल रहा है। राज्य के ग्रीन जोन वाले क्षेत्रो मे उत्पादन गतिविधियां फिर से शुरू करने का संकेत देते हुए पलानीस्वामी ने सामाजिक दूरी के नियम का पालन नही कर रहे लोगो पर नाराजगी जताई और संबंधित जिला प्रशासनो से इस सिद्धांत का पालन कराने को कहा। कोरोना वायरस पर जिला कलेक्टरो के साथ समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने महामारी से निपटने मे किए गए प्रयासो के लिए अधिकारियो की पीठ थपथपाई और कहा कि इसे फैलने से रोकने मे सरकार के कदम उसके प्रयासो के कारण कारगर साबित हुए हैं। उन्होंने कहा, चेन्नई को छोड़कर अन्य जिलो मे इसका प्रकोप काफी हद तक नियंत्रण मे है।

अधीर रंजन ने प्रधानमंत्री से प्रवासी मजदूरों को उनके घर भेजने के प्रबंध का आग्रह किया

नई दिल्ली। लोकसभा मे कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि देश के विभिन्न हिस्सो मे फंसे प्रवासी मजदूरो को उनके घर भेजने की जल्द व्यवस्था की जाए। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र मे चौधरी ने कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लागू लॉकडाउन के दूसरे चरण से बाहर निकलने की रणनीति इस बात को ध्यान मे रखकर बनाई जाए कि प्रवासी मजदूरो और फंसे हुए अन्य लोगो को जन सुरक्षा से कोई समझौता किए बिना उनके घर भेजा जा सके। उनके मुताबिक, पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यो के मजदूर दूसरे राज्यो मे फंसे हुए है और वे अपने घर लौटना चाहते है। चौधरी ने कहा कि लॉकडाउन के बाद अपनाई जाने वाली रणनीति मे इन प्रवासी मजदूरो को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

मां-बेटे पर अस्पताल में डॉक्टरों पर हमला करने का आरोप

पालघर (महाराष्ट्र)। पालघर जिले मे मां और बेटे के खिलाफ वाडा ग्रामीण अस्पताल मे एक चिकित्सा अधीक्षक के साथ कथित तौर पर अभद्रता के साथ पेश आने और हमला करने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियो की पहचान गणेश बडादे और उसकी मां यशोदर बडादे के तौर पर हुई है, जो वाडा तहसील के अल्मान के निवासी हैं। पुलिस के प्रवक्ता हेमंत काटकर ने बताया कि गणेश के भाई को मंगलवार को अस्पताल मे भर्ती कराया गया था। आरोपियो का चिकित्सा अधीक्षक और ड्यूटी पर मौजूद अन्य डॉक्टर के साथ किसी बात को लेकर झगड़ा हो और उन्होंने कथित तौर पर दोनो का गालियां दी और उन पर हमला भी किया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने गणेश को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है। वाडा तालुका चिकित्सा कर्मचारी संघ ने घटना की निंदा की है।

आंध्र प्रदेश सरकार गुजरात में फंसे 6,000 मछुआरों को वापस लाएगी : सुरेश प्रभु

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सदस्य सुरेश प्रभु ने बुधवार को बताया कि लॉकडाउन के कारण फंसे करीब 6,000 मछुआरो को वापस लाने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार गुजरात के वेरावल मे विशेष बसे भेज रही है। उन्होंने बताया, मुझे इन मछुआरो के बारे मे जानकारी मिली। उनको भोजन और जरूरी सामानो की आपूर्ति के लिए मैने तुरंत गुजरात के मुख्यमंत्री, भाजपा की स्थानीय इकाई और एनजीओ से संपर्क किया। आंध्र प्रदेश से राज्यसभा सदस्य प्रभु ने कहा कि उन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी के समक्ष भी यह मामला उठाया। उन्होंने कहा, मुझे बताया गया है कि इन 6,000 मछुआरो को लाने के लिए विशेष बसो की व्यवस्था की गई है। राज्य से संसद सदस्य होने के नाते उनकी मदद करना मेरी जिम्मेदारी है।

सीबीआई अदालत ने यस बैंक भ्रष्टाचार मामले के आरोपी कपिल और धीरज वधावन की हिरासत एक मई तक बढ़ाई

नई दिल्ली। मुंबई मे सीबीआई की विशेष अदालत ने यस बैंक के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) राणा कपूर के खिलाफ भ्रष्टाचार के एक मामले मे आरोपी डीएचएफएल के प्रवर्तक कपिल वधावन और उसके भाई धीरज वधावन की हिरासत बुधवार को एक मई तक के लिए बढ़ा दी। अधिकारियो ने यह जानकारी दी। कपिल और आरकेडब्ल्यू के प्रवर्तक धीरज को 26 अप्रैल को महाबलेश्वर से गिरफ्तार किया गया था। यस बैंक के पूर्व सीईओ एवं सह-संस्थापक कपूर की संलिप्तता वाले करोड़ों रुपए के घोटाले मे इससे (गिरफ्तारी से) करीब 50 दिन पहले इन दोनो को नामजद किया गया था। सात मार्च को प्राथमिकी दर्ज होने के बाद से दोनो भाई कभी जांच मे शामिल नही हुए थे। अदालत ने बुधवार को इन दोनो की हिरासत एक मई तक बढ़ा दी।

चेन्नई में एसीपी ट्रैफिक रविचन्द्रन पुलिस कर्मियों को इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए विटामिन की टेबलेट बांटते हुए।

प्रवासी मजदूरों की वापसी पर मुख्यमंत्रियों से बातचीत कर रहा है महाराष्ट्र: देशमुख

भाषा। नासिक

महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार प्रवासी मजदूरों को नियोजित तरीके से उनके गृह राज्यों में भेजने का प्रबंध करने के लिए अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात कर रही है। महाराष्ट्र, खासकर मुंबई में अन्य राज्यों से आए हजारों कर्मी देशभर में लागू लॉकडाउन (बंद) के कारण फंसे हुए हैं और वे उन्हें उनके गृहराज्यों में भेजे जाने के लिए परिवहन व्यवस्था किए जाने की मांग कर रहे हैं। देशमुख ने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे अन्य राज्यों के अपने समकक्षों के साथ बातचीत के बाद प्रवासी कर्मियों को वापस भेजने संबंधी अपनी फैसले की घोषणा करेंगे। देशमुख ने अन्य राज्यों का नाम नहीं लिया, लेकिन महाराष्ट्र में उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों से आए प्रवासी मजदूर रहते हैं। महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में प्रवासी कर्मी रहते हैं। इनमें अधिकतर लोग मुंबई में रहते हैं। अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ इस विषय पर बात चल रही है कि प्रवासी श्रमिकों को नियोजित तरीके से बसों या ट्रेन के माध्यम से कैसे उनके मूल राज्यों में भेजा जा सकता है। राकांपा के मंत्री ने दोहराया कि राज्य सरकार कोविड-19 को काबू करने की कोशिशों में मदद कर रहे पुलिसकर्मियों, चिकित्सकों और नर्सों पर किसी प्रकार के हमले को कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा, चौबीसों घंटे काम कर रहे पुलिसकर्मियों, चिकित्सकों और नर्सों पर हमला करने वालों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्वाई की जाएगी। इससे पहले, देशमुख ने नासिक जिले में कोविड-19 से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों (हॉटस्पाट) में शामिल मालेगांव में इस महामारी को फैलने से रोकने को लेकर राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल, स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे और कृषि मंत्री दादा भुसे से बातचीत की।

योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने के लिए मप्र में बनेंगी समितियां

भाषा। भोपाल

मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार ने कोरोना वायरस संकट के दौर में कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने के लिए वार्ड और पंचायत स्तर पर दीनदयाल समितियां बनाने का निर्णय लिया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को प्रदेश में भाजपा के विधायकों, भाजपा जिला और मंडल अध्यक्षों को ऑडियो कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। चौहान ने पार्टी नेताओं से कहा, हमारी यह जिम्मेदारी है कि सरकार के कार्यो को जनता तक ले जाएं। मैंने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और महासचिव से बात की है। हमने ग्रामीण इलाकों में पंचायत स्तर पर और शहरी क्षेत्रों में वार्ड स्तर पर जल्द ही दीनदयाल समितियों का गठन करने का फैसला किया है। इन समितियों का नाम भारतीय जनसंघ के सह संस्थापक दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये समितियां विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की देखरेख करेंगी और यह सुनिश्चित करेंगी कि इनका लाभ जनता तक पहुंचे। सरकारी सहायता के वितरण में भी इन समितियों की सहायता ली जाएगी। पार्टी नेताओं को कोरोना वायरस के प्रकोप के मद्देनजर जनता को हर्बल काढ़े के वितरण सहित विभिन्न फैसलों की जानकारी भी दी। आयुर्वेदिक काढ़े के उपयोग से व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता में इजाफा होता है और यह कोरोना वायरस के संक्रमण से लोगों को बचाव करेगा। प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता रजनीश अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री जमीनी स्तर के कार्यकार्ताओं से नियमित तौर पर बात कर रहे हैं। इससे सरकार की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने में सहायता मिलती है। चौहान ने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं के बारे में लोगों की प्रतिक्रिया उन तक पहुंचाने के लिए भी भाजपा नेताओं से कहा।

ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी पर हमला, आग लगाने की कोशिश

सोलापुर। महाराष्ट्र में लॉकडाउन के दौरान ड्यूटी पर तैनात 35 वर्षीय पुलिस कांस्टेबल उस वक्त घायल हो गए जब एक व्यक्ति ने उन पर हमला कर दिया और उन्हें कथित तौर पर आग लगाने की कोशिश भी की। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि आरोपी की पहचान अरुण सिंह जाधव के रूप में हुई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। वेलापुर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना सोलापुर के मालशिराज तहसील के मलोली गांव में मंगलवार रात को हुई जब कांस्टेबल लोगों से घरों में ही रहने की अपील कर रहे थे। अधिकारी ने बताया, उसी समय जाधव अपनी कार से आया और पुलिसकर्मी को गाली देना शुरू कर दिया। आरोपी कांस्टेबल से यह कह रहा था कि वह उसके भाई के होटल में जांच के लिए क्यों गए थे। जाधव ने पुलिसकर्मी का फोन छीनकर सड़क पर फेंक दिया और एक ब्लेड से कांस्टेबल के बाएं हाथ और चेहर पर हमला किया।

लॉकडाउन का पालन करा रहे पुलिस पर हमले के लिए 10 लोग गिरफ्तार

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में बीती रात लॉकडाउन का पालन करा रहे पुलिसकर्मियों पर कथित तौर पर हमला करने के आरोप में बुधवार को 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हावड़ा पुलिस आयुक्त कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कुल 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और अन्य दंड कानूनों की विभिन्न धाराओं के तहत तीन मामले दर्ज किए गए हैं।

दिन के समय इलाके में हालात शांतिपूर्ण रहे। पुलिस ने बंद का सख्ती से पालन कराने के लिए इलाके की सड़कों पर गश्त की। कोरोना वायरस के रेड जोन हावड़ा जिले के तिकियापाड़ा इलाके में कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए लॉकडाउन का पालन करा रहे पुलिस के एक दल पर भीड़ के हमले में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए थे।

घटना मंगलवार की शाम हुई जब बड़ी संख्या में लोगों के स्थानीय बाजार में जुटने और लॉकडाउन नियमों के उल्लंघन की सूचना पाकर पुलिस का एक गश्ती दल अल्पसंख्यक बहुल तिकियापाड़ा इलाके की बेलीरियस रोड पर पहुंचा।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया था, पुलिस ने उन्हें घरों को लौटने को कहा, जिसके बाद कहासुनी शुरू हो गई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिसकर्मियों पर पत्थर फेंके, जिसमें हमारे दो जवान घायल हो गए और दो वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। इस घटना के बाद राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए। तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्वाई की जाएगी। वहीं दूसरी ओर भाजपा ने आरोप लगाया कि जो कुछ हुआ उसकी वजह राज्य सरकार की तुष्टीकरण की राजनीति है।

चेन्नई में लॉकडाउन के दौरान लोगों में जागरुकता के लिए बनाये जा रहे कोरोना वायरस के मॉडल को फाइनल टच देता हुआ कलाकार।

सरकार ने किसी का ऋण माफ नहीं किया: भाजपा

● राहुल गांधी को चिदंबरम से ट्यूशन लेनी चाहिए

भाषा। नई दिल्ली

राहुल गांधी पर तंज करते हुए भाजपा ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस नेता को कर्ज बट्टा खाता में डालने और माफ करने के बीच अंतर समझने के लिए पूर्व वित्त मंत्री और अपनी पार्टी के सहयोगी पी चिदंबरम से ट्यूशन लेना चाहिए। भाजपा ने इस बात पर जोर दिया कि मोदी सरकार ने किसी का रिण माफ नहीं किया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर ने कहा, राहुल गांधी को कर्ज बट्टा खाता में डालने और माफ करने के बीच अंतर समझने के लिए पी चिदंबरम से ट्यूशन लेना चाहिए। नरेन्द्र मोदी सरकार ने किसी का रिण माफ नहीं किया है।

उन्होंने कहा कि बट्टा खाता में डालना लेखांकन की एक सामान्य प्रक्रिया है और इससे चूककर्ता के खिलाफ वसूली या कार्वाई पर रोक नहीं लगती है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक आरटीआई में भारतीय रिजर्व बैंक के बैंक रिण चूककर्ताओं की सूची का जिक्र करते हुए कहा था कि उन्होंने संसद में सरकार से बैंक घोटालेबाजों के नाम पूछे थे लेकिन इनके नाम छिपाए गए हैं। राहुल ने ट्वीट किया, संसद में मैंने एक सीधा सा प्रश्न पूछा था– मुझे देश के 50 सबसे बड़े बैंक चूककर्ताओं के नाम बताइए। वित्तमंत्री ने जवाब देने से मना कर दिया। अब रिजर्व बैंक ने नीरव मोदी, मेहुल चोकसी सहित भाजपा के कई मित्रों के नाम इस सूची में डाले गए हैं। जावडेकर ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने पिछले दो वर्षों से भ्रम पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं कि सरकार ने जानबूझ कर नहीं रिण चुकाने वालें कारोबारियों का कर्ज माफ कर दिया है। जावडेकर ने इन आरोपों पर कहा कि कांग्रेस नेता को इन मुद्दों पर अपनी समझ का विस्तार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने स्पष्ट किया है कि किसी का भी एक पैसा रिण माफ नहीं किया गया है और आरोपी को न्याय के कटघरे में लाने के लिए पूरा प्रयास किया जा रहा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि नीरव मोदी लंदन में जेल में है और ब्रिटेन में जमानत याचिका खारिज होने के बाद विजय माल्या के पास भारत लौटने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने नीरव मोदी की सम्पत्तियों को जब्त किया है और उसकी नीलामी हुई है। बहरहाल, बैंकों का कर्ज नहीं लौटाने वालों के बकाए को बट्टे खाते में डाले जाने के मुद्दे पर कांग्रेस पर पलटवार करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि जानबूझकर बैंकों का कर्ज नहीं लौटाने वाले जितने भी डिफाल्टर है उन सभी को कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय में फोन बैंकिंग का लाभ मिला था, जबकि मोदी सरकार बकाए की वसूली के लिए उनकी धरपकड़ में लगी है।

मप्र में पृथक रखे गए मजदूर ने की खुदकुशी

भाषा। पन्ना (मप्र)

जिला मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर अमानगंज कस्बे में पृथक केंद्र में रखे गए 19 वर्षीय मजदूर ने कथित तौर पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली।अमानगंज पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक राकेश तिवारी ने बुधवार को बताया कि मृतक युवक पिछले सप्ताह ही लॉकडाउन के कारण काम नहीं मिलने की वजह से सागर जिले के गढ़ाकोटा से अपने पांच अन्य साथियों के साथ यहां आया था। प्रशासन के अधिकारियों ने इन लोगों के लिए एहतियात के तौर पर शासकीय महाविद्यालय में पृथक से रहने की व्यवस्था की थी। उन्होंने बताया कि मृतक जिले के घटारी गांव का निवासी था। उसने कपड़े की सहायता से दूसरी मंजिल पर स्थित कमरे में फांसी लगा ली। तिवारी ने बताया कि पुलिस मामला दर्ज कर विस्तृत जांच कर रही है।

हावड़ा में कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए तालाबंदी के दौरान कई पुलिसकर्मियों पर हमला हुआ था। बुधवार को तिकरापारा क्षेत्र में गश्त करते आरएएफ के जवान।

क्विक न्यूज

उच्च एवं तकनीकी पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं 31 मई तक होने की संभावना नहीं

मुंबई। राज्य के मंत्री उदय सामंत ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र में उच्च और तकनीकी शिक्षा पाठ्यक्रमों के लिए स्नातक और स्नातकोत्तर की परीक्षा 31 मई से पहले आयोजित होने की संभावना नहीं है। उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री ने एक मराठी समाचार चैनल से बात करते हुए कहा कि 24 मार्च को लॉकडाउन के कारण परीक्षाएं स्थगित होने की वजह से उसकी समय तालिका प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा, उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्रालय द्वारा 31 मई तक स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षा आयोजित करने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि लगभग 30-35 लाख छात्रों के परीक्षा में शामिल होने की उम्मीद थी। मंत्री ने बताया, आम तौर पर, किसी परीक्षा की घोषणा से लेकर पेपर के मूल्यांकन तक की पूरी अवधि में 90 दिन लगते हैं। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि इस तरह परीक्षा कराने में अगले दो-तीन महीने लगेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, जबकि परीक्षा संपन्न कराने को लेकर महाराष्ट्र में कुलपतियों की समिति की एक रिपोर्ट तैयार है। मंत्री ने कहा, हम यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि छात्रों का नुकसान ना हो।

साबरमती जेल में दो कैदी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए

अहमदाबाद। अहमदाबाद के साबरमती जेल में बंद दो कैदियो में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। साबरमती जेल के पुलिस उपाधीक्षक डी डी राणा ने बताया कि दोनों हाल ही में जेल आए थे। एहतियात के तौर पर उन्हें जेल के पृथक वार्ड में रखा गया है जो 2400 कैदियो वाले मुख्य परिसर से दूर है। उन्होंने कहा कि जेल के पृथक वार्ड में भर्ती इन दोनों कैदियों के नमूनों की जांच की गई और तीन दिन पहले इनमें संक्रमण की पुष्टि हुई। उनमें से एक हत्या का दोषी है जो 25 अप्रैल को अपनी पैरोल पूरी करने के बाद लौटा था, जबकि दूसरा बलात्कार का आरोपी है जिसे 26 अप्रैल को जेल में लाया गया था। अधिकारी के अनुसार उन दोनों को 27 अप्रैल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा कि जेल के अंदर सभी कैदियों को सप्ताह में दो बार कोविड-19 के लक्षणों की जांच के लिए डॉक्टरो द्वारा दिखाया जाता है।

कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण अब जल शक्ति मंत्रालय के अधीन

नई दिल्ली। कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण: सीडब्ल्यूएमए: को अब आधिकारिक तौर पर जल शक्ति मंत्रालय के अधीन लाया गया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि सीडब्ल्यूएमए पहले जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय के अधीन था। हालांकि, मोदी सरकार ने जल से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए जल शक्ति मंत्रालय का गठन किया है, जबकि जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण इसी मंत्रालय के अंतर्गत एक विभाग का रूप ले लिया है। एक अधिकारी ने बताया कि अन्य नदियों के जल प्रबंधन प्रधिकरणों को भी जल शक्ति मंत्रालय के अधीन लाया गया है क्योंकि वे भी जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय के अंतर्गत आते थे। अधिकारी ने बताया कि यह निर्णय महज एक औपचारिकता है जो कामकाज के आवंटन को निर्दिष्ट करता है, जिसका अर्थ है कि प्राधिकरण को जल शक्ति मंत्रालय को रिपोर्ट करना होगा। 2018 में, केंद्र सरकार ने तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और पुडुचेरी के बीच नदी के पानी के बंटवारे के विवाद को हल करने के लिए कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) का गठन किया था। इन राज्यों के सदस्यों के अलावा, बोर्ड में केंद्र सरकार द्वारा नामित एक सदस्य भी होता है। अधिकारी ने यह भी कहा कि इस कदम से प्राधिकरण के कामकाज की स्वतंत्रता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। सीडब्ल्यूएमए की आखिरी बैठक फरवरी में हुई थी।

कोलकाता लॉकडाउन
घर चला जा नहीं तो गब्बर आ जाएगा

भाषा। कोलकाता

कोरोना वायरस महामारी के कारण देश भर में जारी लॉकडाउन का पालन कराने का कोलकाता के लोगों ने अपना ही अनोखा तरीका निकाल लिया है.... यहां गब्बर सिंह की वेशभूशा में एक शख्स घर चला जा नहीं तो गब्बर आ जाएगा चिल्लाता हुआ लोगों को लॉकडाउन के नियमों का पालन करने और सामाजिक दूरी बनाए रखने को लेकर आगाह करता नजर आ रहा है। गब्बर सिंह बॉलीवुड फिल्म शोले का एक मशहूर किरदार है। गब्बर का, इस अनोखी पहल में यमराज भी साथ दे रहे हैं, जिनका कहना है, सावधान रहें नहीं तो मैं आकर तुम्हें ले जाऊंगा। इस पहल की शुरुआत कोलकाता और उत्तर 24 परगना जिले के कई सामुदायिक क्लबों ने की है, जो इन पौराणिक और काल्पनिक किरदार निभाने के लिए लोगों की भर्ती कर रहे हैं।

एलआईसी का लॉकडाउन के दौरान शानदार प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● पॉलिसी की संख्याओं में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी, दो करोड़ से ज्यादा के क्लेम का निपटान

कोविड-19 के द्वारा उत्पन्न इस व्यापारिक निराशा के दौर में भारतीय जीवन बीमा निगम ने अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखा है। समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2019-20 में एलआईसी ने पिछले 6 वर्षों में सबसे ज्यादा नई पॉलिसी कीं। यह जानकारी निगम द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में दी गयी। विज्ञप्ति के अनुसार मार्च 2020 के अनुसार प्रथम वर्ष प्रीमियम आय के रूप में 51,227 करोड़ एवं 2.19 करोड़ की नई पॉलिसी के प्रभावशाली आंकड़ों को छुआ। वर्ष के सबसे उत्पादक पखवाड़े में कमी के बावजूद, हमने संख्या और प्रीमियम में बढ़ोतरी प्राप्त की। एलआईसी ने सिंगल प्रीमियम के रूप में 21,967 करोड़ एवं नान सिंगल प्रीमियम के रूप में 29,260 करोड़ प्राप्त किए। अनुपात के रूप में सिंगल प्रीमियम 42.88 एवं नान सिंगल प्रीमियम 57.12 बैठता है।

एलआईसी की पेंशन एवं ग्रुप स्कीम वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान 1 ट्रिलियन रुपये के प्रीमियम के रिकॉर्ड आंकड़ों को प्राप्त किया। एलआईसी ने ग्रुप स्कीम न्यू बिजिनेस प्रीमियम आय के रूप में पिछले वर्ष के 91,179 करोड़ रुपये की आय के सापेक्ष इस वर्ष 126,749 करोड़ रुपये की आय प्राप्त की, जिसकी वृद्धि दर 39.01% रही और मार्केट शेयर पिछले वर्ष के 77.94% के सापेक्ष 80.54% रहा। बाजार में उपलब्ध सभी निजी बीमा कंपनियों ने संयुक्त रूप से प्रथम वर्ष न्यू बिसिनेस प्रीमियम में 11.64% की वृद्धि प्राप्त की। इन सबके सापेक्ष एलआईसी ने अकेले 25.17% की दर से प्रीमियम में वृद्धि प्राप्त की पॉलिसी की संख्या एवम प्रथम वर्ष प्रीमियम के रूप में 31 मार्च 2020 को निगम का समग्र मार्केट शेयर क्रमश: 75.90% एवं 68.74% रहा। इस प्रकार पॉलिसी की संख्या में 1.19% एवं प्रथम वर्ष प्रीमियम में 2.50% की वृद्धि रही। यदि दावों के निपटान की बात की जाए तो इस लॉक डाउन की गंभीर रुकावट के बावजूद 31 मार्च 2020 तक एलआईसी ने 2.03 करोड़ की मैच्योरिटी एवं मनी बैक के दावों को निपटाया। एलआईसी ने 7.50 लाख के मृत्यु पश्चात के दावों के भी निराकरण किया। मार्च 2020 एवं अप्रैल 2020 में वार्षिक देनदारियों का भी निश्चित तिथि तक निराकरण कर दिया गया। एलआईसी ने इस अविश्वसनीय प्रदर्शन का पूरा श्रेय अपने ग्राहकों के अटूट विश्वास एवं अपने कर्मचारियों, एजेंट और चैनल पार्टनर्स के समर्पित प्रयासों को दिया है, जिन्होंने इतनी विषम परिस्थितियों में भी पूर्ण उत्साह के साथ काम किया।

ममता की वोटबैंक की राजनीति से पश्चिम बंगाल में सार्वजनिक स्वास्थ्य की स्थिति विकट : भाजपा

भाषा। नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए भाजपा ने बुधवार को दावा किया कि कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में राज्य में लॉकडाउन का पालन करवाने में पूरी तरह से असफल रहने के कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य का विकट संकट खड़ा हो रहा है।

तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष को तीखे शब्दों में लिखे पत्र में भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री कोरोना महामारी के मुकाबले की जगह राजनीति में जुटी हुई हैं और उनकी शर्मनाक तुष्टिकरण की नीति के कारण मुस्लिम समुदाय के सदस्य लॉकडाउन का उल्लंघन कर रहे हैं। भाजपा के प्रदेश मामलों के प्रभारी विजयवर्गीय ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में बनर्जी ने भाजपा नेताओं के खिलाफ प्रतिकार की नीति अपनाई है और महामारी से मुकाबले के बजाय, गंदी राजनीति के कारण मुख्यमंत्री का प्रधानमंत्री और प्रदेश के राज्यपाल के प्रति टकराव भरा का रवैया रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कोरोना वायरस से जुड़े मामलों में प्रदेश में जांच शर्मनाक ढंग से अपर्याप्त है।

उन्होंने इस संदर्भ में कुछ दूसरे राज्यों का उल्लेख करते हुए दावा किया कि वास्तविक स्थिति और विकट हो सकती है और सार्वजनिक स्वास्थ्य को लेकर बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। विजयवर्गीय ने आरोप लगाया कि राज्य में कोरोना वायरस से संक्रमण और मौत के मामले छिपाए जा रहे हैं। गौरतलब है कि राज्य में कोरोना वायरस की स्थिति को लेकर भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच आरोप प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। भाजपा ने प्रदेश सरकार पर कोरोना संक्रमण एवं मौत के सही आंकड़े नहीं जारी करने का आरोप लगाया है।

पुरी में फिल्म अभिनेता इरफान खान को बालू की कलाकृति बनाकर श्रृद्धांजलि देते कलाकर सुर्दशन पटनायक।

कोविड-19 के कारण लागू पाबंदियां मई अंत तक जारी रहें: ममता बनर्जी

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि विशेषज्ञों और डॉक्टरों का मानना है कि कोविड-19 का प्रसार रोकने के लक्ष्य से लागू पाबंदियां राज्य में मई के अंत तक लागू रहनी चाहिए। केन्द्र सरकार के आदेशानुसार बनर्जी ने कुछ छूट, जैसे... ग्रीन जोन में स्थित किसी वस्तु की एकमात्र दुकान को खोलने की अनुमति दी है। हालांकि वहां भी तमाम एहतियात और एक-दूसरे से दूरी बनाए रखने के नियमों का सख्ती से पालन किया जाना है। बनर्जी ने कहा, कोई नहीं कह सकता है कि संकट कब समाप्त होगा। ज्यादातर देशों ने मई के अंत तक या जून के पहले हफ्तेतक लॉकडाउन की घोषणा कर दी है। हमारे विशेषज्ञों और डॉक्टरों का भी मानना है कि कोविड-19 संबंधी पाबंदियां मई अंत तक जारी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या में भले ही कमी आ रही हो, लेकिन बरसात के मौसम में जुलाई, अगस्त में यह फिर से ऊपर जा सकता है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने यह भी आरोप लगाया कि संकट के इस वक्त में भाजपा राजनीति कर रही है।

पेज एक का शेष

घर जा...

जाएगा और बस में बैठने वालों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना होगा। कोई भी राज्य इन बसों को अपनी सीमा में प्रवेश करने से नहीं रोकेगा और उन्हें गुजरने की अनुमति देगा। अपने गृह राज्य या स्थान पर पहुंचने के बाद स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारी यात्रा करने वाले व्यक्ति की जांच करेंगे और होम क्वारंटीन में रखेंगे। इस दौरान ऐसे लोगों को बाहर घूमने-फिरने की इजाजत नहीं होगी। जरूरत पड़ी तो उन्हें अस्पतालों/स्वास्थ्य केंद्रों में भी भर्ती किया जा सकता है। उनकी समय-समय पर जांच होती रहेगी। ऐसे लोगों को आरोग्य सेतु का इस्तेमाल करना होगा ताकि उनके स्वास्थ्य पर नजर रखी जा सके। इस बीच, महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार प्रवासी मजदूरों को नियोजित तरीके से उनके गृह राज्यों में भेजने का प्रबंध करने के लिए अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात कर रही है। महाराष्ट्र, खासकर मुंबई में अन्य राज्यों से आए हजारों कर्मी देशभर में लागू लॉकडाउन (बंद) के कारण फंसे हुए हैं और वे उन्हें उनके गृहराज्यों में भेजे जाने के लिए परिवहन व्यवस्था किए जाने की मांग कर रहे हैं। देशमुख ने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे अन्य राज्यों के अपने समकक्षों के साथ बातचीत के बाद प्रवासी कर्मियों को वापस भेजने संबंधी अपनी फैसले की घोषणा करेंगे। देशमुख ने अन्य राज्यों का नाम नहीं लिया, लेकिन महाराष्ट्र में उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों से आए प्रवासी मजदूर रहते हैं।

तेलंगाना में...

रहे थे। संगारेड्डी जिले के पुलिस अधीक्षक एस चंद्रशेखर रेड्डी ने बताया कि प्रवासी मजदूरों ने कथित तौर पर पुलिस पर पथराव किया। इसमें पुलिस का एक वाहन क्षतिग्रस्त हो गया और एक उप-निरीक्षक ताथा दो पुलिस कर्मी घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि प्रदर्शन कर रही प्रवासियों की भीड़ ने पहले निर्माण कम्पनियों के कुछ अधिकारियों पर हमला किया और जब पुलिस दल मौके पर पहुंचा तो उन पर भी पथराव कर दिया।'' अधिकारियों के अनुसार मजदूरों का आरोप है कि आईआईटी से जुड़ी एक निर्माण कम्पनी ने उन्हें मार्च का वेतन नहीं दिया था और उनसे बुधवार को आगे का काम शुरू करने को कह रहे थे।

निजी अल्पसंख्यक...

समूची व्यवस्था को सड़ा रही तमाम गड़बड़ियों को निकाल बाहर करना है। शीर्ष अदालत में इस मुद्दे पर याचिका दायर करने वाली शिक्षण संस्थाओं में क्रिश्चियन मेडिकल कालेज, वेल्लोर, मणिपाल विश्वविद्यालय, एसआरएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल और कर्नाटक प्राइवेट मेडिकल एंड डेंटल कॉलेज एसोसिएशन शामिल थे। न्यायालय ने कहा कि इन नियामक उपायों का मकसद शिक्षण संस्थाओं में सही तरीके से कामकाज और शिक्षा के मानदंडों को सुनिश्चित करना है और यह प्रबंधन के मुकम्मल अधिकार को कमतर नहीं करता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि शिक्षा की धर्मार्थ गतिविधियां अब बिकाऊ वस्तु हो गई हैं और पैसे वाले तथा गरीब छात्र अपनी पढ़ाई के लिए बैंकों से आर्थिक मदद लेने के लिए बाध्य होते हैं और उनके लिए इसके ब्याज के चंगुल से बाहर निकलना मुश्किल होता है। न्यायालय ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि कतिपय कॉलेजों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर के चिकित्सक दिए हैं और वे भारत ही नहीं बल्कि समूची मानवता के लिए धरोहर हैं। टीएमए पाई फाउंडेशन मामले में संविधान पीठ के 2002 के निर्णय सहित शीर्ष अदालत के अनेक फैसलों के आधार पर पीठ ने कहाकि हमारी राय है कि संविधान के अनुच्छेद 25, 26 और 29 (1) के साथ अनुच्छेद 19(1)(जी) और 30 को पढ़ने पर इसमें प्रदत्त कोई भी अधिकार प्रवेश के मामले में पारदर्शिता हासिल करने और मेरिट को मान्यता देने के रास्ते में बाधक नहीं है। न्यायालय ने यह भी कहा कि संबद्धता और मान्यता का लाभ प्राप्त करने के लिए अल्पसंख्यक संस्थान भी संबंधित कानूनों और नियमों के तहत लगाई गई शर्तों का समान रूप से अनुपालन करने के लिए बाध्य हैं।

मरने वालों...

लव अग्रवाल ने सभी राज्यों को चिट्ठी लिखकर स्थिति बिगड़ने की दशा में तैयारी पूरी करने को कहा है। संयुक्त सचिव ने कहा कि अगर केस काफी बढ़े तो उससे निपटने के लिए राज्य स्वास्थ्य सेवाएं दुरुस्त करके रखें। इसके साथ ही नॉन-कोविड मरीजों की भी अनदेखी न की जाए।

पंजाब में...

पंजाब की जनता को संबोधित करते हुये कहा कि निषिद्ध क्षेत्र में कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिये संपूर्ण एवं सख्त लॉकडाउन जारी रहेगा। राज्य में जारी लॉकडाउन को खत्म करने की रणनीति पर गठित विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट और समाज के विभिन्न वर्गों की ओर से प्राप्त सूचना के आधार पर, मुख्यमंत्री ने कहा कि लॉकडाउन को कुछ और समय तक जारी रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब लॉकडाउन 17 मई तक जारी रहेगा। सिंह ने कहा कि इस दौरान गुरुवार से हर रोज सुबह सात बजे से 11 बजे तक कुछ सीमित छूट दी जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विशिष्ट क्षेत्रों में कुछ दुकानों को हर सुबह चार घंटे तक खोलने की अनुमति दी जायेगी जिनमें केवल 50 फीसदी कर्मचारी ही उपस्थित होंगे। उन्होंने बताया कि जिलों के उपायुक्तों को दुकानें खोले जाने को लेकर उपाय करने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दो हफ्ते बाद स्थिति की समीक्षा की जायेगी और उसके बाद अगर महामारी नियंत्रित रहती है तो कुछ और छूट की घोषणा की जायेगी। अमरिंदर ने कहा कि लॉकडाउन को लागू कराने के लिये जारी कर्फ्यू सामान्य तौर पर 11 बजे के बाद जारी रहेगा। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि वह सामाजिक मेलजोल से दूरी का पालन करने के लिये समय पर घरों को लौट आयें। पंजाब सरकार ने कोरोना वायरस महामारी के दृष्टिगत प्रदेश में 23 मार्च को कर्फ्यू लगाने की घोषणा की थी। कांग्रेस नेता ने कहा, 'छूट की अवधि के दौरान जो भी लोग घर से निकलेंगे उन्हें मास्क लगाना आवश्यक होगा और एक दूसरे से दो मीटर की दूरी के नियम का पालन करना होगा। यह छूट लोगों की सुविधा के लिये दी गयी है ओर इसका प्रयोग मेलजोल के लिय नहीं किया जाना चाहिये।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'दो हफ्ते के बाद जब स्थिति सुधरेगी, तो हम और भी कदम उठायेंगे।' यह समिति छूट गुरुवार से चार घंटे के लिये दी गयी है। इसमें सभी पंजीकृत दुकानों को खोले जाने की अनुमति भी है। इस दौरान मॉलों को खेलने की अनुमति नहीं होगी। सुबह सात बजे से पूर्वाह्न 11 बजे के बीच खोले जाने वाली इन दुकानों में 50 फीसद कर्मचारी ही होंगे। लॉकडाउन के चलते दूसरे राज्यों में बड़ी संख्या में प्रदेश के लोगों के फंसे होने का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें वापस लाना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन घर वापसी के बाद 21 दिन तक पृथक-वास में रहना होगा।

रोजाना 60...

रोगियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का दावा करते हुए हर्षवर्धन ने कहा कि केवल 0.33 प्रतिशत रोगी वेंटिलेटर पर हैं और 1.5 प्रतिशत रोगी ऑक्सीजन सहायता पर हैं जबकि 2.34 प्रतिशत गहन चिकित्सा इकाइयों में हैं। मंत्रालय ने महामारी जैसे रोगों के लिए अपने एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) को राष्ट्रव्यापी निगरानी प्रणाली के रूप में आगे बढ़ाया है और इसका डिजिटलीकरण कर इसे मजबूत किया है। अब विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय कुछ ऐसी परियोजनाओं पर काम कर रहा है ताकि कोविड-19 का टेस्ट जल्दी हो सके।

केंद्रीयकर्मियों के...

निकायों, पीएसयू आदि को समान निर्देश जारी कर सकते हैं। उप सचिव और उससे ऊपर के स्तर के अधिकारी पहले ही सरकार के निर्देशों का पालन करते हुए अपने अपने कार्यालय जा रहे हैं। केंद्र सरकार के सभी विभागों के कार्यालयों को उप सचिव स्तर से नीचे केवल एक तिहाई कर्मचारियों को क्रमबद्ध व्यवस्था के अनुसार बुलाने के लिए कहा गया है।

हिसाब बराबरी...

ठाकरे ने बुलंदशहर में संतों की हत्या पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से फोन पर बात करते हुए अपील करते हुए कहा था कि हमें ऐसे मामलों में साथ मिलकर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। ऐसे मामलों को राजनीति से दूर रखना चाहिए। उद्धव ने कहा था कि जिस तरह से पालघर की घटना पर हमने कड़ाई से एक्शन लिया गया वैसे ही आप भी इस मामले पर सख्त कार्रवाई करें।

पीएम से...

कर उन्हें बताया कि राज्य में राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने की कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने कहा, कोविड-19 से जूझ रहे महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्य में राजनीतिक अस्थिरता ठीक नहीं है। ठाकरे ने मोदी से इस मामले में दखल देने की अपील की। इससे एक दिन पहले महाराष्ट्र में शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस के सत्तारूढ़ गठबंधन महाराष्ट्र विकास अघाड़ी के नेताओं ने राज्यपाल बी एस कोश्यारी से मुलाकात कर उनसे अपने कोटे से ठाकरे को विधान पार्षद मनोनीत करने की एक बार फिर सिफारिश की थी। पहली सिफारिश नौ अप्रैल को राज्य के मंत्रिमंडल ने की थी। ठाकरे ने 28 नवंबर 2019 को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। 28 मई को उनके कार्यकाल के छह महीने पूरे हो जाएंगे, लेकिन अभी तक न तो वह राज्य की विधानसभा के और न ही विधान परिषद के सदस्य हैं। अगर वह किसी भी सदन के सदस्य नहीं बन पाते हैं तो उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़नी छोड़नी पड़ेगी। उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व में गठबंधन नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें मंत्रिमंडल के फैसले की एक प्रति सौंपी। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य एक वरिष्ठ मंत्री ने बताया कि उन्होंने राज्यपाल से इस मामले पर फैसला जल्द लेने का अनुरोध किया।

पान सिंह...

जैसे तैसे उठाते रहे और इस दौरान उनका एकमात्र सहारा थी उनकी एक सहपाठी जो आगे चलकर उनकी जीवन संगिनी बनी। फिल्मों में काम करने की हसरत पाले इरफान जब मुंबई आए तो यहां भी संघर्ष ने उनका साथ नहीं छोड़ा। शुरुआती नाकामियों के बाद टेलीविजन धारावाहिकों चाणक्य, भारत एक खोज, चंद्रकांता आदि से उनके कैरियर की शुरुआत हुई। फिल्मी दुनिया में उनके कदम सलाम बॉम्बे में निभाई एक छोटी सी भूमिका से पड़े लेकिन उनकी पहचान दिलाई मकबूल ने। इसके बाद वे आगे ही बढ़ते चले गए। रोग, लाइफ इन मेट्रो, पान सिंह तोमर, स्लमडॉग मिलेनियर, द लंच बॉक्स, पीकू, हिंदी मीडियम ने फिल्मी दुनिया को उनके अभिनय का लोहा मानने पर मजबूर कर दिया। उन्हें तीन बार फिल्मफेयर अवॉर्ड, पान सिंह तोमर के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार और पद्मश्री जैसे प्रतिष्ठित सम्मान से भी नवाजा गया। इरफान ने छोटे से समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी धाक जमा ली थी। उनके चाहने वालों का मानना है कि इरफान की आंखों में जादू था। वे बोले न बोलें-रुपहले पर्दे पर उनकी आंखें सम्मोहित कर लेती थीं।

निधन के बाद परिवार की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि वह एक मजबूत इंसान थे जिन्होंने अंत तक लड़ाई लड़ी और अपने संपर्क में आने वाले हर शख्स को प्रेरित किया। उन्होंने अपने प्रियजनों, अपने परिवार के बीच अंतिम सांस ली और अपने पीछे एक महान विरासत छोड़ गए। हम दुआ करते हैं कि उन्हें शांति मिल और उनके द्वारा कहे इन शब्दों को दोहराएंगे कि यह इतना जादुई था, जैसे कि मैं पहली बार जिंदगी का स्वाद चख रहा था। फिल्म पीकू के निर्देशक शूजित सरकार ने अभिनेता के निधन पर शोक जताते हुए ट्वीट किया, मेरे प्रिय मित्र इरफान। तुम लड़े, लड़े और लड़ते रहे। मुझे हमेशा तुम पर गर्व रहेगा.... हम दोबारा मिलेंगे...सुतापा और बाबिल को मेरी संवेदनाएं... तुमने भी लड़ाई लड़ी.... सुतापा तुमने इस लड़ाई में अपना सब कुछ दिया। ओम शांति। इरफान खान तुम्हें सलाम।

विदेश में मैच खेलने को तैयार पीएसजी

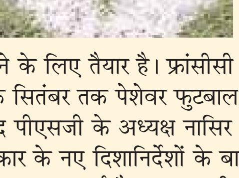

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के अध्यक्ष ने कहा है कि अगर फ्रांस के कोरोना वायरस को लेकर नए दिशानिर्देशों के कारण उनकी टीम चैंपियन्स लीग के मैच स्वदेश में नहीं खेल पाती है तो वह इन मैचों को विदेश में खेलने के लिए तैयार है। फ्रांसीसी प्रधानमंत्री एडवार्ड फिलिप ने कहा था कि सितंबर तक पेशेवर फुटबाल की शुरुआत नहीं हो सकती जिसके बाद पीएसजी के अध्यक्ष नासिर अल खलीफी ने यह घोषणा की। सरकार के नए दिशानिर्देशों के बाद लीग। सत्र के भी रद्द होने की संभावना बन गई है। अल खलीफी ने बयान में कहा कि हम फ्रांस सरकार के निर्णय का सम्मान करते हैं। यूएफा (यूरोपीय फुटबाल संघ) के साथ करार को देखते हुए हम कहीं भी और किसी भी समय चैंपियन्स लीग में खेलने के लिए तैयार हैं।

डाइचलैंड साईकिलिंग टूर रद्द की

पेरिस। कोरोना वायरस महामारी के कारण इस साल 20 से 23 अगस्त के बीच होने वाले डाइचलैंड साईकिलिंग टूर को रद्द कर दिया गया है। आयोजकों ने यह घोषणा की। कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए जर्मनी में 31 अगस्त तक सार्वजनिक आयोजनों पर रोक लगा दी गई है जिसके बाद आयोजकों ने यह फैसला किया। रेस के निदेशक क्लाउड राच ने बयान में कहा कि हम बेहद निराशा के साथ यह घोषणा कर रहे हैं कि वर्तमान परिस्थितियों और जर्मन सरकार के फैसले के कारण यह साफ हो गया कि इस साल डाइचलैंड टूर नहीं हो सकता है।

ट्रेनिंग पर प्रतिबंध से नाराज एआईसी

मिलान। इटली की फुटबाल खिलाड़ियों की यूनियन (एआईसी) ने टीम खेलों की ट्रेनिंग को स्वीकृति नहीं देने जबकि व्यक्तिगत खिलाड़ियों के लिए कोरोना वायरस से जुड़ी पाबंदियों में ढिलाई देने के सरकार के फैसले की आलोचना की है। प्रधानमंत्री ग्युसेप कोंटे ने घोषणा की है कि चार मई से व्यक्तिगत खेलों से जुड़े खिलाड़ी ट्रेनिंग कर सकते हैं लेकिन फुटबाल सहित टीम खेलों को कम से कम 18 मई तक इंतजार करना होगा। एआईसी ने कहा कि इस फैसले से फुटबालर हैरान हैं।

फुटबाल मैचों के आयोजन की उम्मीद नहीं

लंदन। विश्व फुटबाल की सर्वोच्च संस्था फीफा की चिकित्सा समिति के अध्यक्ष माइकल डी हूगे कोरोना वायरस महामारी के दौरान फुटबाल लीग को शुरू करने को लेकर आशंकित हैं और उन्होंने सुझाव दिया है कि राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को इसके बजाय अगले सत्र पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। जर्मनी में बुंडेसलिगा और इंग्लैंड की प्रीमियर लीग खाली स्टेडियमों में आयोजित करने पर चर्चा चल रही है। लेकिन फीफा मेडिकल पैनल के प्रमुख डी हूगे ने मंगलवार को बीबीसी से कहा, मेरा सुझाव है कि अगर यह संभव है तो अगले कुछ सप्ताह तक प्रतिस्पर्धी फुटबाल खेलने से बचना चाहिए।

चार मई से ट्रेनिंग शुरू कर सकेंगे एथलीट

मैड्रिड। स्पेन के पेशेवर खिलाड़ी चार मई से अपनी बेसिक ट्रेनिंग शुरू कर सकेंगे जिसमें ला लीगा के फुटबालर भी शामिल हैं। देश की सरकार ने यह घोषणा की। कोरोना वायरस महामारी के कारण स्पेन की शीर्ष फुटबाल लीग 12 मार्च से स्थगित है। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा कि लॉकडाउन हटाने की ओर लिए गए फैसले में यह पहला कदम होगा। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन दो महीने में चार चरण में हटाया जाएगा। इस घोषणा से लीग के क्लब अपने टीम के सदस्यों के साथ व्यक्तिगत सत्र शुरू कर सकते हैं लेकिन रिपोर्टों के अनुसार ट्रेनिंग पर लौटने से पहले सभी खिलाड़ियों को कोविड-19 स्क्रीनिंग परीक्षण कराना होगा। साथ ही मैदान पर एक बार में केवल छह खिलाड़ी ही उतर सकते हैं।

तुर्की की एथलीट डोप टेस्ट में फेल

पेरिस। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने कहा कि तुर्की की एथलीट गुलकान मिंगिर को लंदन 2012 ओलंपिक खेलों से अयोग्य घोषित कर दिया गया है क्योंकि उनका नमूना डोपिंग परीक्षण में पॉजिटिव आया है। 30 साल की मिंगिर आठ साल पहले महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में 27वें स्थान पर रही थीं। उन्होंने 2012 यूरोपीय चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। आईओसी ने बयान में कहा, मिंगिर के लंदन 2012 के नमूने दोबारा की गई जांच में प्रतिबंधित पदार्थ पाया गया है।

हसी की सर्वश्रेष्ठ विरोधी एकादश में सचिन, कोहली व सहवाग

भाषा। सिडनी

आस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज माइकल हसी ने बुधवार को भारत के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग, दिग्गज सचिन तेंदुलकर और वर्तमान कप्तान विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट में अपनी सर्वश्रेष्ठ विरोधी एकादश में शामिल किया। आस्ट्रेलिया की तरफ से 2005 से 2013 तक टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले हस्सी ने उन खिलाड़ियों को अपनी एकादश में जगह दी है जिनके खिलाफ उन्होंने टेस्ट मैच खेले। इस 44 वर्षीय क्रिकेटर ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाज के लिए मशहूर सहवाग और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ को अपनी सलामी जोड़ी बनाया है।

मध्यक्रम में उन्होंने ब्रायन लारा, तेंदुलकर, कोहली, जाक कैलिस और कुमार संगकारा को रखा है। हसी ने तेंदुलकर और कोहली को बल्लेबाजी क्रम में चौथे और पांचवें नंबर पर रखा है। उनके गेंदबाजी आक्रमण में दक्षिण अफ्रीका के डेल स्टेन, मोर्ने मोर्कल, इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन और श्रीलंकाई स्पिन दिग्गज मुथैया मुरलीधरन शामिल हैं। इस आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने कहा कि उनके लिए चेन्नई सुपरकिंग्स के उनके पूर्व साथी महेंद्र सिंह धोनी को बाहर रखना मुश्किल था। उन्होंने हालांकि अपने फैसले को सही बताया कि क्योंकि खेल के लंबे प्रारूप को देखते हुए उन्होंने धोनी पर संगकारा को प्राथमिकता दी। हसी ने कहा कि कुमार संगकारा, महेंद्र सिंह धोनी और एबी डिविलियर्स को लेकर मुझे काफी माथापच्ची करनी पड़ी, लेकिन मेरा मानना है कि धोनी और डिविलियर्स ने टी-20 और वनडे में अधिक प्रभाव छोड़ा है। संगकारा ने टेस्ट क्रिकेट में काफी प्रभाव छोड़ा है। हसी से ग्लेन मैकग्रा, शेन वार्न और ब्रेट ली जैसे गेंदबाजों का नेट्स पर सामना करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह बहुत मुश्किल होता था। उन्होंने कहा कि अगर आपने नेट सत्र आसानी से झेल दिया तो फिर आप टेस्ट क्रिकेट की कैसी भी परिस्थिति से पार पा सकते हो। मैं जब खेला करता था तब यह आस्ट्रेलियाई क्रिकेट की वास्तविक मजबूती थी। **माइकल हस्सी की सर्वश्रेष्ठ विरोधी एकादश** : वीरेंद्र सहवाग, ग्रीम स्मिथ, ब्रायन लारा, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, जॉक कैलिस, कुमार संगकारा, डेल स्टेन, मोर्ने मोर्कल, जेम्स एंडरसन, मुथैया मुरलीधरन।

डेविड वार्नर को जुलाई में होने वाले इंग्लैंड दौरे पर संदेह

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज डेविड वार्नर का मानना है कि कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए उनकी टीम का इंग्लैंड और स्काटलैंड दौरा करने की संभावना न के बराबर है। आस्ट्रेलिया को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 29 जून को स्काटलैंड के खिलाफ टी-20 मैच खेलना है। इसके बाद तीन जुलाई से वह विश्व चैंपियन इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी-20 और तीन वनडे मैचों की श्रृंखला खेलेगा। वार्नर ने कहा कि इंग्लैंड में जो कुछ हो रहा है उसे देखते हुए अभी हमारे वहां जाने की संभावना न के बराबर है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने एक जुलाई तक सभी तरह की क्रिकेट को स्थगित कर दिया है। इंग्लैंड की वेस्टइंडीज के खिलाफ जून में होने वाली टेस्ट श्रृंखला का भी नया कार्यक्रम तैयार किया गया है। आस्ट्रेलिया का जून में होने वाला बांग्लादेश दौरा पहले ही रद्द कर दिया गया है और जिम्बाब्वे के खिलाफ अगस्त में होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला के होने की भी संभावना नहीं है।

आईसीसी ने टी-10 फ्रेंचाइजी के भारतीय मालिक को प्रतिबंधित किया

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को भारतीय व्यवसाई दीपक अग्रवाल को प्रतिबंधित कर दिया जो संयुक्त अरब अमीरात में 2018 में हुई टी-10 लीग में एक फ्रेंचाइजी के मालिक थे। एक भ्रष्टाचार रोधी जांच में बाधा डालने की बात स्वीकार करने के बाद अग्रवाल के खिलाफ यह फैसला लिया गया।

उन्होंने भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लघंन की बात स्वीकार करने के बाद सहयोग की पेशकश की जिससे उन पर लगे दो साल के प्रतिबंध में से छह महीने निलंबित सजा है। अग्रवाल कुछ समय के लिए टी-10 टीम सिंधिज के मालिक थे, उन्हें संहिता के अंतर्गत 2018 चरण के दौरान भागीदार होने के नाते आरोपित किया गया।

भ्रष्टाचार रोधी इकाई की विस्तृत रिपोर्ट के अनुसार अग्रवाल को अज्ञात मिस्टर एक्स के साथ मिलकर सबूत मिटाने के लिए आरोपित किया गया जिन्हें भी प्रतिभागी बताया गया है। आईसीसी के आदेश के अनुसार, अग्रवाल ने मिस्टर एक्स को एक दूसरे के बीच हई बातचीत के सारे संदेश डिलीट करने को कहा और एसीयू की जांच में शामिल होने से पहले उन्होंने उसका नंबर भी डिलीट कर दिया।

ओलंपिक खेलों को स्थगित करने से करोड़ों डालर का नुकसान होगा: बाक

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थामस बाक ने बुधवार को कहा कि टोक्यो ओलंपिक खेलों को 2021 तक स्थगित करने से आईओसी को करोड़ों डालर का नुकसान होगा। जर्मनी के पूर्व ओलंपियन बाक ने ओलंपिक अभियान को लिखे पत्र में कहा कि हमें पहले ही पता है कि हमें खेलों को स्थगित करने के कारण करोड़ों अमेरिकी डालर का नुकसान उठाना होगा। बाक ने कहा कि आईओसी टोक्यो के प्रति अपनी वित्तीय जिम्मेदारी को पूरा करेगा लेकिन इसमें संभवत: कटौती की जा सकती है। उन्होंने कहा कि हमें साथ ही स्थगित हो चुके खेलों को हमारे द्वारा मुहैया कराई जाने वाली सभी सेवाओं पर गौर करना होगा और उनकी समीक्षा करनी होगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे ई-निविदा आमन्त्रण सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक, इंजीनियरिंग, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्रों में निविदा निम्न कार्यों के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है – ई-निविदा सूचना सं. 2020-21 : 13, कार्य का नाम व स्थान : **Zone contract-(Water Supply) Zone-5:- Supply of potable sweet drinking water to p-way gangs, staff qtrs., stations & L-xing etc. of Merta Road section under ADEN/ Merta Road for year 2020-2021 & 2021-2022.** अनुमानित लागत रुपये : Rs.33,65,170.38 बयाने की राषि रुपये : Rs.67,300.00 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि : 20.05.2020 ई-निविदा सूचना सं. 2020-21 : 14, कार्य का नाम व स्थान : **Zone contract- (Water Supply) Zone-5:- Supply of potable sweet drinking water to p-way gangs, staff qtrs., stations & L-xing etc. in the section Degana sub division under ADEN/ Degana for year 2020-2021 & 2021-2022.** अनुमानित लागत रुपये : Rs. 1,50,41,537.78 बयाने की राषि रुपये : Rs.2,25,200.00 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि : 20.05.2020 ई-निविदा सूचना सं. 2020-21 : 15, कार्य का नाम व स्थान : **Zone Contract (Water Supply) Zone-5:- Supply of potable sweet drinking water to P. Way Gangs, staff quarters, stations & L-xings etc. in the Line sub division under ADEN/Line/ Jodhpur for year 2020-21 & 2021-22.** अनुमानित लागत रुपये : Rs. 29,23,392.98 बयाने की राषि रुपये : Rs. 58,500.00 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि : 20.05.2020 ई-निविदा सूचना सं. 2020-21 : 16, कार्य का नाम व स्थान : **Zone Contract (Water Supply) Zone-5:- Supply of potable sweet drinking water to P. Way Gangs, staff quarters, stations and L-xings in the Jaisalmer sub division under ADEN/JAISALMER for year 2020-21 & 2021-22.** अनुमानित लागत रुपये : Rs.1,01,28,734.30 बयाने की राषि रुपये : Rs.2,00,700.00 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि : 20.05.2020 ई-निविदा सूचना सं. 2020-21 : 17, कार्य का नाम व स्थान : **(Water Supply) Zone-5:- Supply of potable sweet drinking water to P. Way Gangs, Staff quarters, stations and level crossings etc. Satlana(ex) to Bhildi(ex) under ADEN/Samdari for period 01.07.2020 to 30.06.2021 & 01.07.2021 to 30.06.2022 i.e. 2020-21 & 2021-22.** अनुमानित लागत रुपये : Rs. 37,24,321.88 बयाने की राषि रुपये : Rs. 74,500.00 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि : 20.05.2020 ई-निविदा सूचना सं. 2020-21 : 18, कार्य का नाम व स्थान : **(Water Supply) Zone-5:- Supply of potable sweet drinking water to P. Way Gangs, Staff quarters, stations and level crossings etc. from Samdari(ex) to Munabao under ADEN/ Barmer for period from 01.07.2020 to 30.06.2021 & 01.07.2021 to 30.06.2022 i.e. 2020-21 & 2021-22.** अनुमानित लागत रुपये : Rs.1,20,51,746.82 बयाने की राषि रुपये : Rs.2,10,300.00 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि : 20.05.2020, वेबसाईट का विवरण जहां पर ई-निविदा देखी व भरी जा सकती है : **www.ireps.gov.in**

419-SP/20

हमें /NWRailways पर फॉलो करें

अब अक्टूबर में होंगे थामस और उबेर कप

भाषा। नई दिल्ली

थामस और उबेर कप फाइनल्स को कोविड-19 महामारी के कारण दूसरी बार स्थगित कर दिया गया और विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने अब इन दोनों वैश्विक टीम चैंपियनशिप का आयोजन तीन से 11 अक्टूबर के बीच डेनमार्क के आर्थस में करने का फैसला किया है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इन टूर्नामेंट का आयोजन 16 से 24 मई के बीच होना था लेकिन विश्व भर में फैली महामारी के कारण 20 मार्च को इन्हें 15 से 23 अगस्त तक स्थगित कर दिया गया था। बीडब्ल्यूएफ ने बुधवार को फिर से इन टूर्नामेंट को स्थगित कर दिया। उसने कहा कि सितंबर से पहले इनका आयोजन करना संभव नहीं है।विश्व बैडमिंटन महासंघ ने बयान में कहा कि डेनमार्क सरकार का अपने देश में बड़े आयोजनों पर प्रतिबंध अगस्त के आखिर तक बढ़ाने के छह अप्रैल के निर्णय के बाद दोनों पक्ष इस पर सहमत थे कि इन चैंपियनशिप का आयोजन 15 से 23 अगस्त के बीच करना संभव नहीं होगा।

डिविलियर्स ने टीम की कमान संभालने की पेशकश से किया इनकार

मुंबई। दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने बुधवार को इस बात से इनकार किया कि राष्ट्रीय टीम ने उनसे टीम की कमान संभालने की पेशकश की थी जबकि कुछ घंटे पहले एक टीवी चैनल ने उनके हवाले से कहा था कि देश के क्रिकेट बोर्ड ने उन्हें यह पेशकश की थी। डिविलियर्स ने ट्वीट किया कि रिपोर्टों से लग रहा है कि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने मुझसे टीम की अगुआई करने को कहा था जो सच नहीं है। इन दिनों किस चीज पर विश्वास किया जाए।

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank | शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., तृतीय तल, प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली-110005

निम्नलिखित कर्जदार/रों ने उनके द्वारा बैंक से प्राप्त की गई ऋण सुविधाओं के मूलधन और ब्याज के भुगतान में चूक की है और ये ऋण अनार्जक आस्तियों (एनपीए) के रूप में श्रेणीबद्ध किए गए हैं। उनको, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अधीन एक सूचना उनके अंतिम ज्ञात पतों पर प्रेषित की गई थी, हालांकि यह सुपुर्द नहीं की जा सकी और इसलिए एतद्द्वारा उनको इस सार्वजनिक सूचना द्वारा अधिसूचित किया जा रहा है।

क्र. सं.	कर्जदार/सह-कर्जदार/गारंटर का नाम (ऋण खाता संख्या) एवं पता	प्रत्याभूत आस्ति/प्रवर्तित की जाने वाली आस्ति का सम्पत्ति पता	प्रेषित सूचना की तिथि/सूचना की तिथि तक बकाया राशि	एनपीए तिथि
1.	सरताज खान, सोफिया खान, मकान नंबर सी-81, गली नंबर 11/6, ब्लॉक-सी, चौहान बांगर, दिल्ली, खाता :- एलबीएनओडी00002132948	फ्लैट नंबर 113, भू तल, ब्लॉक-एफ, सुपरटेक पाम ग्रीन रेजिडेंसी, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, आवासीय कालोनी मेजर ध्यानचंद नगर में स्थित, मेरठ	03-03-2020 रू. 25,50,211/-	31/10/2019
2.	राकेश मेहता, आस्था मेहता, मकान नंबर 505ए, सत्यम अपार्टमेंट्स, प्लॉट नंबर 5, सेक्टर-18ए, द्वारका, दिल्ली, खाता :- एलबीएनओडी00002379178	फ्लैट नंबर 0104, प्रथम तल, टावर- एफ02, सरे ग्रीन पार्क, सेक्टर-92, गुड़गांव	03-03-2020 रू. 77,30,994/-	31/12/2019
3.	अजय कुमार गौतम, रितु गौतम, एफ-1743, 12वां तल, एवेन्यू गौड़ सिटी-02, जीएच-03, सेक्टर-16सी, ग्रेटर नोएडा, खाता :- एलबीएनओडी00003498122	प्लॉट नंबर जीएच-04बी-01, फ्लैट नंबर 1202, 12वां तल, टावर ई, मैस्कट मनोरथ, जीएच-4बी/1, सेक्टर-16, ग्रेटर नोएडा	03-03-2020 रू. 47,67,300/-	31/10/2019
4.	मनीष भारद्वाज, हिमांशी भारद्वाज, फ्लैट नंबर 101 जी 70/3, किरण गार्डन उत्तम नगर, दिल्ली, खाता :- एलबीएनओडी00004328627	फ्लैट नंबर सी 907, 9वां तल, टावर- सी, नाइनेक्स सिटी, ग्राम खेड़की दौला, सेक्टर-76, गुड़गांव	03-03-2020 रू. 72,29,224/-	31/12/2019
5.	प्रशान्त कुमार, सारिका गेरा, केजी-2/333, विकास पुरी, तिलक नगर, वेस्ट दिल्ली, दिल्ली, खाता :- एलबीएनओडी00004358586	फ्लैट नंबर सीवीएन-टी10-09/04, 9वां तल, सीएचडी वान, टावर 10, सेक्टर-71, गुड़गांव	03-03-2020 रू. 90,78,208.78/-	31/12/2019
6.	शाश्वत डोभाल, वंदना शर्मा, डी-703, 7वां तल, टावर डी, बेस्टेक पार्क व्यू स्पा नेक्स्ट, सेक्टर-67, गुड़गांव, खाता :- एलबीएनओडी00004662538	फ्लैट नंबर 003, भू तल, टावर- बी4, ऐवलॉन रोज वुड, ग्राम खानपुर, अलवर	03-03-2020 रू. 52,43,530/-	31/12/2019
7.	अंशु शर्मा, कबीर शर्मा, सी 8/72, गली नंबर 89, दयालपुर, करावल नगर नॉर्थ ईस्ट दिल्ली, दिल्ली, खाता :- एलबीएनओडी00004835022	फ्लैट नंबर 601, छठा तल, पाकेट-सी, प्रोजेक्ट-डिफेंस 64, फेज-II, श्रद्धापुरी आवासीय स्कीम, मेरठ	03-03-2020 रू. 47,02,124/-	31/12/2019
8.	अमर अग्रवाल, उमा अग्रवाल, 1711-बी, बेवरली, पार्क-II, डीएलएफ, गुड़गांव, खाता :- एलबीडीईएल00001348950	फ्लैट नंबर 1203, 12वां तल, टावर नंबर 5, यूनिवर्ल्ड सिटी, हॉरिजोन्स, कलकत्ता	04-03-2020 रू. 12,05,401/-	31/12/2019
9.	रवि आहूजा, सुनीता आहूजा, एफजी-1-73 सी, द्वितीय तल, विकास पुरी, दिल्ली, खाता :- एलबीडीईएल00001823453	फ्लैट नंबर 76, 7वां तल, ब्लॉक-ए, दि पंचवटी सीजीएचएस लिमिटेड, सुपर एचआईजी, विकासपुरी, प्लॉट नंबर 8 पर निर्मित, बोडेला फेज-II, नई दिल्ली	04-03-2020 रू. 4,87,795.3/-	31/08/2019
10.	पवन सैनी, पूजा सैनी, एच-38 बी, काल्काजी, नई दिल्ली, दिल्ली खाता :- एलबीडीईएल00002140662	फ्लैट नंबर 1101, टावर ई-3, 11वां तल, नियो टाउन, प्लॉट नंबर जीएच-03, टेकजोन-4, नोएडा	04-03-2020 रू. 14,24,905/-	31/12/2019
11.	परमेश्वर सिंह, अंजना कुमारी, 73 ए फेज 1, 2 एवं 3, शिवाली एन्क्लेव, ककरूला ग्राम, दिल्ली, खाता :- एलबीडीईएल00002290852	फ्लैट नंबर बी-22, 22वां तल, सम्पदा लिविया, टावर 6, सेक्टर चाई 5, प्लॉट नंबर जीएच-06/बी, ग्रेटर नोएडा	04-03-2020 रू. 16,99,893.22/-	31/10/2019
12.	बानी धमीजा, मनदीप सिंह धमीजा, एस-3/72 एसएफ, गली नंबर 4, कृष्णा पार्क, दिल्ली, दिल्ली, खाता :- एलबीडीईएल00002292483	एस-1/88, प्लॉट नंबर 63, ब्लॉक-ए, द्वितीय तल, छत का अधिकार नहीं, ओल्ड महाबीर नगर, नई दिल्ली	04-03-2020 रू. 28,05,632/-	31/12/2019
13.	विशाल चौधरी, सुप्रिया चौधरी, मकान नंबर ए 1/66/75, गली नंबर 1, रोडवेज बस डिपो के पीछे ईस्ट गोकलपुर, सबापुर शाहदरा दिल्ली, दिल्ली, खाता :- एलबीडीईएल00003081363	फ्लैट नंबर 107, प्रथम तल, प्लॉट नंबर जीएच-07, ऐंड्रोमिडा, प्लैनेट वन, टावर बी, कोयल एन्क्लेव, गाजियाबाद	04-03-2020 रू. 26,01,906/-	30/11/2019
14.	अर्पित खन्ना, शिल्पा, टी 25 जी004, पार्क फ्लोर, पार्ट 2 बीपीटीपी सेक्टर-76, फरीदाबाद, फरीदाबाद, खाता :- एलबीडीईएल00003146202	फ्लैट नंबर ए 004, जीएफ, पार्कवुड ग्लेड्स, टावर ए, खरार लैंडरान रोड, एसएएस नगर, मोहाली	04-03-2020 रू. 35,54,605/-	31/10/2019
15.	सुरेश कुमार गोस्वामी, शेर सिंह, मकान नंबर सी-344, द्वितीय तल, सेक्टर-1, अवन्तिका नॉर्थ वेस्ट दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली, खाता :- एलबीडीईएल00004789408	फ्लैट नंबर 202, डिफेंस 64, द्वितीय तल, मेरठ	04-03-2020 रू. 38,90,868/-	31/12/2019
16.	दीपक चंद, शारदा, बी 6/207, बी ब्लॉक पाकेट 6, सेक्टर-17, दिल्ली, रोहिणी खाता :- एलबीएफडीबी00004613524	फ्लैट नंबर डी-1601, प्लॉट नंबर जीएच-01सी, तल 16, स्काईटेक कलर्स, एवेन्यू टावर, सेक्टर-10, ग्रेटर नोएडा	04-03-2020 रू. 23,18,757/-	31/10/2019
17.	रवि कुमार, पूनम कश्यप, फ्लैट नंबर एस-5, ब्लॉक बी-13, द्वितीय तल, डीएलएफ दिलशाद एक्सटेंशन 2, साहिबाबाद, गाजियाबाद, खाता :- एलबीजीएचजैड00004530691	फ्लैट नंबर 2201, 22वां तल, टावर 3, यूनिबेरा प्लॉट नंबर जीउच-16एफ, सेक्टर-1, ग्रेटर नोएडा	04-03-2020 रू. 34,12,035/-	31/12/2019
18.	हतिन्दर तनेजा, रचना तनेजा, मकान नंबर 46 जीएफ, व्हाइट वुड मालिबु टाउन, सोहना सेक्टर-47, गुड़गांव, गुड़गांव, खाता :- एलबीजीयूआर00002382513	यूनिट नंबरजी-018, भू तल, प्लैटिनम टावर, सेक्टर-47, सोहना रोड, गुड़गांव,	04-03-2020 रू. 15,58,036/-	31/12/2019
19.	दिनेश कुमार नागपाल, सरला रानी, डब्ल्यू 2/178, द्वितीय तल, गली नंबर 25, संत गढ़, नई दिल्ली, दिल्ली खाता :- एलबीजीयूआर00002927868	फ्लैट नंबर सी-603, छठा तल, रहेजा महेश्वरा, टावर-सी, सेक्टर-11 तथा 14, सोहना, गुड़गांव	04-03-2020 रू. 23,38,263/-	31/12/2019
20.	दिनेश कुमार नागपाल, सरला रानी, डब्ल्यू 2/178, द्वितीय तल, गली नंबर 25, संत गढ़, नई दिल्ली, दिल्ली खाता :- एलबीजीयूआर00002927871	फ्लैट नंबर ए 704, 7वां तल, रहेजा महेश्वरा, टावर-सी, सेक्टर-11 तथा 14, सोहना, गुड़गांव	04-03-2020 रू. 35,21,534/-	31-12-2019
21.	राजेश अग्रवाल, एफ-296, प्रथम तल, गली नंबर 7, पांडव नगर, पटपड़गंज, नई दिल्ली, दिल्ली खाता :- एलबीजीयूआर00003365788	फ्लैट नंबर 1606, 16वां तल, टावर सी-6, ईको विलेज, सेक्टर-16बी, नोएडा	04-03-2020 रू. 22,00,283/-	30/11/2019
22.	अर्चना शर्मा, सुमित कुमार शर्मा, नंबर 172, ब्लॉक ए, सेक्टर-5, शीतला माता कालोनी, गुड़गांव, हरियाणा, खाता :- एलबीजीयूआर00003732828	फ्लैट नंबर 202, द्वितीय तल, ब्लॉक-आई, ईडब्ल्यूएस कॉम्प्लेक्स, सीसपाल विहार, एडब्ल्यूएचओ, सेक्टर-49, गुड़गांव	04-03-2020 रू. 12,71,206.9/-	31/12/2019
23.	गौरव सभरवाल, पूनम सभरवाल, एसएफ-2बी-88, रामप्रस्थ कालोनी, गाजियाबाद, खाता :- एलबीएनओडी00001736129	द्वितीय तल छत के अधिकार के साथ, प्लॉट नंबर बी-236, सेक्टर-12, राम प्रस्थ कालोनी, गाजियाबाद	04-03-2020 रू. 6,64,583/-	30/11/2019
24.	कमल मेहरा, अक्षी सूरी, ए-53, सेक्टर-36, नोएडा, नोएडा खाता :- एलबीएनओडी00002019703	यूनिट नंबर जीडीआई0173202, टावर 17, गार्डन आईजल्स, जेपी ग्रीन्स, विशटाउन, ग्रेटर नोएडा	04-03-2020 रू. 23,10,036/-	31/10/2019
25.	अजय कुमार, रश्मि शर्मा, डब्ल्यूजैड 131, टॉप फ्लोर, मीनाक्षी गार्डन, निकट सुभाष नगर, मेट्रो स्टेशन, दिल्ली खाता :- एलबीएनओडी00002054038	फ्लैट नंबर ए-1408, 14वां तल, टावर ए, फ्यूजन होम्स, प्लॉट नंबर जीएच 05ए, सेक्टर-टेकजोन-4, ग्रेटर नोएडा	04-03-2020 रू. 20,02,631/-	30/11/2019
26.	पंकज चुघ, रोमिता चुघ, ए-355, विकासपुरी, दिल्ली खाता :- एलबीएनओडी00002255426	फ्लैट नंबर 203, द्वितीय तल, ब्लॉक-के-1, कुमार इम्पीरियल ग्रीन्स, प्लॉट नंबर जीएच-01बी, सेक्टर-16, ग्रेटर नोएडा	04-03-2020 रू. 30,08,304/-	31/10/2019
27.	श्रद्धा गुप्ता, सिद्धार्थ कुमार पंसारी, एस 101 ए, द्वितीय तल, निकट पटपड़गंज रोड, पांडव नगर, शकरपुर, ईस्ट दिल्ली खाता :- एलबीएनओडी00002259975	फ्लैट नंबर 1742, 17वां तल, विलामेंट महागुन मंत्रा-2, विलामेंट प्लॉट नंबर जीएच-01ए, सेक्टर-10, ग्रेटर नोएडा	04-03-2020 रू. 14,21,974/-	31/10/2019
28.	अतिन सैनी, नितिन सैनी, ए-338, टेलीकॉम सिटी अपा., बी 9/6, सेक्टर-62, नोएडा, खाता :- एलबीएनओडी00002437339	फ्लैट नंबर 402, चतुर्थ तल, प्लॉट नंबर जीएच-03, ओमैक्स सिटी, शिवराज रेजिडेंसी, ग्राम सारंगपुरा, सांगानेर, जयपुर	04-03-2020 रू. 19,61,291/-	30/09/2019
29.	देवेश जलूथरिया, जितेश जलूथरिया, एच-16/635, बापा नगर, गली नंबर 13, मिलिटरी रोड, करोल बाग, दिल्ली खाता :- एलबीएनओडी00004766607	फ्लैट नंबर 804, 8वां तल, टावर वी, ओएसिस विनीशिया हाइट्स, प्लॉट नंबर एचआरए-12/ए, यूपीएसआईडीसी, सेक्टर-सूरजपुर साइट सी, ग्रेटर नोएडा	04-03-2020 रू. 22,12,958.98/-	31/10/2019
30.	दीपांशु मल्होत्रा, दर्शन कुमार मल्होत्रा, बी-23ए, तृतीय तल, काल्काजी, दिल्ली, खाता :- एलबीडीईएल00003094747	फ्लैट नंबर 502, 5वां तल, रहेजा महेश्वरा, सेक्टर-11 तथा 14, सोहना, गुड़गांव	09-03-2020 रू. 33,25,528/-	31/12/2019
31.	दीपांशु मल्होत्रा, दर्शन कुमार मल्होत्रा, बी-23ए, तृतीय तल, काल्काजी, दिल्ली, खाता :- एलबीडीईएल00003279056	फ्लैट नंबर 502, 5वां तल, रहेजा महेश्वरा, सेक्टर-11 तथा 14, सोहना, गुड़गांव	09-03-2020 रू. 1,75,411/-	31/12/2019
32.	अमर आनंद, दमयंती शाहू, 85ए II-ई कामना वैशाली, गाजियाबाद, खाता :- एलबीएनओडी00001212795	फ्लैट नंबर एस-4, द्वितीय तल, प्लॉट नंबर II-ए/145, वैशाली, गाजियाबाद	09-03-2020 रू. 3,21,625.1/-	31/10/2019
33.	अमर आनंद, दमयंती शाहू, 85ए II-ई कामना वैशाली, गाजियाबाद, खाता :- एलबीएनओडी00002065451	फ्लैट नंबर एस-4, द्वितीय तल, प्लॉट नंबर II-ए/145, वैशाली, गाजियाबाद	09-03-2020 रू. 5,73,577/-	31/10/2019
34.	हरीश सिंह, तनूजा, एच 89, टाइप 1, काली बाड़ी मार्ग, एनडीएमसी, दिल्ली दिल्ली, खाता :- एलबीडीईएल00004422437	फ्लैट नंबर 604, छठा तल, टावर नंबर एफ, अमात्रा होम्स, प्लॉट नंबर जीएच-02सी, सेक्टर-10, ग्रेटर नोएडा वेस्ट, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश	07-03-2020 रू. 15,27,330/-	31/12/2019
35.	लतेश, सत्य वीर सिंह, मकान नंबर 3653, गली नंबर 3, वार्ड नंबर 6, निकट नंगला चौक, जवाहर कालोनी, सेक्टर-22, फरीदाबाद, फरीदाबाद, हरियाणा, खाता :- एलबीएफडीबी00002407102	फ्लैट नंबर 1203, 12वां तल, टावर एच हैप्पी होम्स, ग्राम बुडेना, सेक्टर-86, फरीदाबाद	07-03-2020 रू. 16,55,334/-	30/11/2019
36.	तरूणा चावला, रवि चावला, मकान नंबर 10/106, सेक्टर-3, रोहिणी, दिल्ली, नई दिल्ली, खाता :- एलबीजीयूआर00002821238	फ्लैट नंबर वीएस/बी-802, 8वां तल, प्लॉट नंबर 1/2, वैभव खंड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201001	07-03-2020 रू. 33,41,045/-	30/11/2019
37.	तरूणा चावला, रवि चावला, मकान नंबर 10/106, सेक्टर-3, रोहिणी, दिल्ली, नई दिल्ली, खाता :- एलबीजीयूआर00002821262	फ्लैट नंबर वीएस/बी-802, 8वां तल, प्लॉट नंबर 1/2, वैभव खंड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201001	07-03-2020 रू. 17,93,823/-	30/11/2019

सूचना प्रदान करने हेतु वैकल्पिक कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त कर्जदार/रों तथा/अथवा उनके गारंटरों (जैसा लागू है) को बकाया राशि का भुगतान इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की सलाह दी जाती है, अन्यथा आगे वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

तिथि : 30-04-2020
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

बैंकों का पैसा नहीं लौटाने वालों को संप्रग सरकार में दिया गया कर्ज: सीतारमण

भाषा। नई दिल्ली

बैंकों का कर्ज नहीं लौटाने वालों के बकाए को बट्टे खाते में डाले जाने के मुद्दे पर कांग्रेस पर पलटवार करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि जानबूझकर बैंकों का कर्ज नहीं लौटाने वाले जितने भी डिफाल्टर है उन सभी को कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय में फोन बैंकिंग का लाभ मिला था, जबकि मोदी सरकार बकाए की वसूली के लिए उनकी धरपकड़ में लगी है। सीतारमण ने विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए यह बात कही है। विपक्ष का आरोप है कि मोदी सरकार ने पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही में बैंकों का कर्ज नहीं चुकाने वाले शीर्ष 50 डिफाल्टरों का करीब 68,607 करोड़ रुपए का कर्ज बट्टे खाते में डालकर एक तरह से माफ कर दिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मानना है कि कांग्रेस नेतृत्व वाले संप्रग शासन काल में सत्ता बैठे लोगों द्वारा बैंक प्रबंधन को फोन कर अपने चहेते लोगों को कर्ज दिलाया जाता रहा। भाजपा कांग्रेस शासनकाल की इसी कार्वाई को फोन बैंकिंग लाभ कहकर कांग्रेस पर हमला करती है। वित्तमंत्री ने देर रात एक के बाद एक कई ट्वीट कर विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस लोगों को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को आत्मावलोकन करना चाहिए कि उनकी पार्टी पूरे तंत्र को साफ- सुथरा बनाने में रचनात्मक भूमिका निभाने में क्यों असफल रही।

उत्तर पश्चिम रेलवे ई-निविदा आमन्त्रण सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक, इंजीनियरिंग, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्रों में निविदा निम्न कार्यों के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है – ई-निविदा सूचना सं. 2020-21 : 19. कार्य का नाम व स्थान : **Zone Contract :- (Hiring of Vehicle) Zone-4 Hiring of Truck, Multi Utility Vehicle, Tractor for leading of P Way materials and different other purpose in the section of ADEN-MTD for year 2020-2021 & 2021-2022.** अनुमानित लागत रुपये : Rs. 94,08,099.36, बयाने की राशि रुपये : Rs. 1,88,200.00, निविदा प्रस्तुत करने की तिथि: 21.05.2020 ई-निविदा सूचना सं. 2020-21 : 20. कार्य का नाम व स्थान : **Zone Contract :- (Hiring of Vehicle) Zone-4 Hiring of Truck, Multi Utility Vehicle, Tractor for leading of P Way materials and different other purpose in the section of ADEN/Degana For year 2020-2021 & 2021-2022.** अनुमानित लागत रुपये : Rs. 1,05,82,175.32, बयाने की राशि रुपये : Rs. 2,02,900.00, निविदा प्रस्तुत करने की तिथि: 21.05.2020 ई-निविदा सूचना सं. 2020-21 : 21. कार्य का नाम व स्थान : **Zone Contract (Hiring of Vehicle) Zone-4:- Hiring of truck, multi utility vehicle & tractor for leading of P.Way materials and different other purpose in the section of ADEN/Line/Jodhpur for year 2020-21 & 2021-22.** अनुमानित लागत रुपये : Rs. 65,30,690.80, बयाने की राशि रुपये : Rs. 1,30,600.00, निविदा प्रस्तुत करने की तिथि: 21.05.2020 ई-निविदा सूचना सं. 2020-21 : 22. कार्य का नाम व स्थान : **Zone Contract (Hiring of Vehicle) Zone-4:- Hiring of truck, multi utility vehicle & tractor for leading of P.Way materials and different other purpose in the section of ADEN/JAISALMER for year 2020-21 & 2021-22.** अनुमानित लागत रुपये : Rs. 65,90,805.50, बयाने की राशि रुपये : Rs. 1,31,800.00, निविदा प्रस्तुत करने की तिथि: 21.05.2020 ई-निविदा सूचना सं. 2020-21 : 23. कार्य का नाम व स्थान : **(Hiring of Vehicle)Zone -4 (a):- Hiring of multi utility Vehicle & Tractor for leading of P.way material and different other purpose for SSE/PW/SMR in the section of ADEN/SMR Hiring of truck for leading of P.way material & different other purpose in the section of DEN/West for year 2020-21 & 2021-22** अनुमानित लागत रुपये : Rs. 66,94,438.80, बयाने की राशि रुपये : Rs. 1,33,900.00, निविदा प्रस्तुत करने की तिथि: 21.05.2020 ई-निविदा सूचना सं. 2020-21 : 24. कार्य का नाम व स्थान : **(Hiring of) Zone -4 (b):- Hiring of multi utility Vehicle & Tractor for leading of P.way material and different other purposes for SSE/PW/Jalore & SSE/PW/Dhanera in the section of ADEN/SMR for year 2020-22 i.e. 01.07.2020 to 30.06.2021 & 01.07.2021 to 30.06.2022** अनुमानित लागत रुपये : Rs. 73,19,185.86 बयाने की राशि रुपये : Rs. 1,46,400.00, निविदा प्रस्तुत करने की तिथि: 21.05.2020 ई-निविदा सूचना सं. 2020-21 : 25. कार्य का नाम व स्थान : **(Hiring of vehicle):- Zone 4(a)-Hiring of truck, multi utility vehicle & tractor for leading of P.Way material and different other purpose of SSE/P.Way/GDD in the section of ADEN/Barmer for year 2020-21 & 2021-22.** अनुमानित लागत रुपये : Rs. 86,21,401.10 बयाने की राशि रुपये : Rs. 1,72,400.00, निविदा प्रस्तुत करने की तिथि: 21.05.2020 ई-निविदा सूचना सं. 2020-23 : 26. कार्य का नाम व स्थान : **(Hiring of vehicle):- Zonc 4(b)-Hiring of truck, multi utility vehicle & tractor for leading of P.Way material and different other purpose of SSE/PW/Barmer '& Balotra in the section of ADEN/Barmer from 01-07-2020 to 30-06-2021 & 01-07-2021 to 30-06-2022 i.e. 2020-21 & 2021-22.** अनुमानित लागत रुपये : Rs.73,28,556.18 बयाने की राशि रुपये : Rs. 1,46,600.00, निविदा प्रस्तुत करने की तिथि: 21.05.2020 ई-निविदा सूचना सं. 2020-23 : 27. कार्य का नाम व स्थान : **Zone Contract (Hiring of Vehicle):- Zone-9 For year 2020-21 & 2020-21 :- Hiring of truck, multi utility vehicle & tractor for leading of P.Way materials and different other purpose in the section of ADEN/HQ/Jodhpur.** अनुमानित लागत रुपये : Rs. 15,45,130.12 बयाने की राशि रुपये : Rs. 31,000.00 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि: 21.05.2020 ई-निविदा सूचना सं. 2020-23 : 28. कार्य का नाम व स्थान : **Zone Contract (Hiring of Vehicle) Zone-I:- Hiring of multi utility vehicle for Leading/carrying of USFD Machine and equipment's under XEN/TR,track machines equipments and bridge repair equipments under AEN/ TMC and inspection under AEN/Bridge and other works under XEN/Track/Jodhpur for year 2020-21 & 2021-22.** अनुमानित लागत रुपये : Rs. 37,00,632.06 बयाने की राशि रुपये : Rs. 74,000.00 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि: 21.05.2020 ई-निविदा सूचना सं. 2020-23 : 29. कार्य का नाम व स्थान : **Zone Contract (Water Purification & Maintenance of Aqua Guard) Zone-I0:- For year 2020-21 & 2021-22 Maintenance and supply of consumables for effective operation of chlorinatorand water purification equipments & water softening/filter plants over Jodhpur division, thermostat lining under ADEN/HQ/Jodhpur.** अनुमानित लागत रुपये : Rs. 20,54,832.80 बयाने की राशि रुपये : Rs. 41,100.00 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि: 21.05.202 वेबसाईट का विवरण जहॉं पर ई-निविदा देखी व भरी जा सकती है। **www.ireps.gov.in**

423-SP/20

हमें /NWRailways पर फॉलो करें

न्यूयार्क के एनवाईयू में स्वास्थ्यकर्मियों के सम्मान का एक दृश्य

क्विक न्यूज

लॉकडाउन में इज़राइल ने अपना स्वतंत्रता दिवस मनाया

यरुशलम। इज़राइल वासियों ने कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने लिए लागू लॉकडाउन के दौरान बुधवार को अपने घरों में ही स्वतंत्रता दिवस मनाया। सन 1948 में आज ही के दिन ब्रिटिश शासन खत्म होने के बाद इज़राइल के अस्तित्व में आने की याद में 29 अप्रैल को देश में स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। आमतौर पर इस दिन अवकाश होता है, उत्सव मनाए जाते है, लोग तटों पर जाते है, दावतें करते है और आतिशबाजी देखते है। इस साल सरकार ने कोरोना वायरस महामारी की वजह से लोगों के जमा होने पर रोक लगा रखी है और आदेश दिया है कि लोग अपने घरों के 100 मीटर के दायरे में ही रहें। आदेश के अनुसार, अगर उन्हें दवाई या जरूरी सामान लेना है तो ही 100 मीटर के दायरे से बाहर निकलें। देश में सार्वजनिक परिवहन बंद है। इज़राइली वायुसेना ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर विमानों से करतब के अपने सालाना कार्यक्रम को स्वास्थ्य कर्मियों को समर्पित किया। देश में कोरोना वायरस के 15,700 मामले सामने आए हैं और कम से कम 210 लोगों की मौत हुई है।

पाकिस्तान ने संघर्ष विराम उल्लंघन को लेकर वरिष्ठ भारतीय राजनयिक को तलब किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने बुधवार को भारतीय उच्चायोग के एक वरिष्ठ राजनयिक को तलब किया और नियंत्रण रेखा के पास भारतीय बलों द्वारा संघर्ष विराम का कथित तौर पर उल्लंघन किए जाने पर अपना विरोध दर्ज कराया। विदेश कार्यालय ने दावा किया कि मंगलवार को रखचिकरी सेक्टर में भारतीय बलों द्वारा अंधाधुंध और अकारण गोलाबारी किए जाने के कारण दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। विदेश कार्यालय ने आरोप लगाा कि भारतीय सुरक्षा बलो ने नियंत्रण रेखा और कामकाजी सीमा (डब्ल्यूबी) के पास आबादी वाले क्षेत्रों को भारी और स्वचालित हथियारो से निशाना बनाया। विदेश कार्यालय ने कहा कि भारतीय पक्ष को 2003 के संघर्ष विराम समझौते का सम्मान करने, इस संघर्ष विराम उल्लंघन और ऐसी अन्य घटनाओं की जांच कराने तथा सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए बुलाया गया था।

पाकिस्तान में हिंदू विधायक कोरोना वायरस से संक्रमित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक वरिष्ठ हिंदू विधायक के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। अधिकारियो ने बुधवार को यह जानकारी दी।सिंध विधानसभा के सदस्य राणा हमीर सिंह 2018 में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के टिकट पर थारपार्कर जिला से निर्वाचित हुए थे। थारपार्कर के उपायुक्त शहजाद ताहिर ने संवाददाताओं को बताया कि सिंह के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। सिंह अमरकोट के 26वें राणा हैं। उनके पिता राणा चंद्र सिंह 1990 के दशक में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के मंत्रिमंडल में मंत्री थे। इस बीच, पाकिस्तान में कोरोना वायरस के मामले बढ़कर 14,885 तक पहुंच गए। इनमें से 327 लोगों की मौत हो चुकी है।

तुर्की में 31 मई तक बंद रहेंगे स्कूल

अंकारा। कोरोना वायरस महामारी के खतरे के मद्देनजर तुर्की में सभी स्कूल मई अंत बंद रहेंगे।शिक्षा मंत्री जिया सेलसुक ने बुधवार को कहा कि टेलीविजन प्रसारण और इंटरनेट के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा प्रणाली 31 मई तक जारी रहेगी।तुर्की ने 12 मार्च को देश भर के स्कूलों को बंद कर दिया था। उसके एक दिन बाद देश में कोविड-19 संक्रमण के पहले मामले की पुष्टि हुई थी।देश में अब तक कोविड-19 संक्रमण के लगभग 115,000 मामले सामने आए है और संक्रमण से 2,992 लोगों की जान जा चुकी है।

पेंस बिना मास्क लगाए मेयो क्लीनिक जाने पर निशाने पर आए

रोचेस्टर (अमेरिका)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने मिनेसोटा में मेयो क्लीनिक जाने के दौरान मास्क नही लगाया और इसके लिए उनकी आलोचना हो रही है। एक वीडियो सामने आया है जिसमे दिख रहा है कि कोविड-19 संक्रमण से ठीक हुए मेयो के कर्मचारी से मिलने के दौरान पेंस ने मास्क नही लगाया है जबकि कमरे में अन्य लोग मास्क लगाए हुए है। पेंस जब मेयो की प्रयोगशाला मे गए, तब भी उन्होंने मास्क नही लगाया हुआ था। इस प्रयोगशाला में अस्पताल कोरोना वायरस की जांच करता है। कोरोना वायरस से ठीक हुआ यह कर्मचारी अब अन्य लोगों के इलाज के लिए प्लाज्मा दे रहा है। कोरोना वायरस जांच और शोध कार्यक्रम पर गोलमेज चर्चा के दौरान भी सिर्फ पेंस ने ही मास्क नही लगाया था, जबकि खाद्य एवं औषधि प्रशासन के प्रमुख स्टीफन हन, मेयो के शीर्ष अधिकारी, गवर्नर टिम वाल्ज और अमेरिकी प्रतिनिधि जिम हैगेडॉर्न समेत सभी लोगो ने मास्क लगाया हुआ था। मेयो ने ट्वीट किया कि उसने उपराष्ट्रपति के आने से पहले उन्हे अपनी नीति के बारे में जानकारी दी थी।इस ट्वीट को बाद में हटा दिया गया था। वही उपराष्ट्रपति कार्यालय ने भी तत्काल इस पर कोई टिप्पणी नही की कि पेंस ने मास्क क्यो नही लगाया था।

ब्रिटेन के पीएम बोरिस जॉनसन की मंगेतर ने बेटे को जन्म दिया

● प्रधानमंत्री और साइमंड्स ने एनएचएस (राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा) के डॉक्टरों-नर्सों का शुक्रिया अदा किया है कुछ दिन पहले जॉनसन (55) कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए थे

भाषा। लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की मंगेतर कैरी साइमंड्स ने एक बेटे को जन्म दिया है। लंदन के एक सरकारी अस्पताल में बुधवार को बच्चे का जन्म हुआ। माना जाता है कि समय से पहले ही बच्चे का जन्म हुआ है लेकिन मां और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

उनके एक प्रवक्ता ने बुधवार को बताया, प्रधानमंत्री और साइमंड्स अपने बच्चे के जन्म की सूचना देते हुए काफी खुशी महसूस कर रहे हैं। आज सुबह लंदन के एक अस्पताल में साइमंड्स ने बेटे को जन्म दिया। प्रवक्ता ने कहा, मां और बच्चा दोनों ठीक हैं। प्रधानमंत्री और साइमंड्स ने एनएचएस (राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा) के डॉक्टरों-नर्सों का शुक्रिया अदा किया है। कुछ दिन पहले जॉनसन (55) कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए थे। अस्पताल में उपचार के बाद वह सोमवार को प्रधानमंत्री कार्यालय डाउनिंग स्ट्रीट लौटे। वह बकिंघमशायर में अपने निवास में स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं। उनकी मंगेतर भी वहां उनके साथ थीं। जॉनसन के अस्पताल से लौटने पर साइमंड्स ने अपनी खुशी का इजहार करते हुए कुछ ट्वीट किए थे।इस जोड़े ने फरवरी के अंत में सगाई की घोषणा की थी। उसी समय यह भी पता चला था कि गर्मी में दोनों माता-पिता बनने वाले हैं।

कोविड-19: अमेरिका में मृतकों की संख्या 58,000 से अधिक

● कोरोना वायरस के मामले 10 लाख के पार

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 10 लाख के पार चली गई और इससे मरने वाले लोगों की संख्या 58,000 से अधिक हो गई है। हालांकि कई राज्यों ने संक्रमण और मौत के मामलों में गिरावट के संकेतों के बीच अपनी अर्थव्यवस्थाओं को फिर से खोलने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा, हम मृतकों के साथ-साथ उन अमेरिकियों के लिए प्रार्थना करते रहेंगे जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया। ऐसा पहले कभी कुछ नहीं हुआ। हम दिल से चोट खाए हुए हैं लेकिन हम मजबूत बने रहेंगे। हम वापसी कर रहे हैं और हम मजबूती से वापसी कर रहे हैं। अमेरिका मंगलवार को दुनिया का पहला ऐसा देश बन गया है जहां कोरोना वायरस के मामले 10 लाख के पार चले गए। यह दुनियाभर में आए 31 लाख मामलों का करीब एक तिहाई है। वहीं अमेरिका में करीब 59,000 लोगों की मौत के साथ ही दुनियाभर में 2,13,000 से अधिक लोगों की मौत की यह एक चौथाई संख्या है।ट्रंप ने कहा, अब हमारे विशेषज्ञों का मानना है कि इस वैश्विक महामारी का बुरा दौर बीत चुका है और अमेरिकी हमारे देश को सुरक्षित तथा तेजी से फिर से खोलने की ओर देख रहे हैं। उन्होंने कहा, इस परेशानी के वक्त करोड़ों मेहनती अमेरिकियों को बहुत, बहुत बड़े त्याग देने के लिए कहा गया। यह ऐसे बलिदान है जिसके बारे में किसी ने कभी सोचा भी नहीं होगा, किसी ने नहीं सोचा था कि हम कभी किसी ऐसी स्थिति के बारे में बात करेंगे। कैलिफोर्निया में गवर्नर गैविन न्यूसम ने अपने राज्य को चरणबद्ध तरीके से फिर से खोलने की घोषणा की। कैलिफोर्निया में कोरोना वायरस से 1,800 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। स्कूल और कॉलेज जुलाई-अगस्त से खुल सकते हैं।

कैलिफोर्निया और वाशिंगटन पहले दो राज्य थे जिन्होंने घर में रहने का आदेश लागू किया था। अब देश की 95 प्रतिशत से अधिक आबादी अपने घरों में सिमटी हुई है। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने भी राज्य को फिर से खोलने के पहले चरण की घोषणा की।

टेनेसी ने सोमवार को रेस्तरां फिर से खोलने की मंजूरी दी और इस सप्ताह के अंत तक रिटेल आउटलेट्स भी खुल सकते हैं। पेन्सिलवेनिया ने तीन मई से राज्य को तीन चरणों में फिर से खोलने की घोषणा की।

दक्षिण कैरोलिना, ओरेगोन, ओक्लाहोमा, ओहियो जैसे राज्यों ने अपनी अर्थव्यवस्थाओं को चरणबद्ध तरीके से फिर से खोलने की घोषणा की है। उटाह राज्य ने मंगलवार को पाबंदियों में छूट देने की घोषणा की और अपने निवासियों को मास्क देने की पेशकश दी। अमेरिका में कोरोना वायरस का केंद्र बनकर उभरे न्यूयॉर्क में गैर आवश्यक कारोबारों को 15 मई तक बंद रहने का आदेश दिया गया है।

सवालों के जवाब में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने दुनिया में किसी भी अन्य देश के मुकाबले अधिक जांच की है। उन्होंने कहा, हम दुनिया में अभी तक किसी भी अन्य देश के मुकाबले अधिक जांच कर रहे हैं...इसलिए और अधिक मामले सामने आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वह विशेषज्ञों पर भरोसा कर रहे थे लेकिन वह भी इसमें गलत साबित हुए। उन्होंने कहा, हम विशेषज्ञों की सुन रहे थे और हम हमेशा विशेषज्ञों की सुनेंगे। लेकिन विशेषज्ञ गलत साबित हुए। कई लोग गलत साबित हुए। और कई लोगों को अंदाजा नहीं था कि यह इतना गंभीर होगा। राष्ट्रपति ने कहा, मैंने विशेषज्ञों को सुना। मैंने अपना देश और अपनी सीमाएं बंद कर दी। मैंने चीन से अमेरिकी नागरिकों के अलावा अन्य के आने पर प्रतिबंध लगा दिया और हमने अपने नागरिकों की भी कड़ी जांच की। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था फिर से खुल रही है।

कोरोना वायरस को चीन में ही नहीं रोका गया इसलिए दुनिया के 184 देश नर्क से गुजर रहे हैं

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर कोरोना वायरस को शुरुआती स्तर पर रोकने में विफल रहने को लेकर हमले तेज कर दिए हैं। उनका कहना है कि इसके कारण दुनिया के 184 देश नर्क जैसी स्थिति से गुजर रहे हैं। इसी बीच अमेरिकी सांसदों ने मांग की है कि निर्माण और खनिज के लिए चीन के ऊपर निर्भरता कम की जाए। ट्रंप लगातार अदृश्य शत्रु के प्रकोप के लिए सार्वजनिक स्तर पर चीन को दोषी ठहरा रहे हैं और इस संबंध में उन्होंने जांच भी शुरू की है। उन्होंने यह भी संकेत दिए हैं कि वह जर्मनी द्वारा क्षति के लिए चीन से मांगे गए 140 अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा मुआवजे के बारे में सोच रहे हैं।अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी के नेताओं का मानना है कि अगर चीन शुरुआती स्तर पर इस वायरस को लेकर जानकारियां साझा करता तो वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्था की हालत इतनी बुरी नहीं होती और इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जानें नहीं जाती।ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, यह 184 देशों में है। जैसा कि आप मुझे यह कहते हुए प्रायः सुन सकते हैं कि इस पर विश्वास करना मुश्किल है। यह समझ से परे है। इसे स्रोत पर ही रोका जा सकता था, जो कि चीन में था। इसे वहीं रोका जा सकता था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। और अब 184 देश नर्क से गुजर रहे हैं। पिछले साल मध्य नवंबर में यह वायरस चीन से उभरा था और अब तक पूरी दुनिया में दो लाख से ज्यादा लोगों की मौत इसकी वजह से हो चुकी है। सबसे ज्यादा 59,000 लोगों की मौत अमेरिका में हुई है। अमेरिका में इसके व्यापक प्रकोप की वजह से ट्रंप पर लगातार अमेरिकी सांसद यह दबाव डाल रहे हैं कि बीजिंग पर अमेरिका की निर्भरता कम की जाए। उन्होंने चीन से मुआवजा मांगे जाने की बात भी कही है।

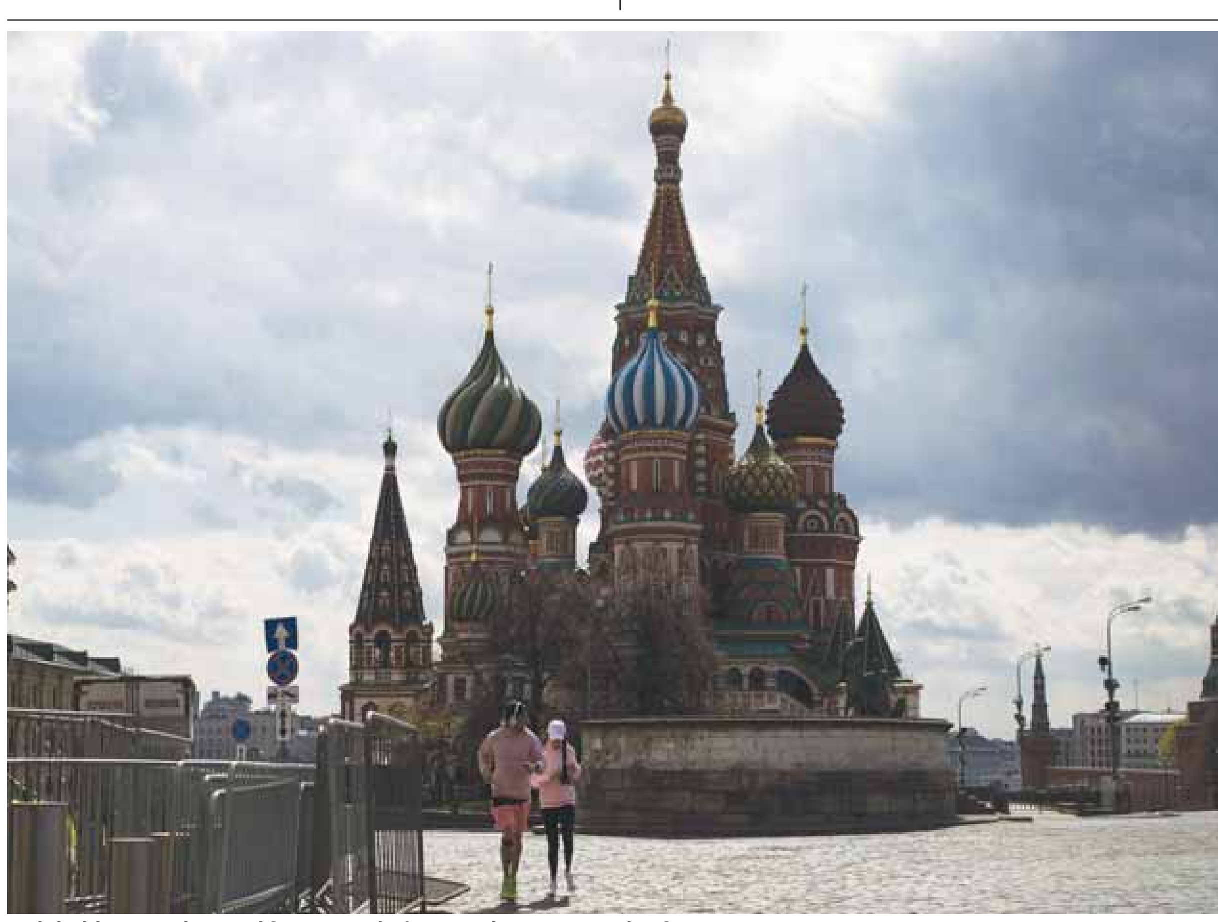

मास्को में कोरोना वायरस के कारण घोषित लाकडाउन के बीच सूनसान रेड स्कावयर पर जाते दंपति

लॉकडाउन नियमों में ढील देने के बीच दुनियाभर में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सतर्कता बरतने की अपील की

बैंकॉक(भाषा)। कई सरकारों के कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगाई पाबंदियों में ढील देने की शुरुआत करने के साथ ही दुनियाभर के स्वास्थ्य अधिकारी लोगों से सतर्क रहने की अपील कर रहे हैं, ताकि इस महामारी के खिलाफ लड़ाई में मुश्किल से हासिल की गई जीत को गंवा न बैठे।लंबी छुट्टियां मनाने जा रहे दक्षिण कोरियाई लोगों से अधिकारियों ने बुधवार को यात्रा करने से पहले दो बार सोचने और मास्क पहनते रहने, भोजन साझा न करने और अगर बीमार महसूस कर रहे हैं, तो घर पर ही रहने का अनुरोध किया।दक्षिण कोरिया के उप स्वास्थ्य मंत्री किम गैंग-लिप ने कहा, हमें बड़े पैमाने पर संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए एक पल के लिए भी लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। चीन के बाद दक्षिण कोरिया पहला देश था, जहां विषाणु के सबसे अधिक मामले देखे गए लेकिन सबसे ज्यादा प्रभावित कई अन्य क्षेत्रों की तरह यहां मामलों की संख्या में कमी आई है।बुधवार को वहां महज नौ नए मामले आए, जिससे सरकार ने अपने सामाजिक दूरी बनाने संबंधी दिशा-निर्देशों में ढील दी और स्कूलों को फिर से खोलने के लिए तैयार रहने को कहा। जापान में भी अधिकारियों ने लोगों से देश में आगामी गोल्डन वीक अवकाश के दौरान यात्रा न करने के लिए कहा है। गोल्डन वीक जापान में छुट्टियों के सप्ताह को कहा जाता है।दुनिया के अन्य देशों की तरह ही अमेरिका में भी यह बहस शुरू हो गई है कि कब और कैसे देश को फिर से खोला जाए। कुछ राज्यों ने तो कोरोना वायरस से संबंधित पाबंदियों को हटाना शुरू कर दिया है। फ्रांस, स्पेन और यूनान जैसे देशों ने हाल ही में कारोबारों और स्कूलों को फिर से खोलने की रूपरेखा की घोषणा की। इतालवी बिशपों ने शिकायत की कि इटली सरकार ने देश को फिर से खोलने की अपनी योजना में धार्मिक सभाओं को बहाल करने की पेशकश नहीं दी, जिसके बाद पोप फ्रांसिस ने धार्मिक गतिविधियों पर पाबंदियों को लेकर बहस छेड़ दी।

चीन 22 मई से संसद का वार्षिक सत्र आयोजित करेगा

भाषा। बीजिंग

चीन 22 मई से संसद का वार्षिक सत्र आयोजित करेगा। पहले संसद सत्र पांच मई से शुरू होना था लेकिन कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण यह स्थगित हो गया था।

यह संकेत देता है कि करीब तीन महीने से अधिक समय तक इस बीमारी का प्रकोप झेलने के बाद चीन में हालात आखिरकार काबू में हैं। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बुधवार को बताया कि नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) की स्थाई समिति के नियमित सत्र में यह फैसला लिया गया।

उसने बताया कि मार्च की शुरुआत में होने वाले 13वीं एनपीसी का तीसरा सत्र कोरोना वायरस के कारण स्थगित कर दिया गया था। अब यह बीजिंग में 22 मई से शुरू होगा।इसके साथ ही राष्ट्रीय सलाहकार संस्था चाइनीज पीपुल्स पॉलिटिकल कंसल्टेटिव कांफ्रेंस (सीपीपीसीसी) का वार्षिक सत्र 21 मई को बीजिंग में आयोजित होने की संभावना है।शिन्हुआ ने बताया कि सीपीपीसीसी की चेयरपर्सन काउंसिल की हाल ही में हुई बैठक में यह सिफारिश की गई।एनपीसी और सीपीपीसीसी का वार्षिक सत्र चीनी नव वर्ष के तुरंत बाद हर साल आयोजित किया जाता है जिसमें सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी साल के लिए बजट समेत अपने राष्ट्रीय एजेंडे की जानकारी देती है।चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बुधवार को अपनी दैनिक रिपोर्ट में कहा कि देश में मंगलवार को बिना लक्षण वाले 26 नए मामलों के अलावा कोविड-19 के 22 मामलों की पुष्टि की गई।चीन में मंगलवार तक संक्रमित लोगों की संख्या 82,858 पर पहुंच गई जिनमें 647 वे मरीज भी शामिल हैं जिनका अब भी इलाज चल रहा है और 77,578 लोगों को अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई।उसने बताया कि इस बीमारी से अब तक 4,633 लोगों की मौत हो चुकी है। चीन में मंगलवार तक दूसरे देशों से आए रोगियों की संख्या 1,660 पर पहुंच गई है जिनमें से 553 का इलाज चल रहा है और 22 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।दोनों सत्रों को आयोजित करने की घोषणा के मद्देनजर चीन ने बीजिंग शहर को सैनिटाइज कर दिया है। उसने विदेशों से चीनी नागरिकों को लाने वाले विमानों का मार्ग भी विभिन्न शहरों की ओर परिवर्तित कर दिया है जहां उनकी जांच की जाए और उन्हें पृथक किया जाए। देश ने वीजा रद्द करके विदेशियों के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी है। चीन में संक्रमितों की संख्या में कमी होने के साथ ही बीजिंग में अधिकारियों ने कोविड-19 के लिए खास तौर पर बनाए एक अस्पताल से सभी मरीजों को छुट्टी देने के बाद इसे बंद कर दिया है।

विदेशों से 71,000 अमेरिकी लौटे,भारत और पाकिस्तान से मिले स्वेदश वापसी के सर्वाधिक अनुरोधः अधिकारी

वाशिंगटन। अमेरिका 127 देशों में फंसे अपने 71,000 से अधिक नागरिकों को वापस लाया है और अब उसे भारत और पाकिस्तान से स्वदेश वापसी के सर्वाधिक अनुरोध मिले हैं।विदेश विभाग के प्रवक्ता मॉर्गन ऑर्टागस ने संवाददाताओं को बताया, 29 जनवरी से हम 127 देशों से 750 विमानों के जरिए 71,538 अमेरिकियों को देश लेकर आए। दूतावास संबंधी मामलों में प्रधान उपसहायक विदेश मंत्री इयान ब्राउनी ने कहा, दक्षिण एवं मध्य एशिया क्षेत्र खासकर भारत और पाकिस्तान से सर्वाधिक संख्या में अमेरिकी नागरिकों के स्वदेशी वापसी के अनुरोध मिले हैं। उन्होंने बताया कि अगले एक हफ्ते में 63 उड़ानों की योजना है जिनमें करीब चार हजार अमेरिकियों को स्वदेश लाया जाएगा।

जो बाइडेन के समर्थन में आईं हिलेरी क्लिंटन

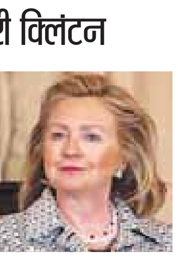

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस में सत्तासीन होने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चुनौती देने की दौड़ में शामिल जो बाइडेन के पक्ष में हिलेरी क्लिंटन उतर आई हैं।बाइडेन के अभियान तले कोरोना वायरस पर चर्चा के लिए हुए कार्यक्रम में क्लिंटन ने यह घोषणा की। उन्होंने ट्रंप का नाम तो नहीं लिया लेकिन इस वैश्विक महामारी से निपटने के रिपब्लिकन पार्टी से आने वाले राष्ट्रपति के रवैए पर हमला बोला और उनकी तुलना में बाइडेन के अनुभव की प्रशंसा की।

बाइडेन ने कहा है कि वह किसी महिला को उप राष्ट्रपति बनाएंगे। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए नवंबर में चुनाव होने हैं। क्लिंटन का बाइडेन के समर्थन में आना इसका उदाहरण है कि पार्टी की विविध विचारधाराओं के नेता भी उनके समर्थन में हैं।

चीन ने कोरोना वायरस पर लगाम लगाने के अमेरिका के प्रयासों को खारिज कर दिया : पोम्पिओ

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के उप विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने आरोप लगाया कि चीन ने कोरोना वायरस को फैलने से रोकने में मदद के लिए इस संक्रामक रोग के केंद्र रहे वुहान में विशेषज्ञों को भेजने की अमेरिका की कोशिशों को खारिज कर दिया है।पोम्पिओ ने मंगलवार को एक बयान में कहा, राष्ट्रपति और उनके प्रशासन ने अमेरिकियों को चीन में जमीनी हालात का जायजा लेने के लिए भेजने के वास्ते पूरी लगन के साथ काम किया ताकि विश्व स्वास्थ्य संगठन की भी वहां जाने की कोशिश में मदद की जाए। हमें इनकार कर दिया गया। उन्होंने कहा, चीन सरकार यह होने नहीं देगी, निश्चित तौर पर यह पारदर्शिता के विपरीत है। उन्होंने अमेरिकी पत्रकारों को बाहर निकाल दिया और उस समय वहां अमेरिकियों तथा अन्य पश्चिमी वैज्ञानिकों को भेजने से इनकार कर दिया है जब स्थिति बहुत गंभीर थी। अमेरिकी अधिकारी चीन की यात्रा करने वाले डब्ल्यूएचओ के विशेषज्ञ प्रतिनिधि दल का हिस्सा थे। विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा, वहां पहुंचने पर प्रतिनिधिमंडल कई स्थानों पर समूहों में गया लेकिन वुहान जाने वाले लोगों में अमेरिकी शामिल नहीं थे। प्रवक्ता ने एक सवाल के जवाब में कहा, जैसा कि विदेश मंत्री पोम्पिओ ने लगातार कहा है कि अमेरिका बहुपक्षीय संगठनों का समर्थन करता है। हम इस पर जोर देते हैं कि वे अपने अभियानों को पूरा करें जिसमें पूर्ण रूप से पारदर्शिता बरतना और सूचना साझा करना तथा सच बोलने की इच्छा तथा सदस्य देशों को जवाबदेह ठहराना शामिल है। अमेरिका ने डब्ल्यूएचओ को वित्त वर्ष 2019 में 40 करोड़ डॉलर दिए थे।उन्होंने कहा, वित्त वर्ष 2020 अब भी चल रहा है। मौजूदा 60-90 दिनों की रोक और नए वित्त पोषण की समीक्षा से पहले के वित्त पोषण पर कोई असर नहीं पड़ा है। इस बीच, सीनेटर क्रिस मर्फी और एड मार्की ने मंगलवार को पोम्पिओ से उन सवालों का जवाब मांगा कि चीन में अहम जन स्वास्थ्य संबंधी पदों को क्यों खत्म कर दिया गया और वुहान विषाणुविज्ञान संस्थान की सुरक्षा की चेतावनियों को गंभीरता से क्यों नहीं लिया गया। दोनों अमेरिकी सीनेट की विदेश मामलों की समिति के सदस्य हैं।

पीढ़ियों के लिए विरासत रहेगा इरफान का काम

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री समेत तमाम दलों के नेताओं ने दिवंगत अभिनेता को दी श्रद्धांजलि

भाषा। नई दिल्ली

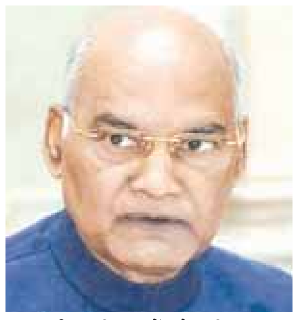

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देशभर के तमाम दलों के नेताओं ने बुधवार को दिग्गज अभिनेता इरफान खान के निधन पर दुख जताया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। सबने उन्हें दुर्लभ प्रतिभा करार दिया, जिन्हें बहुत याद किया जाएगा। अभिनेता इरफान खान का बुधवार को मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 54 वर्ष के थे और लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थे। दोपहर में वर्सोवा स्थित कब्रिस्तान में उन्हें दफन कर दिया गया। राष्ट्रपति कोविंद ने उन्हें दुर्लभ प्रतिभा-सम्पन्न कलाकार बताया और कहा कि उनकी विविध भूमिकाओं की छाप सदैव हमारे दिलों में अंकित रहेगी।

राष्ट्रपति ने अपने ट्वीट में कहा, विख्यात अभिनेता इरफान खान के असामयिक निधन से गहरा दुःख हुआ। वे दुर्लभ प्रतिभा-सम्पन्न कलाकार थे। उनकी विविध भूमिकाओं की छाप सदैव हमारे दिलों में अंकित रहेगी। उनका निधन, सिने-जगत एवं उनके अनगिनत प्रशंसकों के लिए अपूरणीय क्षति है। राष्ट्रपति ने कहा दुख की इस घड़ी में उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति मेरी शोक संवेदनाएं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने ट्वीट में कहा कि इरफान का निधन सिनेमा और रंगमंच की दुनिया के लिए एक बड़ा नुकसान है। उन्होंने कहा, उन्हें विभिन्न माध्यमों में उनकी बहुमुखी भूमिकाओं के लिए याद किया जाएगा। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, मित्रों और प्रशंसकों के साथ हैं। उनकी आत्मा को शांति मिले। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि देश ने असाधारण अभिनेता खो दिया।

शाह ने ट्वीट किया इरफान खान के निधन की दुखद खबर सुनकर पीड़ा हुई। वह एक बहुमुखी अभिनेता थे, जिनकी कला ने वैश्विक ख्याति और पहचान अर्जित की थी। इरफान हमारे फिल्म उद्योग के लिए बेहद मूल्यवान व्यक्ति थे। उनके निधन से, राष्ट्र ने एक असाधारण अभिनेता और एक दयालु आत्मा को खो दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इरफान को सर्वोत्कृष्ट अभिनेता बताया और कहा कि उनके निधन की खबर सुनकर दुख हुआ। सिंह ने पोस्ट किया, वह कलात्मक प्रतिभा और बहुमुखी प्रतिभा के प्रतीक थे। उन्होंने लंच बॉक्स जैसी फिल्मों में शानदार प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। फिल्मों में उनके योगदान को लंबे समय तक याद किया जाएगा। उनके असामयिक निधन से गहरा दुख हुआ। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी उनके निधन पर दुख जताया।

उन्होंने ट्वीट किया, इरफान खान के निधन के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ। वह एक बहुमुखी प्रतिभा वाले अभिनेता थे। वह वैश्विक सिनेमा एवं टीवी के स्तर पर एक लोकप्रिय भारतीय अंबेसडर थे। गांधी ने कहा, इरफान की कमी बहुत महसूस की जाएगी। दुख की इस घड़ी में उनके परिवार, मित्रों और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदना है। कांग्रेस की एक अन्य नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्वीट किया, इरफान खान की बेमिसाल अदाकारी जैसी दूसरी मिसाल मिलनी मुश्किल है। उनके अभिनय ने भाषाओं, राष्ट्रों और मज़हबों की सीमाओं को तोड़ते हुए अदाकारी का एक ऐसा लहजा बनाया जिसने कला और संवेदना के जरिए पूरी मानवता को एकजुट किया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भी इरफान के निधन पर शोक जताया और कहा कि वह एक मेहनती और बहुआयामी कलाकार थे जिनकी भारतीय सिनेमा से लेकर हॉलीवुड तक की यात्रा नवोदित अभिनेताओं के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा, कैंसर के दुर्लभ रूप के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ने के बावजूद वह चले गए।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट किया, देश के सबसे प्रतिभावान अभिनेताओं में से एक इरफान खान के असामयिक निधन की खबर सुनकर स्तब्ध हूं। उनके परिजनों, दोस्तों व चाहने वालों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर उन्हें यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया, हमारे दौर के सबसे असाधारण प्रतिभा के धनी अभिनेताओं में से एक इरफान खान के निधन के बारे में जानकर स्तब्ध हूं। उन्होंने कहा, उनका काम हमेशा याद रखा जाएगा। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन ने कहा कि इरफान के निधन से भारतीय सिनेमा को जबर्दस्त हानि हुई है। उन्होंने ट्वीट किया, अभिनेता इरफान खान के निधन की खबर सुनकर दुख हुआ। वह एक अभिनेता के रूप में उत्कृष्ट थे और उनका असामयिक निधन भारतीय फिल्म समुदाय के लिए एक बड़ी क्षति है। हम उनके परिवार और अभिनेता के साथ काम करने वाले हर शख्स के प्रति गहरी सहानुभूति व्यक्त करते हैं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि इरफान का जबर्दस्त काम पीढ़ियों के लिए विरासत होगा। उन्होंने ट्वीट किया, समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म अभिनेता इरफान खान के निधन से दुखी हूं। वह अपना विशाल काम छोड़कर गए हैं जो पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है। मुझे कुछ साल पहले उनसे कोलकाता में हुई मुलाकात याद आती है। मेरी उनके परिवार, सहयोगियों, और प्रशंसकों के प्रति संवेदना हैं। भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा ने कहा, बहुमुखी अभिनेता इरफान खान का निधन कला और सिनेमा की दुनिया के लिए एक अपूरणीय क्षति है। कलाकार हमेशा अपने काम के साथ हमारी यादों में रहते हैं। मैं उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने अभिनेता के साथ ट्विटर पर तस्वीर साझा की। उन्होंने ट्वीट किया, भारतीय सिनेमा के सबसे बहुमुखी अभिनेताओं में से एक इरफान खान के निधन के बारे में सुनकर दुख हुआ। इरफान से तब मुलाकात हुई थी जब वह उनके पटना निवास पर आए थे। एक बहुआयामी शख्स, एक महान इंसान उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि इरफान का सिनेमा में योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा, उनके चाहने वालों और प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। उनकी आत्मा को शांति मिले। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, "कोई स्टिरियोटाइप लुक नहीं, कोई सिक्स पैक नहीं, कोई फैंसी डांस स्टेप नहीं और बॉलीवुड में जगह बनाने के लिए कोई वंशवादी दावा नहीं। सिर्फ प्रतिभा और पर्दे पर एक दमदार उपस्थिति। जब दूसरे चुप रहे तो इरफान आपकी बोलने की हिम्मत आपकी सबसे बड़ी संपत्ति रही और आपको सबसे ज्यादा याद किया जाएगा। आपकी आत्मा को शांति मिले।

नई दिल्ली राष्ट्रपति भवन में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल से एक अप्रैल 2011 को पद्म श्री सम्मान लेते अभिनेता इरफान खान (फाइल फोटो)

फिल्म उद्योग हुआ शोकाकुल

भाषा। मुंबई

लंबे समय से एक दुर्लभ किस्म के कैंसर से जूझ रहे अभिनेता इरफान खान का मुम्बई के एक अस्पताल में बुधवार को निधन हो गया। उनके साथ काम कर चुके कलाकारों, निर्देशकों सहित फिल्म जगत से जुड़े विभिन्न लोगों ने उनके निधन पर शोक जताया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। इन सभी का मानना है कि इरफान समय से बहुत पहले इस दुनिया को छोड़ गए। इरफान को 2018 में न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर होने का पता चला था। उनके परिवार में पत्नी सुतापा और दो बेटे बाबिल तथा अयान हैं। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता इरफान ने लाइफ ऑफ पाई, द नेमसेक और हासिल जैसी फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभा कर अपने अभिनय से लोगों का दिल जीत लिया था। फिल्म पीकू में उनके साथ काम कर चुके अमिताभ बच्चन ने ट्विटर पर लिखा, एक अविश्वसनीय प्रतिभा ... एक बेहतरीन सहयोगी ... सिनेमा की दुनिया में शानदार योगदान देने वाले.... बेहद जल्दी अलविदा कह गए.... उनके जाने से एक खालीपन आ गया है... प्रार्थना और दुआ।

इरफान के निधन की खबर सबसे पहले देने वालों में शामिल शूजित सरकार ने कहा, मेरे प्रिय मित्र इरफान। तुम लड़े, लड़े और लड़ते रहे। मुझे हमेशा तुम पर गर्व रहेगा.... हम दोबारा मिलेंगे। इरफान के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए शाहरुख खान ने ट्वीट किया, मेरे दोस्त... प्रेरणा और हमारे समय के सबसे महान अभिनेता। अल्लाह आपकी आत्मा को शांति दे इरफान भाई ... आपकी कमी काफी खलेगी। शाहरुख ने इरफान के साथ बिल्लू फिल्म में काम किया था। निर्देशक विशाल भारद्वाज ने इरफान के साथ मक़बूल और हैदर सहित तीन फिल्मों में काम किया। उन्होंने कहा कि ऐसा महसूस हो रहा है कि इरफ़ान के साथ साथ उनका अपना एक हिस्सा मर गया। भारद्वाज ने कहा, मुझे डर था कि वह अपने समय से बहुत पहले चले जाएंगे लेकिन यह उम्मीद नहीं थी कि इसका मुझ पर ऐसा असर होगा। ऐसा लगता है, जैसे मैं दो हिस्सों में बंट गया हूं। मेरा एक हिस्सा उनके साथ ही मर गया है। सलमान खान और आमिर खान ने भी इरफ़ान को एक महान अभिनेता के रूप में याद किया और कहा कि वे अपने काम के जरिए लोगों के दिलों में हमेशा ही बसे रहेंगे।

ऋतिक रोशन ने कहा कि इरफान एक दुर्लभ इंसान थे जिन्होंने दिखाया कि "वास्तव में प्रामाणिक होने का मतलब क्या है। अभिनेत्री करीना कपूर ने कहा कि अंगरेजी माध्यम फिल्म में उनके साथ काम करना एक सम्मान जैसा था। निर्देशक अनुराग बसु ने शुरुआती टीवी के दिनों में इरफ़ान के साथ काम किया था और दोनों लाइफ इन ए मेट्रो में भी साथ थे। उन्होंने कहा कि वे फिल्म के सीक्वल पर फिर से काम करने वाले थे। बसु ने कहा, कि उन्हें उम्मीद थी कि वह इससे उबर जाएंगे। उन्होंने कहा, यह दुखद है। मैंने टेलीविजन में भी अपना कुछ बेहतरीन काम इरफान के साथ किया है। लोग सिर्फ यह जानते हैं कि हमने लाइफ इन ए मेट्रो में काम किया। मैं उनसे नहीं मिल सका, मुझे बहुत दुख हो रहा है। यह एक लंबी लड़ाई थी। उन्होंने इसे अकेले ही लड़ा। दक्षिण के सुपरस्टार महेश बाबू ने फिल्म सैनिकुडु में इरफान के साथ काम किया था। उन्होंने कहा, इरफान के असामयिक निधन की खबर से गहरा दुख हुआ। एक शानदार अभिनेता जल्द ही चला गया। अभिनेता मोहनलाल ने कहा कि इरफान की असामयिक मृत्यु के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ। संगीतकार एआर रहमान ने इरफ़ान को भारतीय सिनेमा की महानतम हस्तियों में से एक बताया। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र ने भी इरफान को श्रद्धांजलि दी और उन्हें याद किया। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के प्रभारी निदेशक सुरेश शर्मा, निर्देशक महेश भट्ट ने भी इरफान को याद किया। इरफान के साथ "सात खून माफै में काम कर चुकीं प्रियंका चोपड़ा ने कहा कि अभिनेता ने उनके जैसे कई लोगों के लिए आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त किया। फिल्म निर्माता करण जौहर ने कहा कि एक कलाकार के रूप में इरफान ने भारतीय सिनेमा के स्तर को उंचा उठाया और उनकी कमी हमेशा खलेगी। अभिनेता अजय देवगन ने कहा कि इरफान का असामयिक निधन हृदय विदारक और भारतीय सिनेमा के लिए एक "अपूरणीय क्षति है। हॉलीवुड निर्देशक एवा डुवर्नय ने कहा कि वह इरफान खान की आभारी प्रशंसक हैं। इरफान के साथ जुरासिक वर्ल्ड में काम कर चुके निर्देशक कॉलिन ट्रेवोरो ने भी अभिनेता को याद किया।

उनके साथ काम करने के मौके छूटने का हमेशा रहेगा अफसोस

भाषा। कोलकाता

बंगाली सिनेमा के दिग्गजों ने कहा

अभिनेता इरफान खान के असामयिक निधन के बाद बंगाली सिनेमा के दिग्गज फिल्मकारों का कहना है देश के सबसे अच्छे कलाकारों में से एक के साथ काम नहीं कर पाने का हमेशा अफसोस रहेगा, क्योंकि अब यह मौका फिर नहीं आ पाएगा। अपने तीन दशक के फिल्मी करियर में इरफान ने सांस्कृतिक और भाषाई सीमाओं को तोड़ते हुए मकबूल, द नेमसेक और द लाइफ ऑफ पाई जैसी बेहतरीन फिल्मों से अपने अभिनय का लोहा मनवाया। हालांकि, इरफान ने बंगाली सिनेमा में केवल फिल्म डूब में काम किया था, जिसे याद कर पूरा सिनेमा जगत आज शोकग्रस्त है। मशहूर बंगाली निर्देशक बुद्धदेव दासगुप्ता ने कहा कि उन्होंने 1989 की बाघ बहादुर और 2013 की फिल्म अनवर का अजब किस्सा को लेकर इरफान से बात की थी लेकिन इन योजनाओं को मूर्त रूप देने में असफल रहे। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक ने बताया, मुझे हमेशा अफसोस रहेगा कि मैं उसे अपनी किसी भी फिल्म में नहीं ले पाया। कई साल पहले वह मुंबई में बाघ बहादुर के ऑडिशन के लिए आया था लेकिन यह भूमिका किसी और को दे दी गई। जब भी मैं उससे मिलता था तो हम एक साथ काम करने की बात करते थे। दिग्गज फिल्मकार ने इरफान को भारतीय सिनेमा के समकालीन अभिनेताओं में सर्वश्रेष्ठ बताते हुए कहा कि वो बहुमुखी थे और उनमें गैर-पारंपरिक भूमिकाओं को निभाने की एक भूख थी। दासगुप्ता ने मुंबई में दो साल पहले इरफान से अपनी आखिरी मुलाकात को भी याद किया। बांग्ला सिनेमा के प्रसिद्ध फिल्मकार गौतम घोष भी लेखक कमल कुमार मजूमदार की रचना पर आधारित फिल्म में इरफान के साथ काम करना चाहते थे, लेकिन वित्तीय कठिनाइयों के कारण वे वह फिल्म नहीं बना पाए। घोष के मुताबिक इरफान ऊर्जा से भरे हुए थे और उन्होंने कभी इरफान को तनाव में नहीं देखा था। उन्होंने कहा, वह अंतरराष्ट्रीय स्तर के अभिनेता थे। वह बहुत सहज थे और उनमें बहुत समझदारी थी। दिग्गज अभिनेत्री-निर्देशक अपर्णा सेन ने कहा कि वह इरफान को एक फिल्म में लेना चाहती थीं, लेकिन उस समय उनकी ब्रेन सर्जरी होनी थी, जिसके कारण वे साथ काम नहीं कर पाए। सेन ने कहा, लंचबॉक्स, मकबूल जैसी फिल्मों में उनका अभिनय और उनके हावभाव मुझे हमेशा याद रहेंगे। निर्देशक श्रीजीत मुखर्जी को भी इरफान के साथ काम न कर पाने का अफसोस है। मुखर्जी ने कहा, "उन्हें मेरी हेमलॉक सोसायटी पसंद थी और हमारी एक दिन साथ काम करने की योजना थी। फिल्म डूब में इरफान के सह-कलाकार रहे अभिनेता पर्णोमित्र ने भी उनके साथ काम करने की यादें साझा कीं। मित्रा ने कहा, "वह क्रिकेट खेलना पसंद करते थे। वह बल्लेबाजी करते थे और हमें फील्डिंग करने के लिए कहते थे। वह कभी आउट नहीं होना चाहते थे। मेरे लिए इरफान उम्दा व्यक्ति, प्रेरणादायक अभिनेता और पसंदीदा सह-कलाकार थे। इरफान की की कमी हमेशा महसूस की जाएगी।

मुंबई में फिल्म मदारी की स्क्रीनिंग को लेकर अमिताभ बच्चन से मुखातिब होते इरफान खान (फाइल फोटो)

बेंगलुरु में पत्नी सुतापा सिकदर के साथ बदानावालू सत्याग्रह का प्रेसवार्ता कर समर्थन करते अभिनेता इरफान खान (फाइल फोटा)

थिएटर के लिए कुछ बड़ा करने का सपना लिए चले गए....

जयपुर। थिएटर चलता रहा है और चलता रहेगा लेकिन इरफान जैसा शानदार अभिनेता और लाजवाब इंसान कहां से लाएंग? वह थिएटर के लिए कुछ बड़ा करने का सपना देखते थे और उस सपने को अपने साथ ही लिए चले गए। इरफान को याद करते हुए उनके गुरू और नाट्य निर्देशक डा रवि चतुर्वेदी यह बात कहते हैं। जयपुर में इरफान खान के लिए किसी से भी बात कीजिए, उन्हें याद करते हुए हर कोई यह जरूर कहता है, शानदार अभिनेताउ लाजवाब इंसानउ इरफान की जड़ें जयपुर में थीं और वह जयपुर में थिएटर के लिए कुछ बड़ा करने का सपना देखते थे। थिएटर से लेकर सिनेमा तक में अपने अभिनय का लोहा मनवाने वाले इरफान का बुधवार को मुम्बई के एक अस्पताल में निधन हो गया। इरफान का परिवार मूल रूप से राजस्थान के टोंक से है लेकिन इरफान का बचपन जयपुर के परकोटे वाले सुभाष चौक में बीता जहां उनके परिवार की टायरों की दुकान हुआ करती थी। इरफान का बाकी परिवार आज भी जयपुर में ही रहता है। थिएटर की जानी मानी हस्ती और इरफान के शुरुआती गुरु रहे डा. रवि चतुर्वेदी कहते हैं, इरफान जो भी हुआ अपनी मेहनत से, अपनी लगन से हुआ। वह जमीन से जुड़ा था और जुड़ा रहा। संघर्ष शब्द आखिर तक इरफान से जुड़ा रहा। बचपन से लेकर आखिर तक। चतुर्वेदी के निर्देशन में इरफान की कलाकार के रूप में शुरुआती मंजाई हुई। इसके बाद वह दिल्ली के नेशनल स्कूल आफ ड्रामा चले गए। फिर बंबई और फिर पूरी दुनिया उनको जानने लगी। उनके जाने से थिएटर को हुए नुकसान पर वह डा . चतुर्वेदी कहते हैं, थिएटर चलता रहा है, चलता रहेगा लेकिन वैसा शानदार अभिनेता व लाजवाब इंसान कहां होगा? सार्थक नाट्य समिति के साबिर खान, इरफान को बढ़िया इंसान और शानदार अभिनेता के रूप में याद करते हैं। वे कहते हैं कि इरफान से मिलकर बात कर कभी ऐसा नहीं लगा कि यह आम सा इंसान वही है जिसके अभिनय की दुनिया दीवानी है। जयंरगम के दीपक गेरा कहते हैं कि इतना बड़ा अभिनेता होने के बावजूद इरफान जमीन से जुड़े लाजवाब आदमी थे। 2016 में उन्हें जयरंगम का ब्रांड अंबेस्डर बनाया गया तो वह पांच दिन तक न केवल यहां रुके बल्कि छोटे बड़े सभी नाटक देखे और स्कूली बच्चों से लेकर युवाओं तक सबसे खुलकर चर्चा की। गेरा कहते हैं इरफान जितने शानदार अभिनेता थे उतने बढ़िया इंसान भी थे। साबिर खान हर साल थिएटर वर्कशाप करते हैं जिसकी राजस्थान में खूब प्रतिष्ठा है। साबिर के कहने पर इरफान तीन साल तक इस वर्कशाप में हर साल एक दिन जरूर आते थे। वह अपने दोस्तों, परिचितों से कभी दूर नहीं हुए। इरफान का सपना था कि जयपुर में थिएटर कि लिए कुछ किया जाए। डा रवि चतुर्वेदी ने कुछ साल पहले उनसे कहा था कि सुभाष चौक इलाके से एक इरफान तो निकल गया लेकिन वहां और जयपुर में ऐसी अनेक प्रतिभाएं हैं जिन्हें मौका दिया जा सकता है।

खेल जगत की हस्तियां भी दुखी

भाषा। नई दिल्ली

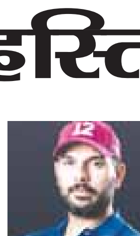
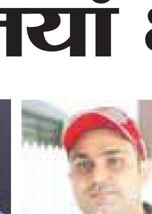

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली और महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर सहित विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों ने बालीवुड अभिनेता इरफान खान के निधन पर शोक व्यक्त किया। इरफान का बुधवार को मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 54 वर्ष के थे और लंबे समय से कैंसर से जूझ रहे थे। पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह भी कैंसर को मात देकर खेल में वापसी कर चुके हैं। उन्होंने ट्वीट किया, मैं उनका दर्द जानता हूं और मैं जानता हूं कि वह अंत तक लड़े। कुछ भाग्यशाली होते हैं जो बच जाते हैं, कुछ ऐसा नहीं कर पाते। पूरा भरोसा है कि अब आप बेहतर जगह पर होंगे, आपके परिवार को मेरी संवेदनाएं इरफान खान। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने ट्वीट किया, इरफान खान के निधन की खबर सुनकर काफी दुखी हूं। कितनी अद्भुत प्रतिभा और उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा से सभी का दिल जीत लिया था। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। तेंदुलकर ने कहा कि इरफान उनके पसंदीदा अभिनेता थे और उन्होंने उनकी सभी फिल्में देखी हैं। तेंदुलकर ने ट्वीट किया, इरफान खान के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। वह मेरे पसंदीदा कलाकारों में से एक थे, मैंने उनकी लगभग सारी फिल्में देखी हैं, अखिरी वाली अंग्रेजी मीडियम थी। वह बहुत सहज अभिनेता थे, शानदार। उनकी आत्मा को शांति मिले। उनके परिवार वालों को संवेदनाएं। पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने ट्वीट किया, बेहतरीन अभिनेता, बेहतरीन प्रतिभा। उनके परिवार और उनके चाहने वालों के प्रति संवेदनाएं। सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने लिखा, उनकी आत्मा को शांति मिले। हमेशा अभिनेता और कलाकार के तौर पर आपके लाजवाब काम का लुत्फ उठाया। उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं और प्रार्थना। सुरेश रैना ने ट्वीट किया, इरफान खान के निधन की खबर सुनकर बहुत दुखी हूं। वह सच्चे अभिनेता थे जिनमें अपार प्रतिभा और काबिलियत मौजूद थी। उनकी काफी कमी खलेगी। उनके परिवार के प्रति दिल से संवेदनाएं। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने लिखा, इरफान खान के निधन की खबर सुनकर दुखी हूं। उनके परिवार के प्रति गहरी संवदनाएं। वह मेरे पसंदीदा अभिनेताओं में से एक थे, इतनी जल्दी चले गए। उनका काम हमेशा जीवित रहेगा। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने ट्वीट किया, इरफान खान के निधन की खबर सुनकर दुखी हूं। पूरे परिवार के लिए संवेदनाएं। बेहतरीन कलाकार। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। भारतीय फुटबाल टीम ने अधिकारिक ट्विटर पर लिखा, हम इरफान खान के असमय निधन पर शोक व्यक्त करते हैं जिन्होंने अपने स्क्रीन पर अपनी अभिनय से सभी के दिल को छुआ। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। भारतीय फुटबाल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने लिखा, खान साहब, आपने जो कुछ किया, उसमें आप लाजवाब थे और यह हमेशा जिंदा रहेगा। अपनी कला को हमारे तक पहुंचाने का शुक्रिया। शोकाकुल परिवार वालों को भगवान मजबूती प्रदान करे। भारतीय बैडमिंटन स्टार खिलाड़ी साइना नेहवाल ने ट्वीट किया, इस महान कलाकार के साथ एक विज्ञापन की शूटिंग की थी, शानदार यादें सर। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने ट्वीट किया, प्रतिभाशाली अभिनेता इरफान खान के निधन की खबर सुनकर बहुत दुखी हूं। उनके परिवार और दोस्तों को संवेदनाएं। भारतीय महिला हाकी टीम की कप्तान रानी रामपाल ने लिखा, इरफान खान के असामयिक निधन की खबर सुनकर बहुत दुखी हूं। बेहतरीन अभिनेता, इतनी जल्दी चला गया। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे।

पटना में अपनी फिल्म मदारी के प्रमोशन के दौरान आरजेडी मुखिया लालू प्रसाद यादव के साथ इरफान खान (फाइल फोटो)

अहमदाबाद में फिल्म हिंदी मीडियम को लेकर प्रेसवार्ता करते इरफान खान (फाइल फोटो)